मैं यीशु के साथ क्या करूं जो मसीह कहलाता है?

प्रभु आपको आशीष दे, भाई वायल। सुप्रभात, दोस्तों। [सभा कहती हैं, "सुप्रभात, भाई ब्रन्हम।"—सम्पा।] मैं हमेशा देर से आता हूं। बिली मुझे बता रहा था कि आज सुबह, और मेरी लगभग तीस निजी भेंटवार्ता होनी थी, और मैं दो से ही मिल पाया, तो, मैं सोचता हूं कि दो या तीन से ही मिल पाया। सो मैं हर किसी से नहीं मिल सकता, आप जानते हैं, और लोग इंतजार में रहते हैं, और महीनों और महीनों से सूची पर इंतजार करते आ रहे हैं। और प्रभु वहाँ कुछ तो महान कार्य कर रहा हैं। ओह, वह—वह हमारा परमेश्वर है। क्या वो नहीं है? ["आमीन।"].

2 अब मुझे यकीन है, आज सुबह, कि हम सभी इस बडी दुखद बात के बारे में जानते हैं जो इस राष्ट्र के लिए घटित हुई कि हमारे राष्ट्रपति श्रीमान कैनेडी को हमने खो दिया है। हालाँकि उसके राजनीति में और उसके धर्म के मामले में मैं उस व्यक्ति से असहमत था, लेकिन फिर भी उसका इस तरह मरना उचित नहीं था। नहीं। और उन छोटे बच्चों को पीछे छोड़ देना, और पिता का नहीं होना। और एक माँ... जो श्रीमती कैनेडी, भले ही मैं निश्चित रूप से उसके साथ और उसके तरीकों और चीजों से सहमत नहीं रहूँगा, हो सकता है, लेकिन, याद रखें, वह एक माँ है। उसने बस अपने बच्चों को खो दिया है, और उसने अपने पति को खो दिया। और उनका पति ठीक उसकी गोद में गिर गया, और उसके अपने पति का लहू उसके गोद में पूरी तरह से गिरा हुआ दिखाई दिया था। यह भयंकर बात है।

3 क्या आपने कभी सोचा... कभी–कभी हम सोचते हैं कि वो शैलियों और चीजों में राष्ट्र के लिए एक गति को निर्धारित करती है। ऐसा भी हो सकता है। लेकिन क्या आप जानते हैं, श्रीमती कैनेडी ने इन संदेशो में से एक भी नहीं सुना जिसके बारे में मैंने प्रचार किया? यदि वह उनमें से एक संदेश सुन सकती, तो शायद कुछ अलग ही करती। और हमारी कुछ बहनें जो इसे सुनती हैं, और फिर भी इसका सामना नहीं करती हैं। समझे? समझे? देखा? वो एक कैथोलिक में पली बढ़ी थी; वो वही सब जानती

है। उसके विरोध कुछ भी नहीं, देखो वह... यह तो एक सिद्धांत है। लोगों के विरोध में कुछ भी नहीं, जो कैथोलिक लोग है। यह तो एक सिद्धांत है, कैथोलिक के सिद्धांत, उसी प्रकार से प्रेस्बिटेरियन, मेथोडिस्ट, या उनमें से कोई भी हो, देखो, या पेंटीकोस्टल, इसमें से कोई भी। यह तो सिद्धांत है, लोग नहीं।

4 श्रीमान केनेडी, मैं सोचता हूं, राष्ट्रपति होने के नाते एक अच्छा काम किया। मेरा हृदय उनकी पत्नी के लिए दुखित हो रहा है। और मैं इसके बारे में वास्तविक दुख को महसूस करता हूं, जो हमारा यहाँ तक अपना राष्ट्र, हमारे देश का उग्र व्यक्ति और इत्यादि भी दुख करेगा, वे ऐसा ही कुछ करेंगे।

5 यदि आप ठीक किसी व्यक्ति के साथ असहमत नहीं हो सकते हैं, और अपने खुद के स्थान में बने रहते है; और किसी अन्य व्यक्ति को खत्म करने का कोई कारण नहीं है, केवल इस तरह की बातों के वजह से। और उनके छोटे बच्चे जानते हैं, कहा, एक छोटे से बच्चे ने कहा, "अब मेरे पास, मेरे साथ खेलने के लिए कोई नहीं रहा। पिता भी चले गये।" समझे?

इसलिए मैंने हमेशा ही सोचा कि किसी दिन मेरी ऐसी दशा होगी। ऐसा लगभग कई बार हुआ, जैसा कि आप जानते हैं, बाहर के देशों में गोली मारने के दौरान; जब उनके शरीर को मुझ से दूर रखना पड़ता था, गोली से बचने के लिए मुझे दूरी को बनाये रखना पड़ता था।

6 इसलिए यदि कोई एक व्यक्ति इस तरह से मर जाए... लेकिन, यही है वो—वो कीमत जो चुकाई गई है, जो विभिन्न बातों की महिमा के साथ जाती है। देखा? मैं सोचता हूं हमारे पास हर चौथे राष्ट्रपति के बारे में तक़रीबन चार में से एक की हत्या की जाती है, और मुझे इसके बारे में बहुत दुख महसूस होता है। यह शर्म की बात है कि हमारे पास अमेरिका में ऐसे व्यक्ति रहते है, जो इस तरह के काम को करेंगे।

7 और अब, फिर भी, जैसा कि मैंने कहा, मैं—मैं उनकी राजनीति से असहमत था। मैं... नहीं हूँ, मैं उसके विचारों से सहमत नहीं हूँ जो वो करने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन, आप देखिए, वह एक दूसरा ही व्यक्ति है। और मैं उनके धर्म के सिद्धांत से सहमत नहीं था। मैं—मैं निश्चित रूप से इसके साथ सहमत नहीं हुआ। लेकिन, फिर भी, वह—वह इसी तरह से

ऊपर आया था। यही—यही जो भी वो था। जैसा कि मैंने कहा, हो सकता है कि उसने कुछ अलग ही सुना हो, हो सकता है, ये अलग रहा हो।

8 हमारे पास यहाँ एक—एक चीज़ है, जो हम करते हैं, कि जब कभी हमारा कोई व्यक्ति मरता है, या कोई तो, भले ही वो बाहर हो... मैं सोचता हूं कि एक अमेरिकी कलीसिया के नाई, अमेरिकियों के समुदाय के नाई...

अमेरिकी लोगों ने श्रीमान कैनेडी को राष्ट्रपति के लिए वोट दिया। और वह था... यही कारण है कि हम एक लोकतंत्र हैं। मैंने श्रीमान कैनेडी को वोट नहीं दिया। मैंने श्रीमान निक्सन को वोट दिया, क्योंकि मैं व्यक्तिगत रूप से श्रीमान निक्सन को जानता था। और मैंने—मैंने उसे पसंद किया, और मैंने उसके लिए वोट किया, व्यक्तिगत रूप से, क्योंकि मैं उसे पसंद करता था। लेकिन इस देश के लोग, अमेरिकी, इस देश के मेरे साथी नागरिकों ने श्रीमान कैनेडी को चुना। और जिस तरह से उन्होंने यह किया है, ठीक है, ये उनके और परमेश्वर के बीच है, लेकिन यह बहुत कुछ है।

9 लेकिन मैं सोचता हूं, इस माँ की खातिर, एक मनुष्य होने के नाते, जो बच्चों के लिए माँ है, श्रीमती केनेडी, क्या अब हम उनके लिए, प्रार्थना करने के लिए कुछ क्षण खड़े नहीं हो सकते?

10 प्रभु यीशु, हम जो मनुष्य जाति हैं, हम एक दूसरे के प्रति एक भावना को रखते हैं। और हमें खेद है, परमेश्वर, कि हमारे राष्ट्रपति की जिस तरह से गोली मार निर्दयी हत्या दी गई थी। और हमें इस बात का बहुत दुख है कि हमारा राष्ट्र ऐसे स्थान पर आ गया है, कि इस तरह के हमारे देश में ऐसे लोग हैं, जो एक मनुष्य की निर्दयी हत्या करके मार देंते है; जैसे कि उन्होंने उस अश्वेत भाई को ज्यादा समय नहीं हुआ गोली मार दी थी, और बस उसे निर्दयी रूप से गोली मार कर नीचे गिरा दिया, जाति पक्षपात के कारण। और हमें बहुत ही खेद है कि ऐसे लोग हमारे बीच में मौजूद हैं, प्रभु। हम, हमारी कमजोरी ने इसे घटित होने दिया हैं।

11 और हम श्रीमती कैनेडी के लिए प्रार्थना करते हैं, वो इस राष्ट्रपति की पत्नी है। और जानते है वे छोटे बच्चे जो उनके—उनके पिता के लिए बाट जोह रहे हैं, जो उन्हें कुछ दिन पहले छोड़ कर चले गए, खुशहाल व्यक्ति और वो पैर घसीट कर फर्श पर उनके साथ खेलता। अब उनका कोई पिता नहीं है। और उस महिला के लिए... जो उसकी पत्नी है, कि उसका अपना

पति उसकी गोद में गिर पड़ा था, और उसका लहू उसके वस्त्रो पर बहने लगा था; अभी उसके बच्चे को दफना रही है।

12 और फिर भी, प्रभु, हम सोच सकते हैं कि महिला के गलत होने पर भी, जिस तरह से उसने राष्ट्र में एक गति निर्धारित की है, उसके कपडे पहनने और इत्यादि से; लेकिन यह—यह जो पूरी तरह से अमेरिकी लोगों के लिए हो सकता है, कि यही है जो वे चाहते हैं। इसलिए हम—हम आज सुबह, उसके लिए प्रार्थना करते हैं कि आप उसकी सहायता करेंगे। और होने पाये इस गहरे शोक की घडी में कि वह सत्य, जो यीशु मसीह है उसे पा ले! इसे प्रदान करे, प्रभु, वही वो एक है जो केवल मुसीबत की घड़ी में शांति और विश्राम को दे सकता है।

13 और हमारी सहायता करे, प्रभु, निरंतर हमारे साथ रहे, हमारे पुरे हृदयों से, एक चमकता हुआ प्रकाश, जो हम नहीं जानते कि किस समय पर या कौन सा प्रभाव किसी और के निमित हमारे पास हो सकता हैं। आओ हम मसीह के प्रकाश को आगे चमकाये जब तक वो नहीं आता है। फिर झुंड का महान चरवाहा, जो सारे न्याय को जानता है, जो हर पाप को भरपाई करने के लिए अंदर लाएगा, और वो ही केवल यह जान पाएगा कि इसे कैसे करना है। और तब तक के लिए, हम अपने आपको आपके हाथों में सौपते है, आपकी हम पर प्रेम और दया होने के लिए। यीशु के नाम से। आमीन।

14 हां, मैं नहीं समझता कि कोई भी मनुष्य का इस तरह मरना उचित है। अब, श्रीमान लिंकन का इस तरह से मरना उचित नहीं हुआ। श्रीमान मेकिनले का इस तरह से मरना उचित नहीं हुआ। हुये लॉन्ग का इस तरह से मरना उचित नहीं हुआ; ना ही उनमें से किसी भी व्यक्ति का। मुझे उस पर विश्वास नहीं है। हत्या करना, यह बुरी बात है। हमारे जवान समुन्द्रपार ऐसा ही कुछ होने के लिए नहीं लडे। हमारे झंडे इस तरह के कुछ होने के लिए ऊपर नहीं उठे थे। हम ऐसे ही कुछ के बात लिए अमेरिका के नागरिक नहीं है। नहीं। हालांकि, हमारा राष्ट्र को पाप के साथ वृक्रित और दूषित हो गया है, और यही है जो—यही है जो इन चींजों को करता है। यही पाप है।

15 अब, आज हमारे पास... मैं संडे स्कूल, और कुछ चीजों के लिए सिखाने जा रहा हूँ, जिसका मैं कलीसिया में उल्लेख करना चाहता हूँ। और वो पहली

बात ऐसी है, जब आप ये संदेश भेजते हैं, मैं चाहुंगा आप मुझे क्षमा करे, मैं आप सभी को रविवार की सुबह बहुत देर तक रोके रखता हूं, जब मेरे पास ये सन्देश होते है। और फिर यदि परमेश्वर चाहे... मेरा ऐसा करने का कारण, यह है, क्योंकि मैं यहाँ अपने लोगों के बीच हूँ और मैं इन सिद्धांतों को उतना ही दृढ़ता से सिखाता हूँ जितना मैं जानता हूँ कि कैसे सिखाना है। मैं इन सिद्धांतों को अन्य स्थानों पर नहीं सिखाता हूँ। मैं बस सुसमाचार के मुख्य मूल सिद्धांतों पर खड़ा हूं। लेकिन ऐसे सिद्धांत जो दृढ़ हैं, मैं—मैं उन्हें अन्य स्थानों में—में नहीं सिखाता। और फिर, यहाँ, मुझे एक घंटा, कभी–कभी, दो या तीन घंटे लगते हैं, मेरे संदेश के जरिये से बताने के लिए। और मैं आपको यहाँ कभी–कभी, साढ़े बारह, एक बजे तक रोके रखता हूँ। और यह मामूली बात है जो मैं करता था। मैं कभी–कभी सारी रात, लगभग, रुकता हूँ। मैं घर पर गया, हमने कई बार आठ बजे आरंभ किया है, और सभा से अगली सुबह दो या तीन बजे घर गये है, यह सही बात है।

16 लेकिन मैं—मैं—मैं कोशिश कर रहा हूँ, जब मैं आपके साथ फिर से आऊँगा, और तो बस एक छोटा सा उपदेश लुंगा, बजाये इस को सिखाने के, जब तक मैं समय से पहले आपको सूचित नही कर लेता कि यह कुछ तो होगा। कारण, मैं सोचता हूं मेरे पास आगे के लिए सात तुरहियां है, जो सीधा छठी मोहर पर जुडी है। जब छठी मोहर ने आवाज़ दी, सारी सात तुरहीयां एक ही समय में चली गयी, तो आप देखें। और इसलिए हम... मैं उसके आगमन से पहले कलीसिया में बात को लाना चाहता हूं, यदि... या मेरा जाना, या जो भी हो सकता है, यदि मैं कर सकता हूं।

17 अब, यदि हम ऐसा करते हैं, तो हम आपको समय से पहले सूचित करेंगे। और हो सकता है फिर, आज सुबह, जैसा कि हम देखते हैं, हॉल पूरा भरा हुआ है, और दीवारें, और हर कही, हम कोशिश करेंगे... हमें एक स्थान मिल गया है अब हम यहाँ आ सकते हैं। इसमें लगभग तीन हज़ार लोग बैठते हैं, और यह अच्छा सभागार है, जो ठीक हमारे यहाँ आगे ही एक स्कूल का है। और सात तुरहियाँ, हम उन्हें स्कूल में वहाँ प्रचार करने की कोशिश करेंगे। और जिसमें आप लोगो के लिए बहुत से बैठने का स्थान होंगे, आप देखें, जिससे हम लोगों को अंदर ले जा सकते है।

18 हम न्यूयॉर्क पर रिपोर्ट देना चाहते हैं, हमारे पास बस एक अद्भुत समय

था। वहां मॉरिस ऑडिटोरियम (सभागार) में, हमें हर रात लोगों को बाहर करना पड़ता था। वे अन्दर ठसाठस भर जाते थे। आग... जिस व्यक्ति का यह स्थान था... अग्नि शामक उस स्थान को बंद कर देंगे, यदि हम उन्हें ऐसे खड़ा करते है, इस तरह से दबाव को देखकर वे बंद देंगे। और फिर हमें उन्हें बाहर करना पड़ा। और लोग वहां बाहर रास्ते पर थे, और ऊपर–नीचे रास्ते पर चल रहे थे, वे प्रार्थना करते थे कि कोई न कोई थक जाए और उठकर बाहर चला जाए ताकि वे अंदर आ सके और उन्हें एक बैठने का स्थान मिल जाये। समझे? केवल एक व्यक्ति, वे बस एक व्यक्ति के लिए वहाँ बाहर इंतजार करते, ताकि वे अन्दर आ जाये। और एक जो अगले दरवाजे पर होता है, और फिर वे एक को इस तरह से अंदर आने देते है। जब कोई तो उठकर और बाहर जाता, उसे जल्दी घर जाना होता था, ठीक है, वे अन्दर आ जाते और उसमें से कुछ सहभागी होते। देखो, वे आ जाते। यह बहुत ही अच्छा है, यह लोगों का बहुत अच्छा झुण्ड है। और मैं विश्वास करता हूं संसार, मसीही कलीसिया, परमेश्वर के लिए भूखा है।

19 अब मैं—मैं—मैं भरोसा कर रहा हूँ कि... धन्यवाद, भाई। मैं—मैं भरोसा करता हूं कि परमेश्वर हमें इस सौभाग्य को प्रदान करेगा, जहाँ हम एक साथ आ सकते हैं और हमारे पास अंतिम सात तुरहियां हैं। मैं उन चीजों को आगे लेकर जाना पसंद करूंगा, ताकि आप जान जाये।

20 इसके बाद बिसनेसमेन के नाश्ते में... आमतौर पर, उनकी वहां सभाये होती है, मैं सोचता है कि उन्होंने कहा कि कहीं भी उनकी पचास से लेकर सौ तक उनकी नाश्ते की सभा होती थी। और उस सुबह उन्होंने सत्रह सौ टिकट बेचे, और बाकी की स्थान को अंदर से भर दिया, पूरी तरह से पूरा स्थान भर गया था। और हर एक गलियारा, और दीवारों के आसपास, और ऊपर से नीचे तक सीढियों में लोग खड़े हुए थे। और कुछ उच्च दर्जे के सेवकगण, कुछ याजक, और—और इत्यादि, वहाँ संदेश सुनने के लिए आये थे। और इसलिए, मैं समझता हूं, मैं विश्वास करता हूं, इससे कुछ सहायता मिली है। इसने हो सकता और अधिक किया होगा, कुछ—कुछ और अधिक, उससे बेहतर जो वास्तव में हम सोचेंगे कि ऐसा हुआ होगा।

21 अब, फिर, आज रात... हमारे पास एक... संदेश होने जा रहे हैं, आज की रात, प्रभु ने चाहा तो, एक विषय पर—पर कि कैसे, जो आपके मसीह के साथ स्थितियों के बारे में है। और अब यह... ये छोटा सा संदेश होगा।

जिसे हम आरंभ करना चाहते हैं, मैं साढ़े सात बजे मंच पर होना चाहता हूं। यदि... हम हमेशा किस समय आरंभ करते हैं, साढ़े सात बजे? [एक भाई कहता है, "हम साढ़े सात बजे आरंभ करते हैं, लेकिन हम सात से आरंभ करेंगे।"—सम्पा।] ओह, सात बजे, और मैं मंच पर साढ़े सात बजे तक आ जाऊंगा, और इसे मुझे साढ़े आठ बजे तक समाप्त करना चाहिए, यदि प्रभु ने चाहा तो, क्योंकि मैं—मैं बस... मैं बस जल्दी करूंगा जितना जल्दी मैं कर सकता हूँ, और मैं अभ्यास करने की कोशिश करूंगा।

22 फिर एक और बात है, हो सकता है कि कुछ अनजान लोगों को हंसते हुए सुनें। कारण, मैं यहां से दूर जान कोशिश करूं, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकता। यह एक तरह से... मैं आशा करता हूं ऐसा नहीं दिखाई देता कि यह अनादर है, लेकिन मेरी माँ अक्सर कहती थी, इस तरह से लोग जब एक साथ इकट्ठा होते हैं, तो यह बिल्कुल ठंड की सुबह को गाढे गुड़ का जैसा दिखाई देता है। आप जानते हैं, यह मोटा होता है, और धीमी गति से आगे जाता है। और इसलिए इसके विषय में यह इसी तरह से है। मैं इन संदेशों में धीमी गति से आगे बढ़ता हूं, क्योंकि जो परमेश्वर के गन्ने की मिठास है, आप जानते हैं, एक तरह से हमें एक साथ गाढेपन में लाता है। और मैं—मैं—मैं इसे किसी और प्रकार से नहीं चाहता। मैं—मैं इसे बिल्कुल इसी प्रकार से चाहता हूं। जहां, मुझे याद है, हम खड़े होकर उस गीत को गाते थे।

धन्य वह बंधन है, जो बांधता है
मसीह प्रेम में हमारे दिल को;
उदार मन की हमारी संगति
ये जैसे ऊपर की तरह है। देखा?

हम भिन्न–भिन्न भाग के है,
यह हमें भीतरी को दर्द देता है;
लेकिन हम फिर भी हृदय में जुड़े रहेंगे,
और फिर से मिलने की आशा करते है।

23 और मैं—मैं भरोसा करता हूं कि यहाँ हमेशा ये हमारा—हमेशा लक्ष्य रहेगा। उनमें से बहुत से पुराने संत तब से लेकर सो रहे हैं, लेकिन हम अब भी हृदय से जुड़े हुए हैं। और मैं सोचता हूं कि उस सुबह का दर्शन, उन्हें वहां पर देखना, और उन पुरुष और नारीत्व के युवा डीलडौल की धन्य

और महिमा, अब भी वैसी ही दिखती है जैसी उनकी यहां पर थी, जब यहां वे पृथ्वी पर थे। मैं सोचता हूं कि वे हमारे आने का इंतजार कर रहे हैं। किसी दिन हम उनके साथ जुड़े हुए होंगे, परमेश्वर की इच्छा हुई तो। अब मैं—मैं...

24 और सभाओ को याद रखें, गीतों की सेवा की सभा आज रात साढ़े सात के बजाय सात बजे आरंभ होगी।

और फिर, अगले सप्ताह, मैं शेवरेपोर्ट, लुइसियाना में रहूंगा, और वहाँ शेवरेपोर्ट, लुइसियाना में, लाइफ टेबरनेकल में जाऊंगा। और मैं सोचता हूं कि वे रास्ते के उस ओर सभागार (ओड़ोटोरियम) को लेने की कोशिश कर रहे हैं। भाई मूरे ने कल रात फोन किया, उन्होंने कहा... यह एक वार्षिक कन्वेंशन है, और वे लोगों की एक बड़ी संख्या की आशा कर रहे हैं।

25 बस इससे पहले मैं वचन को पढ़ूं मैं छोटी सी गवाही को देना चाहता हूँ। एक—एक महिला एक दिन यहां पर बैठी हुई थी, वो... आपको बताऊंगा कि किसी का प्रभाव दूसरे के लिए प्रार्थना करने से क्या होता है। मैंने तभी वहां देखा और एक और महिला को देखा मैंने... मार्गी कॉक्स, जो भाई रॉडनी कॉक्स की पत्नी है यहाँ बैठी हुई थी। और पिछले हफ्ते की बात है, मैं सोचता हूं कि जब हम यहां पर थे, पवित्र आत्मा सारी इमारत में ह्रदय को जाँच रहा था, तो आप जानते हैं, कैसे लोगों को बताया गया। और वह बैठी हुई थी... वह अभी ठीक यहीं बैठी हुई है। लेकिन वह अभी कहीं तो बाहर थी। और मैंने—मैंने वहां पर देखा, और एक महिला थी, जिसे बताया गया था, जिसे शुगर मधुमेह की बीमारी थी। और मार्गी... और दर्शन में यह मार्गी थी। और मार्गी वहां पर खडी थी; और अब भी मैंने उसे वहां देखा, मैंने उसे देखा, और यह एक... और मैंने सोचा... और मैंने इस दूसरी महिला के लिए देखा, और दर्शन में मार्गी थी, लेकिन प्रकाश उस महिला पर था। तो मैं—मैं देखने लगा।

26 और मैंने सोचा, ठीक है, यदि मैं मार्गी को बताता हूं, तो वे कहेंगे, "निश्चित ही, निश्चित रूप से।" कोई उन्हें जानता है, कहेंगे, "क्योंकि, वो—वो... उसका पति तो बस उसका एक जिगरी दोस्त है। वे तो एक साथ ही रहते हैं, एक साथ सोते हैं, एक साथ शिकार करते हैं, और—और इत्यादि। अवश्य ही, वह, वह जानता होगा।" लेकिन मार्गी को यह पता

नहीं था। लेकिन मैंने दूसरी महिला को बताया, जो कि... मेरा मानना है कि शिकागो से बाहर की एक बहन थी, जैसा कि मैंने इसे बाद में समझा।

27 लेकिन फिर आकर, जो उसके... कारखाने में, वे मधुमेह का परीक्षण करते हैं। और—और वहाँ बहन को मधुमेह हो गया था। और इसलिए वह अपने रास्ते पर थी, पसरो के दिन, इसके लिए दवाखाने में थी। और—और जब उसने इसका उल्लेख किया, तब मैंने उसे इस बात की याद दिलाई। और मैंने कहा, "यहाँ आओ, बहन मार्गी।" और उसके बारे में उसने बताया कि कैसे उसके हाथ सुन्न हो रहे थे, और यह कि किस तरह से वास्तव में बीमार महसूस कर रही थी।

वो छोटी महिला लगभग दिन–रात काम करती है, वहाँ पर... सच्ची छोटी माँ, अपने पति को उनके घर के भुगतान करने में मदद करने के लिए, जिसे वे बनाने की कोशिश कर रहे हैं। और उसकी—और उसकी छोटी बहन, नेल्ली, और चार्ली, जो कि रॉडनी के भाई है, उसकी पत्नी और वे सभी साथ–साथ वहाँ उन कारखानों में काम करते हैं, वे जितना मेहनत कर सकते हैं, उतना वे करते हैं। और निंदा के लिए खड़े रहते है। उन्होंने अपने बालों को बढ़ने दिया, और श्रृंगार को उतार फेंका, इसी तरह की चीजो को किया, जब से वे मसीही बन गए। मैं उस मान देने में विश्वास करता हूं जहां वे मान देने के हकदार है। और निश्चित रूप से उन दो युवा महिलाओं के प्रति मेरे हृदय में एक हार्दिक स्थान है।

28 और फिर मैं उसके हाथ को पकडकर और उसके लिए प्रार्थना की। और वह ऊपर गई, और उन्होंने कहीं भी मधुमेह का कोई निशान भी नहीं पाया। मधुमेह वैसे ही चला गया था।

एक महिला जो यहीं कहीं पर बैठी हुई थी, जिसे बताया गया था, और इस बहन का नाम ब्रूस था। आज सुबह मैं उसे नहीं देख पा रहा हूं, लेकिन वह हमेशा... बहुत ही अधिल प्रार्थना करने के लिए एक महिला है। और यह महिला अंदर आई, पिछली बार जब मैं यहाँ था, और वहां कोई प्रार्थना पत्र या कुछ भी नहीं—नहीं दिए गया था, सो वहां कोई भी नहीं था, कोई प्रार्थना की पंक्ति नहीं होनी थी, सो वे बस... पवित्र आत्मा तब श्रोतागण के लिए बताने लगा।

29 और यह छोटी सी कुमारी ब्रूस, उसने खुद एक बार कैंसर से चंगाई पायी थी। और—और हमेशा ही उसके हृदय में किसी और के लिए बोझ

रहता था, और वह बस प्रार्थना करती रहती थी। और लुईसविले की एक महिला थी, जो मर रही थी, उसके गले में कैंसर था। और जब वह प्रार्थना कर रही थी, पवित्र आत्मा तब उस महिला के पास चला गया, उसे बताता है, और जो कुछ भी उसने किया, उसे बताने लगा कि वह कौन थी, मेरा मतलब उसे बताया, वह कौन थी, और उसकी परेशानी क्या थी, और उसके कैंसर होने के बारे में बताया, और उसने कहा, ये ठीक हो जायेगा। और वो छोटी महिला घर चली गई।

उसके कुछ दिनों के बाद, वह बस गला घुटकर लगभग मरने पर थी, बस उसका गला ऊपर की ओर सूज गया। उसे बहुत जोर से खांसी हुई, और कैंसर उछल कर बाहर आ गया। और वह एकदम सही है। देखा?

30 क्या हुआ, आप देख रहे हैं, गांठ, अपने आप में एक नुकसानदायक है, जिसमें एक जीवन होता है। देखा? *कैंसर,* ये उस शब्द से आता है, इसका चिकित्सक शब्द, "केकड़ा," है, जिसका अर्थ होता है कि इसके बहुत सारे पैर होते हैं, जैसे वो—वो केकडा आपको समुद्र पर मिलता हैं और—और यह आपमें से आपका लहू चूसता है। और उसके गले में यह घातक फोड़ा था, यह वही था, जो वह कर रहा था।

अब, देखिए, मैं उस होने वाले फोडे से नहीं निपट रहा हूं। मैं उस जीवन के साथ निपट रहा हूं, जो उस फोडे में है। देखा? वो जीवन जो उस फोडे में है, उससे हम निपट रहे हैं। देखा? "मेरे नाम से वे लोग शैतानो को निकालेंगे।" वो शब्द *शैतान* का मतलब "पीड़ादायक" है, जैसे शरीर के लिए। और यह एक शैतान था। और फिर जब जीवन उस फोडे से बाहर चला गया, तो निश्चित रूप से, उस फोडे में सुजन होने लगती है।

31 बिल्कुल उसी तरह जैसे एक छोटा कुत्ता जो सड़क पर कार से दबकर मरा पड़ा है, ऐसा ही कुछ तो, उसे कुछ दिनों के लिए धूप में वहीं रखे रहने दे, और फिर वह अपने आकार से दोगुना हो जाता है।

तो, यही है जो उस छोटी महिला को बदतर बना रहा था। मैंने कई बार इसे समझाया है। यदि आप बदतर होते जाते हैं, तो यही वो संकेत है कि आप चंगे हो गए है, आप देखते हैं। और इसलिए यह हर समय बदतर होते जा रहा था, और उसे घुटन दे रहा था, क्योंकि यह सूज रहा था। और... लेकिन इसने छोड़ दिया था, जीवन इससे बाहर निकल गया था। और उसके इस प्रकार से खाँसने से, आप देखे, [भाई ब्रन्हम खाँसते है—

सम्पा।] *इस* प्रकार से, उछला, उसके बाकी के देह से छोड़ कर इसे झटक दिया। और वो मरी हुई वस्तु, केवल शरीर जिसमें कोई जीवन नहीं है, कैंसर चला गया, बाहर उछला, देखो, वो बाहर गिर गया।

32 सो, यह क्या है, वो शरीर तब बाहर चला गया। यह शैतान नहीं था जो बाहर निकला था। यह तो वो घर था जिसमें वह रहता था। वह तो बाहर निकल गया था क्योंकि उस महिला के विश्वास ने उसे कहा था, यह जानते हुए कि यीशु मसीह कल, आज, और हमेशा एक सा है, यही है जिसने कैंसर को मार डाला, उसने उस जीवन को निकाल फेंका।

अब, वह डॉक्टर के पास वापस चली गई, और डॉक्टर ने कहा, "बकवास, वो—वो चीज तो बस वहीं की वहीं है जो पहले थी।" लेकिन यह सही बात थी, वो फोड़ा वहां पर था, लेकिन वो जीवन वहाँ पर नहीं था। समझे?

33 अब, क्या होता यदि यह कहीं और होता था, जहाँ से यह बाहर नहीं आ सकता था?

क्या उसकी यही तस्वीर है? [भाई नेविल भाई ब्रन्हम से कहते हैं, "यह उस एक फोड़े की तस्वीर है, जो श्रीमती बेकर से बाहर आयी, ये स्प्रिंगविले, इंडियाना के से निकाली गई है। और वो... इस एक तस्वीर को बड़ा किया गया है, जिसे उसने प्रार्थना के बाद बाहर निकाला।"—सम्पा।] यहां श्रीमती बेकर के वृद्धि की तस्वीर है, स्प्रिंगफील्ड, इंडियाना से है, जो प्रार्थना के बाद बाहर आया। ये इसकी एक तस्वीर है, देखिए, यही वो शरीर है जिसमें शैतान रहता था।

बिल्कुल वैसे ही जैसे आप इस शरीर में रहते हैं,; यह छोटा हो सकता है, बड़ा, लाल सर वाला, काले सर वाला, जो भी हो। देखा? या तो शैतान इस शरीर में रहता है, या तो मसीह इस शरीर में रहता है। तो ठीक है, फिर जब इसमें से जीवन निकल जाता है, आपका शरीर फिर भी यहाँ धरती पर होता है, देखो, लेकिन जीवन वहाँ पर नहीं है।

जब जीवन निकल जाता है, तब भी शरीर वहीं था। और फिर ये बहन के शरीर से उछलकर बाहर आ गया और बाहर निकाल फेंका और, ढांचा बाहर निकल गया।

लेकिन यदि यह एक स्थान पर होता है, तो यह बाहर नहीं आ सकता है, तब आपका ह्रदय उस मृत वस्तु को लेता और लहू को शुद्ध करता है,

हर बार जब यह धड़कता है। इस कारण से बुखार आने लगता है, और बाकी सब कुछ होने लगता है, क्योंकि यह एक रोग संचार है। आप समझ रहे हैं? और आपका ह्रदय... मैं सोचता हूं कि ह्रदय लहू को शुद्ध करता है, जब ये इसमें से होकर गुजरता है। क्या वह सही है, बहन दौच? मैं सोचता हूं कि यह सही है। ह्रदय, जब धड़कता है, वह शुद्ध करता है। एक नर्स, जिसे आप जानते हैं, और उसके सामने एक और बैठी हुई है। शुद्ध... उठाता है... और यही एक रोग संचार जो बुखार का कारण होता है। यह रोग संचार को उठाता है और—और बुखार चढ़ने लगता है।

34 अब, आप लोग, इसे देखते हैं, यह आपका विश्वास है। यह आपकी कोई भावनायें नहीं है। ये कुछ भी नहीं है, चाहे ऐसा हो, यदि मेरा हाथ सीधा नहीं होता है। इससे एक बात का भी कोई लेना–देना नहीं है। यह तो मेरा विश्वास है जो ऐसा करता है। देखा? ठीक हमारे सामने, हम विश्वास के द्वारा, एक सही रूप से चंगाई पाए हुए व्यक्ति की छवि को देखते हैं। और फिर हम बस उस व्यक्ति में कदम दर कदम को होते हैं, और बस ठीक उसी के साथ चलते हैं। देखा? आप वहीं पर हो। और यह, यही है जो यह करता है, जो आपका विश्वास है; आपकी भावनायें नहीं। आपका विश्वास इसे करता है। परमेश्वर का धन्यवाद और स्तुती हो!

35 अब कुछ क्षण की प्रार्थना के लिए, और हमारे पास यहाँ एक विषय है, जिसे हम एक विचार के लिए देना चाहते हैं, और कुछ समय के लिए जो प्रभु इस के अनुसार हमारे साथ व्यवहार करेगा।

और, अब, और फिर यदि आप में से कुछ लोगो को आज सुबह वापस जाना है, और शाम की सेवा में वे नहीं होंगे, प्रभु ने चाहा तो, मैं—मैं यहाँ फिर से रहूंगा। क्रिसमस के सप्ताह में परिवार वापस आ रहा है। और फिर, क्रिसमस के बाद का रविवार, प्रभु ने चाहा तो, मैं अपने क्रिसमस के संदेश को यहां भवन में प्रचार करना चाहता हूं; क्रिसमस के बाद के रविवार में। प्रभु की इच्छा है तो, विषय होगा, *मार्ग पर भटकना*।

सो आइये, अब हम अपने सिर को झुकाते हैं और प्रार्थना को रखेंगे इससे पहले हम वचन को पढे।

36 प्रभु यीशु, इस समय पर आप हमारे निकट हो। और हम जानते हैं कि यह हमारे छोटे सी कलीसिया में कठिन है, और जब बहुत से लोग खड़े हैं। और—और हम यहाँ इसलिए नहीं है, क्योंकि यह स्थान आरामदायक

है, जो हमें शारीरिक रूप से आराम देता है, क्योंकि यह आरामदायक नहीं है। और हम यहां पर दिखावा करने के लिए नहीं हैं। लेकिन हम यहां हैं, क्योंकि हमने आपकी उपस्थिति को महसूस किया है। और हम जानते हैं कि आप यहाँ पर है। और हम यहां पर सुधार के लिए हैं। और हम यहाँ पर हैं, जानते हुए कि हम परमेश्वर के भवन में हैं। और हमें यहां रहना अच्छा लगता है, कोई फर्क नहीं पड़ता खड़ा रहना यह कितना असुविधाजनक है, और—और भरी हुई भीड़ में बैठना, लेकिन हम यहाँ पर हैं क्योंकि हम—हम महसुस करते है कि परमेश्वर यहाँ पर हैं।

37 और उसी तरह अवश्य ही उस लड़के ने उस रात को महसूस किया होगा, जब पौलुस ने रात भर प्रचार किया, क्या ही लंबा संदेश, शायद सूरज के ढल जाने से लेकर अगली सुबह उसके उगने तक। और एक युवा लड़का वहां ऊंचाई पर बैठा हुआ था, वह गिर गया और उन्हें लगा कि वह मर चूका है। और पौलुस ने अपना शरीर उसके ऊपर पसार लिया, और परमेश्वर की आत्मा जो संदेशवाहक पर थी उसने जीवन की आत्मा को लड़के के शरीर के अन्दर वापस लाया। और उसने कहा, "वह पूरी तरह ठीक हो जाएगा," और युवक जीवित हुआ था। उसने दिलचस्पी दिखाई थी जो पौलुस कह रहा था।

38 और, परमेश्वर, हम आज सुबह रुचि रखते हैं कि पवित्र आत्मा हमारे हृदय के लिए क्या कह सकता है। और हम प्रार्थना करते हैं कि आप हम में से प्रत्येक के लिए जीवन की रोटी को तोड़ेंगे, कि जब हम आज यहां से जाते हैं, तो हम इस इमारत से वैसे ही लोग नहीं जायेंगे, जैसे हम अंदर आए थे। होने पाये मसीही लोग आपके करीब हो जाये। होने पाये आज पापी बदल जाये। होने पाये बीमार चंगे हो जाये। और होने पाये कि परमेश्वर का राज्य हमारे निकट आ जाये, या यहाँ तक कि हम में हो। क्योंकि हम इसे यीशु मसीह के नाम से मांगते हैं, जैसे हम उसकी आत्मा पर प्रतीक्षा कर रहे हैं ताकि हमें वचनों को दे। आमीन।

39 अब आइए कुछ वचनों को पढ़ें, जो कि... परमेश्वर का वचन हमेशा सही होता है।

और अब, और हर एक जन, मैं देख रहा हूँ कि आप उन बहुत से खड़े लोगों के लिए दयालु हो। मैं देख रहा हूं कि कोई तो व्यक्ति उठा और कोई बैठ गया, और किसी और को बैठने के लिए जगह दी। यह बहुत अच्छी

बात है। मेरी इच्छा है कि हमारे पास और भी स्थान होता था, लेकिन हमारे पास इस समय पर अभी नहीं है।

मत्ती 27 को निकाले, और हम 11 वे पद को पढ़ेंगे, और फिर हम इस विषय पर बोलेंगे।

जब यीशु हाकिम के साम्हने खड़ा था, तो हाकिम ने उस से पूछा; कि क्या तू यहूदियों का राजा है?... यीशु ने उस से कहा, तू आप ही कह रहा है।

जब महायाजक और पुरिनए उस पर दोष लगा रहे थे, तो उस ने कुछ उत्तर नहीं दिया।

इस पर पीलातुस ने उस से कहा:क्या तू नहीं सुनता, कि ये तेरे विरोध में कितनी गवाहियां दे रहे हैं?

परन्तु उस ने उस को एक बात का भी उत्तर नहीं दिया, यहां तक कि हाकिम को बड़ा आश्चर्य हुआ।

और हाकिम की यह रीति थी... कि उस पर्व्व में लोगों के लिये किसी एक बन्धुए को जिसे वे चाहते थे, छोड़ देता था।

उस समय बरअब्बा नाम उन्हीं में का एक नामी *बन्धुआ था।*

सो जब वे इकट्ठे हुए, तो पीलातुस ने उन से कहा; तुम किस को चाहते हो, कि मैं तुम्हारे लिये छोड़ दूं? बरअब्बा को, या यीशु को जो मसीह कहलाता है?

क्योंकि वह जानता था कि उन्होंने उसे डाह से पकड़वाया है।

जब वह न्याय की गद्दी पर बैठा हुआ था तो उस की पत्नी ने उसे कहला भेजा, कि... तू उस धर्मी के मामले में हाथ न डालना; क्योंकि मैं ने आज स्वप्न में उसके कारण बहुत दुख उठाया है।

महायाजकों और पुरनियों ने लोगों को उभारा, कि वे बरअब्बा को मांग ले, और यीशु को नाश कराएं।

हाकिम ने उन से पूछा, कि इन दोनों में से किस को चाहते हो, कि तुम्हारे लिये छोड़ दूं?... (जरा इस पर सोंचे!)... *उन्होंने कहा; बरअब्बा को।*

पीलातुस ने उन से पूछा; फिर यीशु को जो मसीह कहलाता है, क्या करूं? तब मैं यीशु के साथ क्या करूं जो मसीह कहलाता है? सब ने उस से कहा, वह क्रूस पर चढ़ाया जाए।

हाकिम ने कहा;... क्यों उस ने क्या बुराई की है? परन्तु वे और भी चिल्ला, चिल्लाकर कहने लगे, वह क्रूस पर चढ़ाया जाए।

जब पीलातुस ने देखा, कि कुछ बन नहीं पड़ता परन्तु इस के विपरीत हुल्लड़ होता जाता है, तो उस ने पानी लेकर भीड़ के साम्हने अपने हाथ धोए, और कहा; मैं इस धर्मी के लोहू से निर्दोष हूं; तुम ही जानो।

सब लोगों ने उत्तर दिया, कि इस का लोहू हम पर और हमारी सन्तान पर हो।

इस पर उस ने बरअब्बा को उन के लिये छोड़ दिया, और यीशु को कोड़े लगवाकर सौंप दिया, कि क्रूस पर चढ़ाया जाए।

40 क्या दुखद तस्वीर है! मैं इसका एक विषय लेता हूं, यदि आप इसे उस तरह से लिखना चाहते हैं, या इसे ऐसे कहते हैं। और हो सकता है टेप इसे शीर्षक देना चाहेगा: *मैं यीशु के साथ क्या करूं जो मसीह कहलाता है?* और जिस विषय का मैं उपयोग करना चाहता हूं, उस पाठ के बाद; मैं इस विषय का उपयोग करना चाहता हूं, "यीशु जो आपके हाथों पर है।" यीशु के साथ जो आपके हाथों पर है, आप क्या करेंगे?

41 हमारा दृश्य आज सुबह आरंभ होता है, उसे न्याय के सभागृह में; जहां पिलातुस, वो हाकिम, जिसे दृश्य पर बुलाया गया था, ताकि—ताकि वह उस कार्य करे सके और—और न्याय करे। यह प्रात: काल का समय था, दिन के उजियाले से थोड़ी देर पहले, और वह अपनी नींद से बैचेन हो गया था, और—और इस मनुष्य के मामले की सुनवाई के लिए वहां बुलाया गया था।

42 यह हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता, यीशु मसीह के क्रूस का समय था। उसने—उसने कुछ भी नहीं किया था, जिससे कि वे उसे उसमें पा सके, और उसने—उसने हर बात का जवाब दिया था। यह बस वही घडी थी जो इसे उस तरह से होना था।

वहां ऐसा कुछ भी नहीं है, जो हो सकता है, बिना इसके पीछे कुछ हुए जो इस तरह के होने का कारण हो। वहाँ पर कुछ तो हर एक चीज का

कारण होना है, जो स्थान को लेता है। क्योंकि यह—यह उद्देश्य के लिए हुआ है, आत्मा के द्वारा, जो उस मनुष्य में है, और मनुष्य जाति में, और इत्यादि। वहां एक उद्देश्य है, इसके लिए एक उद्देश्य है, और एक—एक मकसद है, और वहाँ एक कारण को होना है।

और, उस कारण इस सबसे महान मनुष्य का होना था जो कभी इस धरती पर रहता था, या कभी रह सकता था; इस तरह से होने का जो कारण था, क्योंकि इसके होने का ये समय था। देखा? यह इस प्रकार होना ही है, और इससे बचने का कोई रास्ता नहीं था। ये, ऐसा उस समय होना था।

और यीशु ठीक उसी तरह धरती पर आया था, जिस तरह से परमेश्वर के वचन ने भविष्यवाणी की थी कि वह आयेगा। उसने बिल्कुल ठीक वही किया जो वचन ने कहा था कि वह करेगा। उसने बिल्कुल सही जीवन को जीया, और परमेश्वर ने जानने लगाया, या प्रकट किया, जो उस समय का बीज है। अब याद रखना, परमेश्वर...

43 बाइबल उत्पत्ति में आरंभ होती है और प्रकाशितवाक्य पर जाती है। अब यहाँ पर जो पाठ है जिसे मैं चाहता हूँ कि आप इसे समझें, कि... देखें, बाइबल में प्रत्येक पीढ़ी में यह बात को बोला गया है, प्रत्येक पीढ़ी के जरिये से ये बात होती आ रही है।

जैसे दानिय्येल ने देखा... नबूकदनेस्सर के सपने का अनुवाद; अन्यजातियों के राज्य कैसे आएंगे, और वे कैसे आगे जाएंगे, और वे कैसे बाहर जाएंगे। और उन लोगों में से हर एक जाति और वे राष्ट्रों, कि अन्यजातियों की शक्तियां जो नियंत्रित करती हैं, जिसने संसार को नियंत्रित किया है, जिसने ठीक उसी तरह से किया है जैसा कि दर्शन ने कहा था कि वे करेंगे।

44 जब नबूकदनेस्सर, जो सोने का सिर था, उठा लिया गया था, तब मादी और फ़ारसी आ गये; और उनमें की प्रकृति, धातु की प्रकृति के अनुसार थी, और नबी ने जो कहा, ठीक उसके अनुसार। नबूकदनेस्सर, सोने का सिर था, जो सबसे बड़ा और पहला राज्य है। उसके बाद मादी और फ़ारसी चांदी हुये थे। और उसके बाद नीचे जांघों में, जो पीतल का हुआ था। और प्रत्येक धातु ठोस और ठोस होता जाता है; सोना सबसे नरम है। और यह लोहे में समाप्त होता है, जो कि सबसे ठोस है, वह लोहा है।

अब, उन राज्यों में से प्रत्येक, बिल्कुल नीचे प्रकृति के द्वारा आता जाता है, उसी तरह जैसे से नबी ने कहा कि वे करेंगे। और वो क्या कर रहा था? वह राष्ट्रों को देखने के लिए एक बीज बो रहा था, और हर बार जब वो राज्य को जारी किया जाता था, तो उसे उस के अनुसार करना पड़ता था, जो वचन ने कहा था।

45 और फिर मसीहा को इस दृश्य पर आना था। और जब मसीह दृश्य पर आता है, उसे परमेश्वर के उन वचनों का उत्तर होना था, जिन्हें पूरा किया जाना था, जिसके लिए भविष्यव्यक्ता ने बोला था, कि वह क्या करेगा।

मूसा ने कहा, "वो एक—वो एक मेरे जैसा भविष्यव्यक्ता होगा।" और यदि आपके पास... हमारे पास समय होता कि हम उस पहले के समय के नमूने के लिए बताते और यह दिखाते कि कैसे वो जबरदस्त समय में, जब इस्राएल मिस्र की कैद में था, तो कैसे मूसा का जन्म एक विचित्र, अजीबोगरीब, बालक जन्मा था; और वह—वह किस तरह से ऊपर आया और पला बढ़ा, और कैसे वो सरकंडो में छिपा हुआ था; और कैसे वह एक अगुवा बन गया, वो पहाड़ों पर चला गया और उसने नियम को पाया, और वापस नीचे आ गया। और वो केवल एक अगुवा नहीं था; लेकिन वो एक याजक था, और एक राजा, और एक अधिकारी था। उन सभी बातों में, और यह किस तरह से बिल्कुल सही मसीह का नमूना है। और मूसा ने कहा, "प्रभु तुम्हारा परमेश्वर, मेरी तरह एक भविष्यव्यक्ता को खड़ा करेगा।" देखा?

46 अब, जब मसीह का जन्म हुआ था, तो इस्राएल फिर से रोमन साम्राज्य की कैद में था। और वो क्या था? एक अनोखा बालक जन्मा, और विचित्र, वह कैसे पला बढ़ा था। कैसे वह पहाड़ों पर चढ़ गया, और नीचे आया और कहा, "तुमने उन्हें कहते हुए सुना है, वे जो पुराने समय के है, 'तुम चोरी नहीं करना।' आपने उन्हें यह कहते हुए सुना है, 'तुम व्यभिचार ना करना,' लेकिन मैं कहता हूं, जो भी एक महिला की तरफ कुदृष्टि से देखता है, वो व्यभिचार कर बैठा।" एक नियम को बनाने वाला, देखो, और एक राजा, एक याजक, एक भविष्यव्यक्ता, जो बिल्कुल उसके जैसा है। इसलिए इन सभी चीजों को पूरा करना था, और जब वो स्थान जो मसीहा के जीवन के लिए वहाँ रखा हुआ था, जब वह पूरी तरह से प्रमाणित हुआ था।

अब, यह अंतिम लंबा पाठ हो सकता है, जिसे मैं थोड़ी देर के लिए सिखाऊंगा। मैं चाहता हूं कि आप इसे अब ध्यान से सुने।

47 जब इस विशिष्ट पीढ़ी के लिए वचन को बोला गया हो, तो किसी व्यक्ति को खड़ा होना होगा, जो दृश्य पर ऊपर आ जाये, जो उस वचन को पूरा करेगा, क्योंकि परमेश्वर इसे बोल चूका है। यह कहे गए वचन का एक प्रमाणित होना है। और यीशु ने हर एक योग्यता को पूरा किया, और वो वचन था, बिल्कुल ठीक मसीहा के रूप में प्रमाणित हुआ था। बाइबल में भी अंतिम दिन के लिए वचन को बोला गया हैं। उन वचनों को जीवन में आना है।

48 और हम यहाँ देखते हैं कि, जब हमारे प्रभु के दिनों में, कलीसिया ने उसे पिलातुस के न्याय के भवन में आने से पहले ही अस्वीकार कर दिया था। उन्होंने उसी दिन से उसे ठुकरा दिया था, जिस दिन से उसकी सेवकाई जो भविष्यवाणी करने और उन्हें सत्य के बारे में बताने की आरंभ हुई थी। तब, वे इसे नहीं समझ सके कि, किस तरह से वो एक मनुष्य होने के नाते, वो कैसे जान सकता है कि लोगों के ह्रदय में क्या है। वे थोड़ा ही जानते थे, कि वचन परमेश्वर है! "और वचन," बाइबल ने कहा, "एक विचारों और ह्रदय के इरादों को जांचने वाला है।"

49 और उन्होंने उसे एक दुष्ट आत्मा कहकर बुलाना चाहा। उसने कहा, "मैं इसके लिए तुम्हे क्षमा करूंगा। लेकिन जब पवित्र आत्मा उसी काम को करने के लिए आता है, तो उसके विरोध में एक शब्द बोलने के लिए उसे कभी भी क्षमा नहीं किया जाएगा।"

और वे सारी बातें जो उसने इस दिन में होने की भविष्यवाणी की है, किसी को तो इसे जीवन में लाना है। लेकिन जब इसे जीवन में लाया जाता है, तो यह इतना अलग होगा कि लोग इसे सोचने लगते हैं इतना तक कि ये केवल चुने हुए ही होंगे जो इसे देखेंगे। हमेशा ही, बस केवल चुने हुए कुछ ही लोग है जो इसे देखेंगे, क्योंकि इसे देखने के लिए ये चुने हुए है और ठहराये हुए है। इसलिए, यह कोई अन्य तरीका नहीं हो सकता है।

50 यीशु ने कहा, "तुम मेरे पास नहीं आ सकते। कोई भी मनुष्य नहीं आ सकता जब तक मेरा पिता उसे नहीं खींचता है; और वे सभी जिसे उसने मुझे दिया है वह मेरे पास आयेंगे।" देखा? समझे? तो कोई और जरिया नहीं था। उसने कहा, "तुम्हारे पास आँखें है और तुम नहीं देख सकते;

कान है, तुम नहीं सुन सकते।" कहा, "तो ठीक यशायाह ने तुम्हारे लिए भविष्यवाणी की है।" समझे? यशायाह की भविष्यवाणी सामने आने लगी, प्रकट होने लगी।

यह मत भूलना, जो यहाँ है या एक टेप को सुनने वाले है, कि परमेश्वर का वचन प्रकटीकारण में आना ही है। परमेश्वर यह देखने के लिए बाध्य है कि ये इसे करता है।

51 बिल्कुल जैसे यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले को पहले से ठहराया गया था, ताकि मसीह के आगमन के लिए आगे–आगे जाये, उस स्थान को लेने के लिए किसी मनुष्य को उठना होगा। उस वचन को पूरा करना होगा।

52 उसके बाद जब यीशु अभिषेकित मसीहा के नाई आया, और बिल्कुल वैसा ही किया जैसा परमेश्वर के वचन ने कहा था कि वो करेगा; और फिर भी यहूदी किसी और के लिए रुके हुए थे, "एक राजा हाथ में लोहे का एक राजदंड लेकर आ रहा था," जो भविष्य में होने जा रहा था। लेकिन उसने हर एक वचन को पूरा किया।

वहां एक दिन कफरनहूम में, जब उसने पवित्र लेख को उठाया और पढ़ा, (क्या आपने ध्यान दिया?) उसने उस पवित्र लेख का सिर्फ कुछ भाग पढ़ा। और फिर उसने पुस्तक को नीचे रखा, और कहा, "आज यह पूरा हो गया है।"

53 जब वो छुटकारे के वर्ष को प्रचार करने वाला था, अब, उसने इसके बाकी के भाग को क्यों नहीं पढ़ा? क्योंकि ये उसके दूसरे आगमन से संबंधित है। उन्हें इसे जानने की कोई आवश्यकता नहीं थी। यह उस युग के लिए है कि जब वो आएगा।

लेकिन वो उसी युग में था, यही कारण है और वह कह सकता है, "यह वचन का लेख आज तुम्हारी आँखों के सामने पूरा हुआ है। ठीक यहाँ तुम इसे देखते हो। 'कि यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष का, और खेदित मन के लोगों को शान्ति दूं, और बीमारों को चंगा करूं।'" यही है जिसके लिए वो आया था।

इसका बाकी का भाग अन्यजातियों के लिए न्याय को लाना था, और इत्यादि सो यह इसके बाद में आता है। देखिए, अन्यजाति को पहले उसे अस्वीकार करना था।

54 अब, क्रूस के चढ़ाये जाने पर, जहाँ हम आज के विषय पर हैं, जो, "यीशु आपके हाथों में है।" परमेश्वर का वचन पूरी तरह से प्रमाणित होता आया था, बार–बार और हर बार साबित हुआ था, कि वो परमेश्वर के वचन का उत्तर था। जहाँ पर वो...

55 आप देखना, परमेश्वर इसे पहले से ही रख चूका है। सेवकाई इसका अध्ययन करे। लेकिन, आप देखते हैं, वे इसके बारे में किसी और के शब्द को लेते हैं; जो कुछ मनुष्य के झुण्ड के है। वे सत्य के प्रति इतने अंधे हो गए, कि, जब सत्य को रखा जाता है, वे इसे देखने में चुक जाते है। लेकिन, आप देखते हैं, परमेश्वर न्यायी है, उसने वहाँ पर इसे लिख रखा है। उसने लिख रखा है, ठीक यहाँ इस पुस्तक में, आज क्या होने वाला है, तो यह पूरा हो जाएगा। लेकिन वे अन्य जो इसे देखने के लिए ठहराये नहीं हैं, वे इसे कभी नहीं देखेंगे, देखो, उन्होंने—उन्होंने इस सबको मिश्रित कर दिया है।

56 और तब यही वो जरिया उनके पास था। उन्हें कभी पता नहीं चला था कि यह वो था। और चिन्हों के द्वारा वो उस समय का सन्देशवाहक था, कोई भी इससे इनकार नहीं कर सकता था। उसी नबीयों ने इसके बारे में बताया; उसने कहा, "मैं, मुझे घटना है, लेकिन वह बढ़ेगा। मैं उसके जूते को उतारने के योग्य भी नहीं हूं, लेकिन वह अब तुम्हारे बीच खड़ा है," यूहन्ना ने कहा। "और वह आएगा। और कुल्हाड़ी पेड़ की जड़ तक रखी गयी है; और जो पेड़ फल को नहीं लाता वो भूमि से या दाख की बारी से या—या उपवन से उखाड़ लिया जाएगा। यह वहां पर अब और नहीं रहेगा।"

57 अब, हम पाते हैं कि वे बातें ठीक उसी तरह से घटित हुईं बिल्कुल जैसे उसने कहा था। वह उनके ह्रदय में के विचारों को जाँच सकता था। वह एक भविष्यव्यक्ता था। वह जो कुछ भी पहले से बताता, वह ठीक उसी तरह हुआ बिल्कुल जैसा उसने कहा था।

"मैं यरूशलेम को जाता हूँ। वहाँ मुझे पापी लोगों के हाथों में सौंप दिया जाएगा। और वे उसके साथ दुर्व्यवहार करेंगे, और उसे क्रूस पर चढ़ाया जाएगा। और तीसरे दिन वो फिर से उठेगा।" लेकिन कहा, "देखो कि तुम किसी व्यक्ति को यह नहीं बताना।" और उसने इसे उनसे बेसमझ रखा, ये जब तक पूरा नहीं हो गया, तब तक वे इसे समझ नहीं पायेंगे।

58 देखिए, कई बार वह हमें उस समय तक बेसमझ बनाये रखता है, जब तक हमें इसकी आवश्यकता नहीं होती। वह हमें उन चीजों के लिए बेसमझ बनाये रखता है जो हम आज देखते हैं, क्योंकि ये वो घडी है हमें इसकी आवश्यकता है, ताकि उस दिन को प्रमाणित करे जिस दिन में हम हैं। हमारे पिताओ ने इन बातों को नहीं जाना। बाइबल ने कहा कि वे उन बातों को नहीं जानेंगे। उसने उसे छिपा करके रखा था, और अंतिम दिनों में—में यह परमेश्वर के पुत्रों के लिए प्रकट होगा; या, वे प्रकट होंगे, उसकी महिमा और उसकी प्रशंसाओ को पृथ्वी के ऊपर दिखाने के लिए।

59 और वो सब जो दनिय्येल ने अंतिम दिनों के बारे में कहा, और कि कैसे, "वे जो परमेश्वर को जानते हैं, वे अद्भुत कार्य को करेंगे।" और वैसे ही बहुत से वचन इस दिन में जुड़ते जा रहे है, जिसमें हम रह रहे हैं! किस तरह से दुष्ट, भरमाने वाला समय पृथ्वी पर होगा! और अभी बिल्कुल जो अब हमारे पास है इसे पूरा करता है।

वे, उन्हे—उन्हें उसे देखने का मौका दिया गया था, और, लेकिन उन्होंने उनके उसी मसीहा को अस्वीकार कर दिया।

और आज भी ऐसा ही है, बिल्कुल वही बात है। हमें अवसर दिया जाता है, क्योंकि परमेश्वर पहले न्याय नहीं कर सकता है बिना... उसके न्याय करने के लिए कारण को होना है।

अब, यदि आप किसी रास्ते पर एक व्यक्ति से जाते हुए कहे, जो तेजी जा रहा हो; आप उसे रोककर और कहते हैं, "वहाँ आगे सड़क पर एक खड्डा है। यदि आप उस गति को जारी रखते हैं, तो आप मारे जायेंगे।"

60 और वो कहता हैं, "बकवास, मुझे पता है कि मैं क्या कर रहा हूँ।" तब, आप देखें, उसका लहू आप पर नहीं हो सकता है, क्योंकि आपने उसे पूरी तरह से चेतावनी दी है।

तो ठीक, परमेश्वर अपने वचन के द्वारा इसी बात को करता है। वह पूरी तरह से आने वाले न्याय के लिए लोगों को चेतावनी देता है, और उसके चिन्हों और और आश्चर्यकर्म को दिखाता है जिसकी भविष्यवाणी उस युग के लिए बाइबल में की गई है। वो उन्हें दिखाता है, और लोग बस उसे अनदेखा करके आगे बढ़ते हैं।

किसी भी व्यक्ति के लिए नरक जाना ये आसान नहीं है। एक मनुष्य अपने नरक जाने के लिए अपने तरीके से लड़ता है। पहला झूठ जो आपने

कभी बोला था, आप जानते हैं कि यह गलत था। पहली सिगरेट जो आपने कभी पी थी, आपको पता था कि वह गलत था। आपने जो पहला दुष्ट कार्य किया था, आप जानते थे कि वह गलत था। लेकिन आपके विवेक में, आपको बताया कि यह गलत था, लेकिन आप निरंतर लाल बत्ती को तोड़कर निकलते रहे, उसके रोकने पर आगे निकलते रहे। आप परवाह नहीं करते हैं। आप कैसे भी इसे करना चाहते हैं, आप दिखाते है कि आप बड़े मनुष्य हैं। देखा? लेकिन, याद रखें, आप नरक जाने के लिए अपने तरीके से लड़ते हैं। नरक में जाना ये आसान नहीं है। आपको सत्य को अस्वीकार करना होगा।

61 इससे पहले कि आपकी टक्कर हो, आपको लाल बत्ती को तोड़कर निकलना होगा। इससे पहले कि आपकी टक्कर हो, वहां नीचे सड़क पर, आपको चेतावनी दी जाती है, जिन चेतावनीयों को वहां ऊपर डाला जाता है। लेकिन, आपका, आपका इसके बारे में अपना तरीका है, जो आज मनुष्य के पास होता है। और वह किसी भी व्यक्ति से अधिक जानता है, और वह आने वाले न्याय के चिन्हों और चेतावनियों को नहीं सुनेगा और वे जो मसीह को अस्वीकार करते है।

62 अब ध्यान दीजिए, और उन्होंने इस मसीह के स्थान पर किसे स्वीकार किया था। अब उस दिन की कलीसिया के बारे में सोचे, जो उनका अंधापन था। उन्होंने एक सार्वजनिक हत्यारे, बरअब्बा को ठुकराया था। एक व्यक्ति जो हत्यारा साबित हो चुका था, और वो वास्तव में उसके न्याय के लिए रुका हुआ था। और वो—वो एक हत्यारा होने के लिए साबित हुआ है, और एक बुरा मनुष्य था। और ऐसा इसलिए था क्योंकि—क्योंकि यीशु के जीवन का...

जिसकी, उसने, उसने उन्हें चुनौती दी थी। उसने कहा, "तुम में से कौन मुझ पर पाप के लिए दोषी ठहरा सकता है?" *पाप* "अविश्वास" है। "यदि मैं अपने पिता के कार्यों को नहीं करता, तो तुम मुझ पर विश्वास मत करो; यदि मैंने तुम्हें वचन की सच्चाई को नहीं बताया है। और वचन मेरे लिए, अपने आप में बोलता है। वचन में ढूंढे," उसने कहा, "तुम पवित्र शास्त्र में ढूंढ़ते हो, क्योंकि समझते हो कि उस में तुम्हें अनन्त जीवन मिलता है, और यह वही है, जो मेरी गवाही देता है।"

63 लेकिन उन्होंने कहा, "वह खुद को परमेश्वर बनाता है। वह खुद को कुछ तो बनाता है।" उसने कुछ नहीं बनाया... परमेश्वर ने उसे परमेश्वर बनाया; वह परमेश्वर था। वह वचन को पूरा करने वाला था। उसने कभी भी खुद को कुछ नहीं बनाया। ये परमेश्वर ने उसे बनाया जो वो था। और, फिर, क्योंकि यह उस वचन के पूरा होने की घडी थी। सो, लेकिन वे इसे देख नहीं सके, क्योंकि यह उनके संस्थागत विचारों के विरुद्ध था, जो उन्होंने मसीह के बारे में विचारो को बनाया था। और ये वचन के प्रति बहुत ही अंधापन था।

64 अब, और इसके अलावा, इस व्यक्ति से पीछा छुड़ाने के लिए, उन्हें एक हत्यारे को स्वीकार करना पड़ा था, जो सब के लिए खतरा भी था। यह समाज के लिए एक दोषी था, उनके लिए दोषी था; एक हत्यारा! उसे स्वीकार करना था, जिससे मसीह को अस्वीकार किया जाये।

और इससे पहले कि कोई भी पुरुष या महिला गलत स्वीकार कर सके, उन्हें सही को अस्वीकार करना होगा। वहां प्रकृति के विषय में कुछ तो है, इसके लिए एक नियम है, कि आपको गलत चीज लेने से पहले सही चीज को अस्वीकार करना होगा।

जैसा कि मैंने हवाला दिया था, सिर्फ एक झूठ को बोलने को बनाये रखने के लिए... आप—आप अपने बेहतर न्याय के विरोध में झूठ को बोला है। आपने अपने भावना के विरुद्ध झूठ को बोला है। आपने उसके विरुद्ध झूठ कहा जो आपके माता–पिता ने आपको जो कुछ करने के लिए सिखाया है। या, यहां तक कि प्रकृति भी आपको यही सिखाती है कि आपको ऐसा नहीं करना चाहिए। सो, इसलिए, आप, सत्य को अस्वीकार करने के लिए, आपको एक—एक झूठ को स्वीकार करना होगा, और झूठ को स्वीकार करने से पहले, आपको सत्य को अस्वीकार करना होगा। देखा?

65 सो इसी तरह से इन लोगो ने किया था, उन्होंने सत्य को ठुकरा दिया था। और वो सत्य था। "मैं मार्ग, सत्य और जीवन हूं।"

"आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। और वो ही वचन देहधारी हुआ और हमारे सामने प्रकट बना।" पहला तीमुथियुस 3:16 में, "और इस में सन्देह नहीं, कि भक्ति का भेद गम्भीर है; अर्थात वह परमेश्वर जो शरीर में प्रगट हुआ, हमारे हाथों से छुआ था।" परमेश्वर, यहोवा! यह—यह आश्चर्य की बात है, यह चौंकाने

वाला है यह सोचकर कि परमेश्वर जिसने अंतरिक्ष में सौर मंडल को रखा, जिसने तारों को रखा जो इस संसार से हजार गुना अधिक बड़े है, उसे बनाया...

66 और यदि उन तारों में से एक पृथ्वी की ओर बढ़ना आरंभ करता है, तो दस हजार मील प्रति घंटे से, इसलिए, इसे यहां पहुंचने में सौ मिलियन साल लगेंगे; यह इतनी दूर है। और दो छोटे तारे जो वहां स्थापित है, जो यहाँ से एक इंच की दुरी पर दिखता है, हम उनसे आगे कुछ ही दुरी पर हैं, उतना ही जितना हम उनसे परे है। और, फिर भी, वो वहाँ उनमें से एक भी नहीं आता है, लेकिन क्या है जो इसके स्थान को संभालता है। और वह महान तारागण, ओह, प्रभु, सामूहिकता और परमेश्वर की विशालता उन चीजों को कौन बना सकता है! प्रत्येक को एक दूसरे को पकडे रहना है। यही कारण है कि ये इसी तरह से बने रहते है, यदि वे आवश्यकताओ को पूरा करने से हट जाते है, तो सारा मंडल गिर जाएगा।

67 यही है जो अदन में हुआ था। जब हव्वा परमेश्वर के नियमो के आवश्यकताओ को पूरा करने से बाहर निकल गयी, पूरी जाति गिर गई।

यही है जो आज की परेशानी है। हमें संगठन और संप्रदाय, और इत्यादि के अंदर नहीं जाना चाहिए। हमें परमेश्वर के पुत्र और कन्या होना चाहिए और संसार के महान तारा मंडल को एक साथ पकड़े रहना है।

68 न्यूयॉर्क, पिछले हफ्ते, मैं एक संदेश को सुन रहा था, या जिसका हवाला किया गया था, आइंस्टीन, उस महान वैज्ञानिक के द्वारा कहा गया था, जिसे—जिसे समय का दिमाग कहा जाता है। और मैंने ऐसा... सुना था। तब मैं नॉर्मन को विंसेंट पीयेल में सुनने के लिए गया, उसके मनोविज्ञान पर बातों को कि लोगों को कैसे करना चाहिए, या चलना चाहिए, और मनोविज्ञान में खुद को व्यक्त करना चाहिए।

फिर, आइंस्टीन पर, वह एक नक्षत्र के बारे में बोल रहा था जो बाहर था, मंडल के बीच था तारागण के बाहर। और यदि कोई एक व्यक्ति उस गति पर यात्रा कर सकता है, मैं सोचता हूं कि उसने कहा, प्रकाश की... अब, मुझे लगता है, ये कितनी है... छयासी हजार? [भाई नेविल कहता है, "एक सौ छयासी।"—सम्पा।] एक सौ छयासी हजार मील प्रति सेकंड, ये प्रकाश की गति है। और अब इससे पांच मिनट में पहुँच जायेंगे, आप कितने ही करोड़ और आप अरबों मील की दूरी पर पहुँच जायेंगे। और ये एक—

एक सौ बीस मिलियन वर्ष प्रकाश–समय को लेगा ये आपको उस नक्षत्र में ले जाने के लिए। और फिर एक सौ बीस, या एक सौ पचास वर्ष; एक सौ पचास करोड़ से अधिक, और एक सौ पचास करोड़ पीछे।

69 और उन्होंने कुछ ऐसा किया जिससे वे चकरा गए। और वे, वहाँ से बाहर जाने और वापस आने के बाद, आपको वास्तव में यात्रा के लिए तीन मिलियन वर्ष लगेंगे, तीन सौ मिलियन वर्ष। यात्रा करने के लिए तीन सौ मिलियन वर्ष, और, जब आप पृथ्वी पर वापस आते हैं, तो वास्तव में आप केवल पचास वर्ष होकर गये हैं। आप अनंत काल में चले जाते हैं। इसका कोई अंत नहीं है।

70 और यह सोचकर, कि, परमेश्वर जिसने उस सब को बनाया है और इस सब को उसमें स्थापित करके क्रम में रखा है, और इसे बोला, और नीचे आकर और हमारे बीच देहधारी हुआ ताकि हमें छुड़ाये। और उसकी भव्य उपस्थिति के साथ हम हमारा सम्मान करे, कि वह—वह अंतिम दिनों में इस पाप से भरी पृथ्वी पर खडा हों, और ऐसा होने के लिए उसके वचन को सिद्ध कर सकें, क्योंकि वे उस वचन के लिए बाध्य हैं। आमीन। वो प्रभुत्व और उस एक महान व्यक्ति का न्याय, जो उन चीजों को अपने हाथ में रखता है!

71 ध्यान दे, वे राष्ट्र। पहले तो, कलीसिया को उसके वचन से मुडना था। उसके बाद, कलीसिया ने इसे ठुकरा दिया, और उसे "एक बालजबुल, या एक दुष्ट आत्मा," कहा, उसके बाद इसे शासक के सामने लाया गया, ताकि पूरी जाति को दोषी ठहराया जाए। अब हम यीशु को, आज सुबह, एक गवर्नर, पिलातुस, एक रोमी के सामने पाते हैं, मुक़दमे के लिए। और हम पाते हैं कि कलीसिया ने उसे पहले ठुकरा दिया, क्योंकि उन्होंने उसके संदेश पर विश्वास नहीं किया, क्योंकि वे वचन को नहीं जानते थे।

72 यीशु ने उनसे कहा, "यदि तुमने मूसा को सुना होता, तो तुम मेरे वचन का विश्वास करते, क्योंकि वह वही है जिसने मेरे बारे में बताया है।" समझे? वहाँ वो वचन है जो भविष्यव्यक्ता... जो, प्रभु भविष्यव्यक्ता के लिए आता है, और भविष्यव्यक्ता आने वाले घडी के लिए वचन को बोलता था। और यहाँ इसकी पहचान की गई, और कहा, "तुम कहते हो कि तुम मूसा को जानते हो और वह तुम्हारा मार्गदर्शक है। ना ही तुम मूसा को जानते हो, ना ही तुम उसके वचन को जानते हो।" दूसरे शब्दों में, उसने कहा,

"मैं वचन हूं। मैं पहचाना गया वचन हूं जिसके लिए मूसा ने बताया कि वो आयेगा, और तुम मुझे दोषी ठहराते हो।" देखा? उनके रीती रिवाज के कारण, देखो, कलीसिया ने उसे दोषी ठहराया।

73 अब, हम उसे अब पीलातुस से सामने देखते हैं, और पूरी तरह से स्वीकार भी किया गया, समय का पहचाना गया, या कलीसिया के लिए, समय के सन्देशवाहक के द्वारा पहचाना गया। उन्हें समझने और विश्वास करने का मौका दिया गया था, लेकिन उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया। उन्होंने इसे क्यों अस्वीकार किया? उनमें से बहुत से लोग इसे विश्वास करना चाहते थे; लेकिन उनके रीती रिवाज़, लोग नहीं, लेकिन उनके रीती रिवाज़!

74 अब, आप देखते हैं, जैसे निकुदेमुस रात को आया था, और उसने कहा, "गुरु, हम जानते हैं कि तू एक परमेश्वर से आया हुआ शिक्षक है। हम जानते हैं कि तू परमेश्वर की ओर से आया है। कोई भी मनुष्य ये काम नहीं कर सकता है जो तू करता हैं, जब तक परमेश्वर उसके साथ न हो। हम... " वो "हम" कौन है जो वो बात कर रहा है? वो कलीसिया फरीसी लोग, उस दिन के अगुवा। "हम जानते है। हम पूरी तरह से मान लेते हैं कि तू ही वो व्यक्ति हैं।" फिर वे ऐसा क्यों नहीं कर सके? क्योंकि, उनके सिद्धांत। मैं चाहता हूं कि वह वास्तविक ह्रदय की गहराई तक चला जाये, क्योंकि यही है जो मैं समझाना चाहता हूं। देखा? वो सिद्धांत जिसमें वे पहले से ही खुद से जुड़ चुके थे, ये वही सिद्धांत थे, जिससे वे हिल नहीं सकते थे। भले ही उन्होंने इसे देखा कि वह मसीहा था, लेकिन जिस सिद्धांत के साथ वे जुड़े थे, वह उसे स्वीकार करने नहीं देता था।

क्या आप—आप समझ रहे हैं? [सभा कहती हैं, "आमीन।"—सम्पा।] अब मैं उन श्रोतागण से पूछना चाहता हूं जो इस समय मेरे सामने दिखाई दे रहे है, कितने लोग समझ रहे है कि मैं क्या बोल रहा हूं? अपने हाथ को ऊपर उठाये। अच्छी बात है।

75 अब, एक सिद्धांत! उन्होंने इसका विश्वास किया, और वे जानते थे कि यह है। किस तरह से मैं ऐसा ही कहना चाहूंगा आज भी ऐसा ही है! हम देखते हैं कि आज यहां क्या होना चाहिए, और हम इसे देखते हैं, लेकिन सिद्धांत इसे स्वीकार नहीं करते है। वे सिद्धांत के साथ इतना अधिक यकीन करते हैं! देखो, यह कोई व्यक्ति नहीं है, यह तो सिद्धांत है।

जैसे मैंने राष्ट्रपति के लिए बात की है जिसकी हाल ही में हत्या की गई। मनुष्य नहीं; जहाँ तक मैं जानता हूं, वह एक भला मनुष्य है, उसने कभी भी कुछ भी बुरा नहीं किया जितना कि मैं जानता हूँ। लेकिन यह तो सिद्धांत है। ये लोग नहीं हैं; यह सिद्धांत है।

76 ये यहूदी नहीं थे; यह उनके सिद्धांत थे। उस सिद्धांत ने उसे दोषी ठहराया, क्योंकि इसने उनके सिद्धांत के साथ बर्दाश्त नहीं किया था। क्या आप समझे? [सभा कहती हैं, "आमीन।"—सम्पा।] अब, अब वही बातें जगह ले रही हैं। और वे इस सार्वजनिक शत्रु, एक हत्यारे को चुनते है।

लेकिन अब इस मुद्दे पर प्रशासन भी शामिल हो गई। इसलिए प्रशासन को इसकी सजा सुनानी है, क्योंकि, एक जीवन को लेने के लिए, इसे प्रशासन के सामने आना ही है। उन्हें ऐसा करने की अनुमति नहीं थी, क्योंकि वे रोम के शासक के नीचे थे, और वे एक जीवन नहीं ले सकते थे, कोई मतलब नहीं चाहे उनकी कलीसिया कितना भी कहे, "हमें यह करना होगा।" क्यों, उन्हें—उन्हें इसे करने के लिए रोम की पहले मंजूरी होना है, इसके बिना वे इसे नहीं कर सकते। इसलिए, इसे प्रशासन के सामने लाना होगा। अब प्रशासन इस बात में शामिल है।

अब, क्या ये आज की तस्वीर नहीं है, तो क्या मैं नहीं देखता। देखो, बिल्कुल वैसा ही है!

77 कलीसिया इससे मुड गयी है, अब इसमें प्रशासन शामिल है। वह समय आ गया था जहाँ सारा राष्ट्र, पूरा, उसको आना था। मुद्दा बताया गया था। मुकाबला सामने था। सारे राष्ट्र ने उसे अस्वीकार कर दिया था, और वे परमेश्वर के क्रोध को उन पर नीचे ला रहे थे। और इससे पहले कि... यहां तक कि कलीसिया ने उसे अस्वीकार कर दिया था, जो कलीसिया पर क्रोध लाएगा। लेकिन अब राष्ट्र ने उसे ठुकरा दिया है, सब पर क्रोध को लाने के लिए।

और, आज, संसार ने उसे ठुकरा दिया है, जिससे सारे संसार पर न्याय को लाया जाये। सारे राष्ट्रों का न्याय होना ही है।

78 और हम जानते हैं कि यह उस बड़े रोम के शासक, तीतुस के समय में हुआ था। उसने यरूशलेम को घेर लिया, और फिर अंत में बस... उन्होंने एक दूसरे के बच्चों को खाया; पेड़ से छाल को खाया, और जमीन से घास को निकालकर खाया। और—और फिर तीतुस अन्दर घुस गया

और बस दीवारों को नीचे गिरा दिया और शहर को जला दिया, और रास्तो पर नीचे—नीचे लहू इस तरह से बहने लगा, जहां पर उसने वहां उनकी हत्या कर दी।

और ऐसा होना था। इससे पहले कि न्याय करने वाला परमेश्वर कुछ लोगों को करने दे सके, जिसे उसने चुना था, इस तरह की चीज के नीचे आने के लिए, वहाँ—वहाँ एक उचित कारण होना है। वो न्याय करने वाला है। उसके—उसके नियम उसके न्याय की मांग करते हैं। और नियम बिना दंड के एक नियम नहीं होता है।

79 यदि मैं कहूं, कि शहर में एक नियम बनाओ, "लाल बत्ती को पार करके जाना ये एक—एक—एक दंड है," और फिर उस पर कोई जुर्माना नहीं होता है, तो आप बस लाल बत्तियाँ को पार करके जाते रहेंगे। लेकिन वहां पर एक जुर्माना होना है।

और परमेश्वर के नियम का दंड, उसकी योजना को अस्वीकार करना, मृत्यु है। और वहां पर एक मृत्यु को होना था, सो इसे चुकाना था।

80 हम आज सुबह उसी तरह के मुकदमे में खड़े हैं, पुरे संसार भर में, उसी तरह का मुकदमा। सारे संप्रदायों ने वचन को ठुकरा दिया है। मैं जानता हूं कि यह बहुत ही कठोर दिखाई पड़ता है। और मैं चाहता हूं कि वे सेवकगण जो सुन रहे हैं, यहां उपस्थित हैं और जो टेप पर भी सुन रहे हैं, वे अब इस बात को समझने की कोशिश करेंगे कि मैं इसे स्पष्ट बनाने की कोशिश कर रहा हूं। लेकिन मैं अपनी मुख्य बात को यहाँ पर पकडे हुए हूँ, या यहाँ अपनी मुख्य बात को रख रहा हूँ, और कहते हुए कि आज हम एक और पीलातुस के न्याय के भवन में खड़े हुए हैं।

81 आप कहते हैं, "यदि मैं वहां खड़ा होता, तो मैंने यीशु मसीह के लिए बात करता।" और, तो ठीक है, अब आप इसके बारे में क्या कर रहे हैं? यही तो बात है। देखा? "कोई फर्क नहीं पड़ता चाहे कलीसिया ने कितना भी उसे ठुकरा दिया हो, मैं तो उसके पक्ष में खड़ा रहता।" आपको अवसर मिला है। हूं–हुन। समझे? उन्होंने, उन्होंने उसे ठुकरा दिया।

82 अब आज उसे परखा गया है, या बस परखा जाता रहा है, या आगे मुकदमे पर रहा है, एक विश्व प्रणाली लिए जो गठन होगी, जिसे क्या कहा जाता है, वो कलीसियाओ का संगठन है, जो विश्व कलीसिया परिषद में संगठित होगी। अब, और उन्होंने क्या किया है? उन्होंने मतदान किया है

कि वे पूरी तरह से खुद को एक साथ एकजुट करेंगे और कलीसिया का एक परिषद होगा।

और कलीसिया के इस परिषद में, जिसमें सभी कलीसियाओ को इस परिषद से संबंधित होना ही है, या, यदि वे ऐसा नहीं करते हैं, तो आपको प्रचार करने की भी अनुमति नहीं है, आपको यहाँ तक बीमार लोगों के लिए प्रार्थना करने की भी अनुमति नहीं है। और आपके कलीसिया का उपयोग किसी भी चीज के लिए किया जा सकता है, जिसका वे उपयोग करना चाहते हैं। यदि वे इसमें बक्से भरे, या गोला–बारूद भरे, या जो कुछ भी वे करना चाहते हैं, आपका इस पर अब कोई भी नियंत्रण नहीं है। आपको या तो कलीसिया के परिषद से संबंध रखना हैं या आपको संबंध रखना ही नहीं हैं।

और यही वह नियम है जो संयुक्त राज्य अमेरिका में यहां बन रहा है, जो वचन के हर एक बिंदु को पूरा करता है। ये 1933 में जो प्रभु ने मुझसे जो कहा था, उसे पूरा करता है, देखो, और आज सुबह हम उस समय पर खड़े हैं।

और यीशु मसीह, वो वचन, आज मुकदमे पर है, जैसे यह क्रूस चढ़ाये जाने पर था, और अब वो हमारे हाथों पर है। वो संसार के हाथों में है। वो वचन को संसार भर में स्पष्ट रूप से पहचाना गया है, देखो, और वह मुकदमे पर खड़ा है। सारे संप्रदायों ने उसे ठुकरा दिया है। और अब वह कलीसिया की परिषद में... उस रूप में परखा गया है, और वे उसे फिर से अस्वीकार करते हैं और चुनते है मेरा मतलब जैसा उन्होंने तब किया था।

83 आप देखते हैं, इतिहास में प्रकृति स्वयं को दोहराती है, क्योंकि प्रकृति पूरी तरह से जारी रहती है। पेड़ अभी भी बढ़ रहे हैं, और सब्जियां आने लगती हैं, और फूल आते हैं, और संसार वैसे ही घूमता है जैसे ये हमेशा होता है। यह प्रकृति है। और प्रत्येक युग की प्रकृति को फिर से उत्पन्न करती है, और उसके प्रतिबिंब को उनके सामने पुन: उत्पन्न करती है कि एक—एक प्रकृति क्या थी। और, आज, हम खुद को फिर से उसी स्थान पर खडा हुआ हैं।

अब, यीशु "वो वचन," था, यूहन्ना, पहला अध्याय कहता है। हम सभी इसे विश्वास करते हैं। वो वचन था। और क्योंकि वो वचन था... कृपया समझें। वो वचन था, और उसे सिद्धांत के विरुद्ध होना था।

और उन्होंने—उन्होंने उसके अद्भुत कार्यो के कारण उसे अस्वीकार नहीं किया। उन्होंने नहीं किया। उन्होंने कहा... उसने कहा, "कौन मुझ पर दोष लगा सकता है? "

"और उसने क्या बुरा किया था? " छोटी महिला ने कहा। "उसने क्या बुरा किया बल्कि बीमार को चंगा किया? "

84 कहा, "हम इन चीजों के लिए उसे दोषी नहीं ठहराते हैं।" देखो "हम उसे दोषी ठहराते है, क्योंकि वो, एक मनुष्य होने के नाते, खुद को परमेश्वर बनाता है।" और उनके अपने वचनों ने कहा कि वह परमेश्वर होगा।

यशायाह में, वो महान भविष्यवक्ता जिसने यशायाह की छियासठ पुस्तकें लिखीं, और आरंभ से... पहले; और किताब के बीच में यूहन्ना बप्तिस्मा देने वाला आता हैं; और सहशताब्दी राज्य में समाप्त होता है। और बाइबल में छियासठ किताबें है, जैसे यशायाह में छियासठ अध्याय है। इसका उल्लेख हुआ है ये इस तरह से घटित होता है। इस यशायाह 9:6 में, उसने कहा, "क्योंकि हमारे लिये एक बालक उत्पन्न हुआ, हमें एक पुत्र दिया गया है; और उसका नाम 'युक्ति करने वाला, शान्ति का राजकुमार, पराक्रमी परमेश्वर, अनन्तकाल का पिता, अद्भुत रखा जाएगा।'"

85 और अंधे रीती रिवाज, या सिद्धांत, इसे नहीं देख सकते थे कि वो परमेश्वर था; उनके अपने भविष्यव्यक्ता के द्वारा, जिसके पास वो वचन आया, उसने कहा कि वह परमेश्वर होगा। अंधे सिद्धांत! तो उन्होंने वचन को ठुकरा दिया था, और इसके स्थान पर एक हत्यारे बरब्बा को चाहा था।

86 और, आज, वचन, इस दिन के लिए स्पष्ट हुआ है, प्रमाणित किया गया है। इसे वास्तविक बनाया है। यह सत्य होने के लिए दिखाया गया है "और अंतिम दिनों में, " जैसा कि यीशु ने कहा, "जैसा कि सदोम के दिनों में था, " और इत्यादि, "तो वैसा ही यह मनुष्य के पुत्र के आगमन पर होगा।" वही परमेश्वर, खुद, जो वचन था, अंत के समय की भविष्यवाणी की और क्या होगा; और संध्या के समय में उजियाला चमकेगा; और कैसे वो मलाकी 4, वो इन चीजों को आगे भेजेगा और उन्हें साबित करेगा।

87 और इसे निर्णय के स्थान पर लाया गया है, और कलीसिया ने इसे ठुकरा दिया है। और कलीसिया ने क्या चाहा है? एक वचन का हत्यारा, वो एक जो सिद्धांत को लेता है। यदि सिद्धांत वचन के विपरीत है, तो ये वचन का एक हत्यारा है। और वे एक संप्रदाय के रीती रिवाजो को चाहते

हैं, बजाये एक सच्चे वचन के जो प्रकट हुआ हैं यह साबित हुआ है कि ये परमेश्वर है जो लोगों के बीच है; विज्ञान के द्वारा, चित्रों के जरिये से, एक प्रकाश, वही प्रभु का दूत, अग्नि का स्तंभ।

वही एक जो यीशु मसीह के देह में—में धरती पर रहता था, जो अंतिम दिनों में उसके लोगों पर आया है, जहाँ विज्ञान ने इसका चित्र लिया है। कलीसिया ने इसके कार्यों को देखा है। ये पूरी तरह से टेप और इत्यादि में पहचाना गया है, हर कही और सारे संसार भर में और व्यक्तिगत रूप से सेवकाई को किया है।

और फिर भी, उन सभी में, उनके सिद्धांत कलीसिया के एक परिषद की इच्छा कर रहे हैं ताकि सत्य को दोषी ठहराए। एक हत्यारे की चाह कर रहे है, जिसे बंद करे, या रोके, या बंद करना चाहिए। और, ये ऐसा करेंगे, वे इस तरह के एक चीज को रोकेंगे। और कलीसिया की परिषद को इसे करना होगा। वहाँ पशु की छाप है; मसीह विरोधी, जो वचन के विरुद्ध है, वचन जो मसीह है। लेकिन न ही उनका...

88 वे सोचते है कि यह रीती रिवाज़ है। उन्हें लगता है कि उनके रीती रिवाज़ परमेश्वर की ओर से हैं। देखा? लेकिन यह वचन के साथ मेल नहीं खाता था, और ना ही परमेश्वर इसे सही होने के लिए प्रमाणित करता हैं। यीशु वचन के साथ खड़ा था, लेकिन उनके परिषद के साथ नहीं; लेकिन वचन के साथ। और वचन ने साबित किया कि वो परमेश्वर था।

और आज यह साबित होता है कि ये परमेश्वर है, क्योंकि यह व्ही जीवन जीता है, यह हमारे बीच उन्हीं कामो को करता है जो उसने वहां पहले किये, और भविष्यवाणी की।

89 तो वे क्या करते हैं? वे कुछ ऐसा स्वीकार करते हैं जो... उन्होंने पहले ही स्वीकार किया है, उसी सिद्धांतो को, जो इसे क्रूस पर चढ़ा देंगे। और वो स्वतंत्र अंतधर्मसम्प्रदाय का क्रूस पर चढ़ाया जाना नजदीक है। ये सही बात है।

90 अब, यह वचनों के विपरीत नहीं है। यह वचनों के साथ मेल खाता है। "और उन्होंने पशु की एक मूरत बनाई।" एक प्रोटेस्टेंट के अन्दर संसार के संप्रदायों को एकजुट करते हुए, प्रकाशितवाक्य 13: 8 के अनुसार, पशु की छाप, पशु की मूरत का गठन कर रहे है। "और उन्होंने पशु की एक मूरत बनाई।"

वो *पशु* "रोम" है। हम सभी यह जानते हैं। लेकिन हमेशा ही यह रोम रहा है, सभी... यह कैसे हो सकता है—यह कैसे रूस हो सकता है, जब कि बाइबल रोम कहता है? देखो, लोगों पर बस गलत असर पड़ता है। देखा? कैसे ऐसी कोई और चीज हो सकती है जब कि इसकी भविष्यवाणी की गई है इसे रोम से बाहर आना है?

91 फिर से दानिय्येल की ओर जाये, वो पैरों में लोहा और मिट्टी है; लोहा कभी खत्म नहीं हुआ, घुटनों से नीचे आखिरी तक। और हर कोई जानता है कि उस वक्त रूस को कोई जानता भी नहीं था। यह रोम था। वो लाल अजगर रोम था। यह हमेशा रोम ही है। और वो लोहा कभी भी किसी और चीज में नहीं बदला, रोम से कुछ और; यह रोम ही बना रहा। और पशु रोम है!

92 और रोम के पास एक धार्मिक व्यवस्था थी, जिसके घातक सिर... या घातक घाव ने उसके सिर में चोट पहुंचाई, लेकिन वो फिर से उठ खड़ा हो गया, पागाल रोम से पापल रोम। और अब वे इसकी एक मूरत बनाने पर हैं, पशु की जो प्रकाशितवाक्य 13 से बाहर आती है।

क्या आपने कभी ध्यान दिया? इस राष्ट्र की संख्या 13 है, और प्रकट होता है... मैं नहीं कहता कि यह है... हालांकि ये अजीब बात है, यह गणित रूप से होगा, गणि... जो बिल्कुल वचन के क्रम में है। ये प्रकाशितवाक्य के 13 वें अध्याय में पाया जाता है, जो ये राष्ट्र है।

93 अन्य वे सारे पशु पानी में से बाहर आते हैं, जो लोगों की अधिक संख्या और भीड़ है, बाइबिल ने कहा; लेकिन यह छोटा सा पशु धरती से ऊपर आता है, जहाँ पर कोई लोग नहीं थे। फिर भी, वो एक मेमना था, धर्म की स्वतंत्रता; फिर वह एक अजगर की तरह बोल उठा, और अपने आप को सामर्थ के साथ एकजुट किया और वह सब किया जो अजगर ने उससे पहले किया था। बिल्कुल वैसे ही। तो वहाँ तुम हो। इसे—इसे बस इसी तरह से होना था। इसके इर्द गिर्द जाने का कोई दूसरा तरीका नहीं।

94 और यहां हम आज, एक सिद्धांत को बना रहे हैं। एक सिद्धांत! हम तब तक नहीं रुक सकते जब तक कुछ... हमने हर किसी को एक—एक लूथरन बनाने की कोशिश की; और ऐसा नहीं कर सके। उन सभी को बैपटिस्ट बनने की कोशिश की; हम ऐसा नहीं कर सके। सभी मेथोडिस्ट बन जाये, या सभी पेंटेकोस्टल; वे ऐसा नहीं कर सके। तो, ऐसा करने के

लिए, समय बहुत ही कम है, उन्होंने एक परिषद को बनाया है, एक प्रमुख, पशु की एक मूरत बनाई है। बिल्कुल ठीक जो उन्होंने किया है। और वो क्या है? फिर से वचन का क्रूस पर चढ़ाया जाना नजदीक है। ये मुक़दमे पर है और जल्द ही मंच पर आ जाएगा।

95 ध्यान दे, प्रकट वचन, संप्रदाय से। ये प्रकट होता है। वो—वो वचन जो संप्रदाय से भिन्न है।

यह क्या है, यह सिद्धांत क्या है? यह रोम का एक उपग्रह है। क्या बाइबल कहता है कि ऐसा होगा? जी हाँ, श्रीमान! प्रकाशितवाक्य 17, उन्होंने देखा कि रोम खुद को एक स्त्री के एक कलीसिया संबंधीत सिद्धांत में ऊपर उठाता है। एक स्त्री, कलीसिया को हमेशा एक स्त्री के द्वारा प्रतिनिधित्व किया जाता है।

क्योंकि, मसीह की दुल्हन एक स्त्री है। एक हव्वा थी जो गिर गई; वह एक है जिसे छुड़ाया जाएगा। और कलीसिया (क्या है?) एक स्त्री है जो छुड़ाई हुई है।

96 और यही स्त्री पशु पर बैठी हुई है जो सात सिर के साथ है। और हम सात पहाड़ियों के बारे में जानते हैं, और इत्यादि, जैसा कि बाइबल ने कहा है कि ऐसा होगा। वहां कोई गलती नहीं है। वहां एक गलती के लिए कोई भी अवसर नहीं है। देखा?

और उसके बाद ध्यान दे, हम देखते है, कि वो एक "वेश्याओ की माता" थी। समझे? और माँ और बेटी मित्रता में फिर से एकजुट हो जाती हैं। जहां, एक बार, बेटी माँ से भागकर दूर चली गयी थी, सभ्य जीवन जीने की कोशिश करने के लिए, क्योंकि उसकी माँ इतनी अशिष्ट और चिडचिडी थी, इतना तक कि लड़की घर से निकल गयी। हूं–हुन। लेकिन अब, जब से वह छोटी उम्र की होने लगी है, वह, और खुद से बहुत सारे दुष्ट कामो कर रही हैं; वह अपनी माँ को देखती है, वो सोचती है कि उसकी माँ सही थी, इसलिए वह अपने खुद के लिए एक सिद्धांत को बना रही है। देखा? ऐसा ही है।

97 संप्रदायवाद एकजुट करते हुए, प्रोटेस्टेंटवाद को, ये जो प्रकाशितवाक्य 17 के वचन में कहा है, बिल्कुल उसी बात को पूरा करता है। "वे सभी, जिनका नाम मेम्ने की पुस्तक में नहीं लिखा गया था, वे उसके थे।" एक या तो दूसरा, या तो पशु या पशु की मूरत। बाइबिल ने ऐसा कहा।

और यीशु ने इस बारे में बताया, ना ही साम्यवाद के रूप में। लेकिन मत्ती, 24 वें अध्याय में, 21 वें पद से आरंभ करके 26 वें पद तक, उसने भविष्यवाणी की कि वो आत्मा इस सिद्धांत में इतनी अधिक वास्तविक चीज़ की तरह होगी, इतना तक कि यह संभव हो तो उन्ही चुने हुए को भरमा दे; वे चुने गए, जिनके नाम दुनिया की नींव डालने से पहले मेमने के जीवन की किताब में डाले गए हैं। और, स्पष्ट रूप से, इसने उन्हें इतना बांध कर रखा है, इतना तक कि उसने यह कहा यदि उनके कारण उसने काम को कम नहीं किया, तो धरती पर कोई देह र नहीं बचेगी। और हमारे पास केवल...

98 यह—यह 64 वा वर्ष है, क्या ऐसा नहीं है? और मैं सोचता हूं कि वे दावा करते हैं कैलेंडर से अनुसार उस बात से सत्रह वर्ष बीत चुके है। और हम 64, 1964 में है, जो बताता है (कितना है यह?), जो इक्कीसवी सदी में छत्तीस वर्ष बचे हुए हैं।

और हर दो हज़ार वर्ष बाद, संसार उसके संसारिक सिद्धांत के अंत मे आया है, धार्मिक सिद्धांत, सभी सिद्धांतो के अंत पर, और परमेश्वर को अंदर आना पड़ा था। उसने नूह के दिनों में किया था; जो पहले दो हजार वर्ष थे। दूसरे दो हजार वर्ष; वो व्यवस्था आज सुबह वापस आ गयी, जहां हमारा विषय बताता है, और उसने फिर से अपना वचन भेजा। उसने नूह के समय एक नबी के द्वारा वचन भेजा, जो नूह नबी था; और लोगों ने इसे अस्वीकार कर दिया, उनके सिद्धांत के लिए। उसने यीशु के समय में अपना वचन फिर से भेजा, वचन सम्पूर्णता में प्रकट हुआ; लोगों ने इसे अस्वीकार कर दिया। और अब यह 1964 है, छत्तीस वर्ष छोड़ कर, दो हज़ार वर्ष और होने के लिए! और वचन को सामने लाया गया है, और सिद्धांत ने इसे अस्वीकार कर दिया है।

99 हम कितने नजदीक हैं? हो सकता है कि हम जितना सोचते हैं उससे भी जल्दी, देखें, कि ये कभी भी ऐसा हो सकता है। हो सकता है कि यह पहले से ही हुआ है, क्योंकि हम सभी जानते हैं, जैसा कि मैंने पिछले रविवार को यहां होने पर बताया था। हो सकता है कि अंतिम नाम उस किताब पर हो; जब यह होता है, तो इसमें कोई और अन्दर नहीं आता है। संसार वैसे ही आगे बढ़ता रहेगा जैसा कि कलीसिया थी, लेकिन कलीसिया

मोहरबंद है। ध्यान दे, अब जैसे ही हम यहां से जाते हैं। उनके नाम, अब, वे भरमाये नहीं जायेगे, जिनके नाम उस पर लिखे गये है।

100 यह क्या है? इसके लिए एक सिद्धांत को होना है। समझे? और जरा सोचे, उस सिद्धांत में उस संप्रदाय से संबंधित होने के लिए, तब आप क्या करते है? आपने कहाँ पर किया है? आप वचन से बाहर मोहरबंद हुए है, देखो, एक जानलेवा सिद्धांत में, जो आपको वहां लेकर जाते है कि "भक्ति का एक भेष धरते है, लेकिन उसकी शक्ति को इनकार करते है।" यह पशु की छाप है। बिल्कुल सही बात है। देखा?

101 यह वहाँ पर पशु है, उसने क्या किया; और यहाँ पर वो छवि है, एक ही बात है। और वो पशु इसना बड़ा था, कि निसिया में उस महान विश्व्यापी कलीसिया चर्च का गठन किया, देखो, जिसे उन्होंने बनाया कि सारा संसार उसके लिए आता है, उस एक सिद्धांत के लिए आता है। उन्होंने सोचा कि यह बहुत बड़ा था, "कोई भी उनके साथ युद्ध करने में सक्षम नहीं था," बाइबल ने कहा, इतना तक कि उन्होंने पशु की छवि बना ली, और सभी प्रोटेस्टेंट को कलीसिया की परिषद में लेकर आये; जिसने एक सिद्धांत का गठन किया, कि यहाँ तक आप एक मसीही या कुछ और के रूप में सोच भी नहीं सकते थे, जब तक आप उस सिद्धांत से संबंधित नहीं होते।

102 पशु की छाप और परमेश्वर की छाप के बीच यही अंतर है। परमेश्वर अपने वचन से मोहर लगाता है। आप विश्वास करते है कि वचन है? [सभा कहती हैं, "आमीन।"—सम्पा।]

अब आप कहते हैं, "क्या यह सही है, भाई ब्रंहम? " हाँ, श्रीमान।

103 अब, मैं आप सेबबैटिरियन या सेवेंथ डे एडवेंटिस्टो को जानता हूं, वे कहते हैं, "सब्त के दिन को मानना है।" लेकिन ऐसा नहीं है। ना ही आपके साथ कठोर होना चाहता हूं, लेकिन यह पूरी तरह से वचन के अनुसार नहीं है।

इफिसियों 4:30, कहता हैं, "परमेश्वर की पवित्र आत्मा को शोकित मत करो, जिससे तुम्हारे छुटकारे के दिन के लिए मोहरबंद किया गए हो।" देखा?

104 अब, पवित्र आत्मा वचन है। परमेश्वर तीन नहीं हैं। वो एक ही परमेश्वर है, तीन विधान, तीन कार्यालयों में। परमेश्वर, पिता, व्यवस्था के ऊपर; परमेश्वर, पुत्र, अनुग्रह में; और वही परमेश्वर, पवित्र आत्मा, जैसा कि

आप इसे कहते हैं, पवित्र आत्मा, वही परमेश्वर पवित्र आत्मा के विधान में। परमेश्वर, पिता, वो वचन था; परमेश्वर, पुत्र, वचन था; और परमेश्वर, पवित्र आत्मा, वचन है। देखो, यह तो बस तीन कार्यालय हैं। और... और पवित्र आत्मा आपको मोहरबंद करता है, इसलिए आप वचन के द्वारा मोहरबंद कर दिए जाते हैं।

अब आप कहते हैं, "ठीक है, मैं इसके द्वारा मोहरबंद हूँ... "

105 तो ठीक है, फिर, ये खुद की पहचान को देता है। देखा? यह साबित करता है। आप एक सिद्धांत से संबंधित नहीं हो सकते हैं, और सिद्धांत और वचन के साथ मोहरबंद हो, देखो, क्योंकि ये इसके विपरीत है, एक दूसरे से। आप ऐसा नहीं कर सकते। तो ठीक है।

अब हम देखते हैं कि, बड़ी मशीन यांत्रिकी की, बड़ी मशीन की यांत्रिकी, यानी...

वो मशीन, इसमें... एक वाहन में, यह पिस्टन होता है, वाल्व होता है, कार्बोरेटर, और इत्यादि। यही है—यही यांत्रिकी है।

106 मैं ठीक यहाँ कलीसिया के लिए कुछ तो कहना चाहूंगा, जो मुझे याद आया है। देखो, यह क्या है... मुझे विश्वास है कि हम अंत के बहुत नजदीक हैं, मैं—मैं अब कुछ कहने जा रहा हूं। देखा? समझे? वो—वो यांत्रिकी, बहुत सारे लोग यांत्रिकी को समझाने की कोशिश करते हैं जब कि आप इसे नहीं जानते हैं। देखा? केवल एक ही चीज आप... और, आप जानते हैं, आपको इसे जानना चाहिए। यांत्रिकी को समझा गया है। अब क्या हो यदि मूसा...

क्या हो यदि कोई कहता, "नूह, मैं चाहता हूं कि तुम इस बात की यांत्रिकी समझाओ कि नाव कैसे तैरती है। यह कैसे है? " वह ऐसा नहीं कर सकता।

आपको यांत्रिकी को नहीं जानना है; केवल इसकी गतिकी। देखो, ये तो गतिकी है जो आप जानना चाहते हैं।

"कैसे? " ठीक है, यदि कोई इस्राएल के लिए आकर, और कहता है, "बताओ, मूसा, मैं समझना चाहता हूं। तुम जानवरों को अपने शब्द से कैसे बना सकते हो? "

107 उसने कहा, बताया, "यह मेरा शब्द नहीं है। यह परमेश्वर का शब्द है। उसने मुझे इसे करने के लिए बताया।" समझे?

108 "मैं—मैं—मैं... बताओ, मुझे समझाओ कि कैसे तुमने मक्खियों को बनाया, जब वहां कोई मक्खियाँ नहीं थी, पर धरती पर बहुत सारी मक्खियाँ आ गई।" मूसा इसे खुद समझा नहीं सका। आपको समझाना नहीं है। "तुम पूर्व की हवा को कैसे बनाते हो और लाल सागर को आर पार हटाकर एक सुराख़ को बनाते हो, और हम सभी ने सूखी भूमि पर तुम्हारे पीछे चले। उसकी यांत्रिकी की व्याख्या करो। क्या—क्या—क्या वो सिद्धांत था, जिसका तुम उपयोग करते थे, मूसा? क्या था? मुझे बताओ कि वैज्ञानिक अनुसंधान के तुम कौन से परमाणु को आजाद करते हो।" समझे? देखा?

109 वो इसे नहीं जानता था। वो, तब, वह यांत्रिकी को नहीं जानता था; वह बस गतिकी को जानता था। और—और यही वो तरीका है।

मैं आपको नहीं बता सकता कि मैं कैसे जी रहा हूँ। मैं आपको ये नहीं बता सकता कि आप कैसे जी रहे हैं, लेकिन आप जी रहे हैं। मैं आपके ह्रदय के लिए नहीं बता सकता हूं, और आपका भोजन कैसे अन्दर जाता है और लहू को बनाता है। और उस—उस भोजन की शक्ति को लेता है, और—और आंत्री पथ की उस तीसरे वाल में चला जाता है और इसे वापस लहू जीवन में बदल देता है, और उसके जरिये से वापस भेज देता है। मैं—मैं इसे समझा नहीं सकता, लेकिन ये ऐसा करता है। देखो, यह करता है। मैं—मैं इसे समझा नहीं सकता। मैं यांत्रिकी नहीं जानता। ये गतिकी है।

110 अब, मूसा शायद यांत्रिकी को जानता हो, लेकिन इसे समझने के लिए किसी और का स्थान नहीं है, सिवाय मूसा के। वे जानते थे कि इसने काम को किया है, और यह संतुष्टी को देता है। क्यों आज लोग इस तरह से संतुष्ट नहीं हो सकते हैं? समझे? हर कोई मूसा नहीं हो सकता है। वहां केवल एक ही मूसा था। वे बस जानते थे कि यह परमेश्वर से था। उन्होंने देखा था कि यह परमेश्वर से था।

और वे उस पर चलते रहे और वैसे ही होता गया जब तक कि उन्होंने इस पर सवाल करना आरंभ नहीं किया, वे ऐसे ही चीजों को करने के लिए किसी और को उठाना चाहते थे, कोराह, दातान को। और जब उन्हें कोई तो मिल गया जो कि कुछ तो सांसारिक नक़ल के कार्य को करे, तो अंतत:

परमेश्वर ने कहा, "अपने आप को अलग करें। उस संगठनात्मक सिद्धांत में मत जाओ। देखो, इससे बाहर निकालो! मैं इसे निगलने जा रहा हूँ।" और उसने धरती को खोला और उसे निगल लिया। देखा?

111 आप नहीं जानते, आपको यांत्रिकी को नहीं जानना है। केवल गतिकी को जान लें, वह चीज जो उसे धडकाती है, जो इसे सच बनाती है, और देखो यदि यह उस लक्ष्य तक पहुंचती है, जिसकी बाइबिल ने प्रतिज्ञा की थी, वो इस दिन में पूरी होगी। देखो, ये फिर से वचन है, वचन की ओर वापस।

112 अब, बड़ी मशीन अब स्थापित हो रही है, और चलने के लिए तैयार है। वो यांत्रिकी पहले से ही वहां पर है। उनके पास पहले से ही एक संगठन की यांत्रिकी का सिद्धांत है, जो धरती पर लाने जा रहे है, वे कहते है, "एक शांति" को लाने के लिए। उनके पास एक है... जैसे एक राष्ट्रीय एकता (यूनाईटेड नेशन)।

राष्ट्र आपस में एकजुट हो गए हैं। यह एकजुट होने का समय है। मैंने हाल ही में इस पर प्रचार किया था। वो... वे एक साथ एकजुट हो रहे हैं, क्या लाने के लिए? एक विश्व शांति। उन्होंने राष्ट्र संघ में ऐसा किया है। उन्होंने हमेशा ही ऐसा किया है, और ये कभी भी काम नहीं करता है। ये काम नहीं कर सकता। राष्ट्रीय एकता (यूनाईटेड नेशन) कुछ और नहीं, बल्कि एक बड़ा रबर का गुब्बारा है जो हर एक देश के सिद्धांत के हवा के द्वारा भरा जाता है। ये फट जाएगा और किसी भी चीज से विस्फोट होगा। ये काम नहीं कर सकता।

न तो कलीसिया के परिषद काम कर सकते है। ये मनुष्य के द्वारा एक संगठन है, जो व्यव्स्था के विपरीत है... या उनके व्यवस्था परमेश्वर के वचन के विपरीत है, और ये काम नहीं कर सकता है। "दो एक साथ कैसे चल सकते हैं, जब तक वे सहमत न हों? " आप इसे नहीं कर सकते। और कैसे एक मसीही कलीसिया, हो सकते हैं...

113 वो—वो पेन्टीकोस्टलस, असेंबली ऑफ गॉड, और वो—वो पेन्टीकोस्टल राज्य की—की बडी कलीसिया, और फुल गोस्पल के लोग, वे कैसे अपने सुसमाचारक के शिक्षा के अधिकार को खो सकते हैं, वही सिद्धांत जिस पर वे खड़े हुए हैं? और जहां से वे ऊपर आये थे, ताकि उन संगठनों से बाहर आकर और इसे दोषी ठहराये; और उन्हें अपने

सुसमाचारक के सिद्धांत के अधिकार को खोना पड़ेगा, उन पुरुषों के साथ चलना जो बाइबल के सिद्धांत, और दैविक चंगाई, और परमेश्वर की सामर्थ और यीशु मसीह के साथ असहमत है। "वे दो एक साथ कैसे चल सकते हैं जब तक वे सहमत न हो? "

114 आप वहाँ हैं, यही वो घडी है जहाँ पर हम पहुंचे हैं, और यही वो बड़ी मशीन है यही है जो तैयार है। अब उनके पास यांत्रिकी है। उनके पास एकमात्र चीज़ होनी है जो शैतान है, उस गतिकी के साथ, ताकि पशु की छाप को लगाने के लिए दबाव डाले। जब उसे दबाव डाला जाता है, तब वो गतिकी काम करती है। यांत्रिकी वहां पर है। उन्हें वे पहले से ही मिल गयी है।

115 मुझे भी कुछ कहना है; इस एकजुट होने के समय, कलीसियाओ को एकजुट होते हुए देखना, राष्ट्र एकजुट हो रहे हैं। ये परमेश्वर और उसकी दुल्हन का एकजुट होने का समय है। और मैं इसे आदर और सम्मान के साथ कहता हूं। मैं विश्वास करता हूं कि मसीही की दुल्हन बुलाई गयी है। और मैं विश्वास करता हूं वो परमेश्वर के राज्य में मोहरबंद है। मुझे विश्वास है कि वहां यांत्रिकी हैं। वो उस गतिकी के लिए रुकी हुयी हैं, जो उसे धरती से उठा ले जाएगी, उस महिमा में, उस रेपचर में ले जाएगी। मैं इसे पूरे ह्रदय से विश्वास करता हूं। जी हाँ, श्रीमान। हम नहीं जानते कि वह इसे कैसे करने जा रहा है, लेकिन वो इसे करेगा।

वो गतिकी है। हम बस उसकी देह के, उस मशीन के सदस्य बन जाते हैं, उसके स्वरुप में खुद को बनाने के लिए, और उसे खुद को हमारे साथ एकजुट करते हुए देखते है, उसके कामों में, उसके प्रेम दानो के साथ, जैसा वह उन्हें विवाह भोज से ठीक पहले हमें सौंपता है। और हम रुके हुए हैं, उसके लिए देख रहे हैं।

उनकी बडी कलीसिया को एकजुट होना है।

116 इस कलीसिया की गतिकी पवित्र आत्मा के साथ एक फिर से भरा जाना होगा जिसे हमने एक छोटे से माप में काम किया है जबकि सिरे का पत्थर देह के साथ एक होने के लिए नीचे आ रहा है। लेकिन जब वो सिर और देह एक साथ एकजुट हो जाते हैं, तो पवित्र आत्मा की सारी सामर्थ ठीक उसी तरह उसे ऊपर खड़ा करेगी; यहां तक जो मरे है, जो सैकड़ों

वर्ष पहले मसीह में मरे थे, वे उसकी पवित्रता की सुंदरता में उठ खड़े होंगे, और आकाश में उड़ान भरेंगे। गतिकी पवित्र आत्मा है।

117 और अब इस बड़े प्रशासन की गतिकी जिसे उन्होंने बनाया हैं, यह बड़ी मशीन किसी दिन विश्व कलीसिया परिषद कलीसियाओ के परिषद की एकजुट होकर काम करेगी, जो एक दबाव को भी डालेंगे। याद रखें... लेकिन याद रखें...

आप कहते हैं, "जब ऐसा होता है... " तब आपके लिए बहुत देर हो चुकी होगी। आप पहले से ही इसमें हैं। आप चाहे होना चाहते हो या नहीं, आप पहले से ही इसमें हैं। देखा? ध्यान दें, आपके ऊपर पहले से ही वह आत्मा है।

118 इस दिन में जब वो—जब वो आत्मा की आंधीयां पूर्व, उत्तर, पश्चिम और दक्षिण से बहती हैं, लोगों को इसमें से बाहर निकालने के लिए राजी करना और लोगों को दिखाना!

यही वो कारण है कि मैं उस व्यवस्था के विरोध में हूं। मैंने देखा है वहाँ कुछ तो था, एक अँधकार। जैसा कि मैंने महिलाओं को देखा है, जिस तरह से वे उन पदार्थो को अपने चेहरे पर लगाती है, मैंने आपको पिछले रविवार को बताया था, मैं जान गया था कि कुछ आ रहा है।

119 मैं क्यों हमेशा इस प्रकार की बातों के विरोध में रहा था? मैंने इसे नहीं जाना; मैं इसे अब जानता हूं। मैं हमेशा ही संगठित धर्म के विरोध में क्यों था? ये इसलिए (मैं इसे अब देख रहा हूँ) ये पशु की छाप है। समझे? मैंने इसे हाल ही में बीते कुछ हफ्तों तक कभी नहीं कहा। देखा?

अब, कलीसिया की राजनीति के बाद, तब क्या होता है? वचन के सत्य प्रमाणित होने के बाद? अब, देखिए, इसे अतत: एक स्थान पर होना है, जहां एक निपटारा होना है। उनकी अगली चाल अब थी...

120 कलीसिया के इसे ठुकराए जाने के बाद यहूदियों का अगला कदम क्या था? कलीसिया वचन से मुड गई। वे इसके साथ कुछ लेना–देना नहीं रखना चाहते थे। "यह एक दुष्ट आत्मा थी।" यह उनके विचारों को जानता था जो उनके ह्रदय में थे। "यह दुष्ट था।" फिर भी, यह वचन था। जो काम उसने किए, उसकी गवाही देते है, जो वह था, प्रमाणित हुआ। वे इसके साथ कुछ लेना–देना नहीं रखना चाहते थे।

उसके बाद, अगली चीज, एक प्रशासन के पास आती है। और यह एक कलीसिया प्रशासन है, क्योंकि पूरे राष्ट्र शामिल हैं। वहां एक मूर्तिपूजक राष्ट्र था जो धार्मिक राष्ट्र के ऊपर नियंत्रण रखने वाला था। अब, यह सब कुछ धार्मिक चीज है, सो इसे विश्व धर्म में आना होगा।

ओह, प्रभु, एक अंधा व्यक्ति इसे देख सकता था! और एक अंधा व्यक्ति क्या कहता है जब वो इसे देखता है? जब वो इसे देखता है, तो वह अपने अंधेपन से बाहर आ जाएगा।

121 ध्यान दे, जब ये विश्व परिषद एकसाथ आते है, "हम इस यीशु के साथ क्या करे, जो मसीह कहलाता है? " वे निश्चित रूप से इसके लिए कुछ लेना देना नहीं रखना चाहते। इसलिए तब केवल एक ही काम को करना है, बिल्कुल जो उन्होंने तब किया, वे इसे क्रूस पर चढ़ा देंगे, निश्चित रूप से, इसके मुंह को बंद कर दें। "यह और नहीं हो सकता। इसे ये करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।" राष्ट्रों की धर्म की ताकत उन्हें ऐसा नहीं करने देंगी। ऐसी सेवकाई जो यहां चलती है, और इसी तरह की चीजें, वे पूरी तरह से बंद हो जाएंगे। आप मुख्यालय से मंजूरी लिए बिना कुछ नहीं कर सकते, जो कलीसिया का प्रमुख है, देखा, पशु की छाप। ओह! हम यहाँ पर हैं, ऐसा ही है। हम—हम पहुँच चुके हैं।

और वास्तव में प्रमाणित हुआ है; अगला कदम उसे क्रूस पर चढ़ाने का है।

122 अभी भी ऐसा है, इसी कारण वे सभी जो उनके साथ नहीं जुड़ेंगे, उन्हें रोक दिया जाएगा और प्रचार करने की अनुमति नहीं दी जाएगी, आप देखना। इसे नए सिरे से क्रूस पर चढ़ाते है, उस प्रतिज्ञा के प्रमाणित वचन को। इसे रोकते है, "आपको अब इसे और करने की अनुमति नहीं है। अब और चंगाई की सभाओ को नहीं करना है। अब बीमारों के लिए और प्रार्थना नहीं करना है। नहीं श्रीमान! आप ऐसा इसे नहीं कर सकते। नही, ना ही ऐसा कुछ और। नहीं, श्रीमान! आपको कलीसिया परिषद के जरिये से आना होगा या तो आप इसे बिल्कुल ना करे।"

123 अब आप देख सकते हैं कि मैं संप्रदाय के विरोध में क्यों हूँ, क्योंकि यह पशु की छाप है। रोम इसका प्रमुख है, वो पहला है। यह बिल्कुल सही बात है। और यह सभी पुत्रियों से जुड़ने का कारण बनता है, यही वो छाप है। इसकी मां ने भी यही काम को किया था। रोम पहले कहाँ संगठन हुआ

था? विश्व में पहला संगठित धर्म कौन सा था? रोमन कैथोलिक। किसी के पास भी एक ऐसा वचन है जो कहता है कि ऐसा नहीं है, मैं बस इसे सुनुगा। यह यहाँ नहीं है। वो पहली संगठना, पहली कलीसिया जो कभी संगठीत हुई थी, जो निसिया, रोम में था। जी हाँ, श्रीमान। और वह बिल्कुल ऐसा ही है, जो उन्होंने क्या किया।

124 और लूथर ने अपनी मृत्यु के बाद क्या किया? उन्होंने वही किया जो उन्होंने निसिया, रोम में किया था। वेसली के बाद उन्होंने क्या किया? उन्होंने क्या किया उन सारे बड़े–बड़े परिवर्तन के बाद जो ऊपर आये? उन्होंने वही किया, पुत्रियों को वेश्य के समान बनाया, बिल्कुल ठीक उसी तरह। उसी तरह, हम यहाँ पर देखते हैं...

125 मैंने यहाँ कुछ वचनों को लिखकर रखा था। शायद मेरे लिए बेहतर है उसे छोड़ देना चाहिए। लेकिन, और देखो, वे...

कलीसिया का संगठन होना जो आज एक जुट होकर उसी सिद्धांत को लिया है। केवल एक चीज की आवश्यकता है, वो इसकी गतिकी हैं, बस कुछ तो ऐसा ताकि ये इसे पुरे बलपूर्वक स्थापित करे। और यह ठीक सामने एक मुकाबले के लिए आ रहा है।

126 कैथोलिक कलीसिया और प्रोटेस्टेंट कलीसिया मित्र बन जाएंगे। मैं आपको हमेशा—हमेशा से बताते आया हूं, पिछले तीस कुछ वर्षों से। वे एकजुट हो जायेंगे। और आप वैसे ही देखते हैं कि वे अभी क्या कर रहे हैं। वे—वे प्रोटेस्टेंट कभी भी कैथोलिक नहीं बनेंगे, लेकिन वे भाईचारे में संबंध रखेंगे, एक पशु की छाप, पशु की तरह।

127 इसी तरह से मतलब जो माता, हव्वा ने, सारे संसार को भ्रष्ट कर दिया एक शारीरिक मृत्यु को लायी। वो माता, हव्वा! ध्यान से सुने। माता हवा ने पूरी मानव जाति को शारीरिक मृत्यु के द्वारा भ्रष्ट कर दिया, (कैसे?) वचन को अस्वीकार करने के द्वारा और उसे स्वीकार करते हुए जो लगभग कुछ वैसा ही है। वो सारी शारीरिक मृत्यु का कारण बनी क्योंकि उसने सच्चे वचन को छोड़ दिया, और सारे सही वचन पर विश्वास किया सिवाय बस कुछ वचन को छोड़। परमेश्वर के सम्पूर्ण वचन से जरा सी असहमति के कारण हर एक ह्रदय का दौरा, हर एक मौत और सब कुछ तब से धरती पर होती आ रही है। हव्वा ने इसे किया, जो मृत्यु की माता है। अब आपने

देखा कि हम कहाँ पर आ रहे हैं? मृत्यु की माता, ध्यान दे, उसने बस वचन पर अविश्वास किया।

उसने कहा, "परमेश्वर ने कहा है... "

शैतान ने कहा, "यह सही बात है।"

"परमेश्वर ने कहा है... "

"यह सही बात है।"

"परमेश्वर ने कहा है... "

"यह सही बात है।"

"परमेश्वर ने कहा है... "

128 "जी, हाँ, यह, बिल्कुल सही है। एक तरह से—से, यह सही है, लेकिन, देखो, कि—कि यही वो सब नहीं है। देखें, तुम्हारे—तुम्हारे पास तुम्हारी खुली आँखें होनी हैं, तुम सब... "

लेकिन परमेश्वर ने कहा, और इससे बात खत्म हो जाती है, वो वचन! देखो, इसने बस वचन को कुछ गलत अर्थ लगाना आरंभ किया, और, वही बात, यह उसी तरह समाप्त हो रहा है।

129 ध्यान दे, एक पुत्री, एक माता और पिता के एक होने के द्वारा एक उत्पादन है। अब यहाँ कुछ चौंकाने वाली बात है। लेकिन शारीरिक मृत्यु, शारीरिक मृत्यु जो माता हव्वा और शैतान के एक साथ एक होने से है, परमेश्वर के वचन पर अविश्वास करने के द्वारा। उन्होंने एक होकर मृत्यु के उत्पादन को जन्म दिया। वह... मृत्यु एक उत्पादन है, जो शैतान और हव्वा के एकसाथ एक होने से है।

130 हव्वा के पास वचन था। शैतान वचन का विरोधी है। और, देखो, लगभग सौ में का निन्यानबे दशमलव निन्यानबे प्रतिशत शैतान ने स्वीकार किया कि सही है। "बहुत ही नजदीक," बाइबिल ने कहा, "अंतिम दिनों में, यदि संभव हो तो बिल्कुल चुने हुए भी भरमाये जायेंगे।" देखो कि यह कैसे आता है, ये हमेशा ही कैसे होता आ रहा है, ये कैसे बाहर जा रहा है? उसी तरह से, परमेश्वर के सारे वचन में अविश्वास से एक होकर। आपने इसे समझा? यही है वो जिसने मृत्यु को लाया, उस वचन के साथ अविश्वास में एक होकर। अविश्वास, बस जरा सा, इसका एक छोटा सा हिस्सा; थोड़ा सा,

अंश, जरा सा, सौ का एक प्रतिशत। लेकिन यह एक सौ प्रतिशत होना चाहिए! ऐसा ही है।

131 ध्यान दे, परमेश्वर की पुत्री, कलीसिया, वो दुल्हन, वो भी परमेश्वर और उस.के वचन के एक होने का एक उत्पादन है। वो पवित्र आत्मा देह के शरीर में एक होता है, ये परमेश्वर के पुत्र का उत्पादन करता है, जो परमेश्वर की धार्मिकता का एक उत्पादन है। और अंतिम दिन में, जैसा कि हमें बताया गया है, "जैसा सदोम के दिनों में था," दुल्हन परमेश्वर के वचन से एक हो जाएगी जो देह में प्रकट होगी, वो पवित्र आत्मा उन्हें परमेश्वर के अन्दर मोहरबंद कर रहा है, और अविश्वास को बाहर मोहर कर रहा है, बाहर की ओर।

132 जैसा कि मैंने बताया, यदि बीथोवेन का जीवन आप में होता था, तो आप बीथोवेन के जैसे जीते; यदि हिटलर का जीवन आप में होता था, तो आप हिटलर के जैसे जीते। और जब मसीह का जीवन आप में होता है, तो आप मसीह की तरह जीयेंगे, और मसीह के कार्य को आप करेंगे। और ऐसा होगा। यदि आज मसीह जीवित रहता, तो वो वही करता, जो वचन ने कहा था कि वह आज करेगा। और वचन ने कहा कि, "वो कल, आज और युगनुयुग एक सा है।" क्यों ये अंधी कलीसिया से संबंधित संसार इस समय को नहीं देख सकता है, जिसमें वे जी रहे हैं? समझे?

133 हव्वा सारे शारीरिक मृत्यु का कारण बनी, शैतान के कुछ विशुद्ध मत को वचन के अन्दर डालने के प्रयास करने के द्वारा। और यह वही बात है जो कलीसिया के साथ घटित हुई थी, निसिया, रोम में, वचन के बजाय मत सिद्धांतो को लेने के द्वारा। मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन में भी यही बात है, जब–जब उजियाला हर युग में आगे बढ़ता गया और वे उससे मुड़ गए।

यही वो कारण है लूथरन मर गए, जब वेस्ली ऊपर आने लगे। यह दूसरे युग में था। वचन आगे आया, और उन्हें इसे स्वीकार करना था या तो मरना था। यही वो कारण है कि पेंटीकोस्टल अब मर रहे हैं, क्योंकि वो युग यहां पर है। उस वचन को प्रकट किया गया है, उकाब का समय, वचन के वापस लौट आने का समय, "पिताओ के विश्वास को लौटाने के लिए, फिर से वापस बालको की ओर।" और वे इतने एक हो गए हैं, उन्होंने

इसे ठुकरा दिया हैं, और उनके पास कुछ भी नहीं है, आत्मिक मृत्यु के अलावा। हमेशा...

134 परमेश्वर का शरीर, एक दुल्हन के रूप में एक हो गया है, एक होने के नाते; वो और मसीह, एक साथ, कलीसिया की देह में आत्मा काम कर रहा है, जैसे कि इसने यीशु मसीह के देह में काम किया, क्योंकि ये उसके शरीर का भाग है। जुड़वाँ नहीं; लेकिन एक! वे एक हैं। एक पति और पत्नी अब दो नहीं हैं, बल्कि एक हैं। और मसीह और उसका शरीर एक है। और वही आत्मा जो मसीह में था वो उसकी दुल्हन में है, उसके शरीर में है, जो सारे वचन के साथ उन्हें जोड़कर उन्हें एक करता है। और इसे प्रकट करते हुए वहां परमेश्वर स्वयं रहता है।

135 और मसीह विरोधी, ऐसे ही कहने के लिए कहते है, "ओह, मैं मसीह में विश्वास करता हूं, मैं सुसमाचार में विश्वास करता हूं, मैं इन चीजों में विश्वास करता हूं, लेकिन, आप जानते हैं... " आप वहां पर हैं। "लेकिन, आप जानते हैं, अद्भुत कार्यो के दिन बीत चुके हैं। ऐसा इस तरह से कुछ नहीं है, देखो।" आप वहाँ पर हैं। "ओह, मैं विश्वास नहीं करता कि आपको यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लेना है।"

136 लेकिन बाइबल ने कहा कि तुमने किया। अब मैं चाहता हूं कि कुछ धर्मशास्त्रियों इससे असहमत हो। देखा? समझे? इसे होना ही है। आप कहते हैं, "ठीक है, बपतिस्मा से कोई फर्क नहीं पड़ता।" ठीक है, फिर, इसे क्यों लिखा गया था? इससे पौलुस को क्या फर्क पड़ा? इससे बाकी के सारे लोगो को क्या फर्क पड़ा? आप या तो बपतिस्मा ले...

बाइबल ने कहा, "आपके पास एक नाम है जिसमें आप जीवित हैं, और आप मरे हुए हैं, " क्योंकि आकाश के नीचे कोई और नाम नहीं दिया गया है।

आप इस नाम में क्यों प्रचार करेंगे, इसमें प्रार्थना करेंगे, बाकी की हर एक चीज, लेकिन, जब आप तालाब के पास आते हैं, तो आप ये अस्वीकार कर देते हैं? हूं–हूंह। समझे?

मैंने एक दिन एक व्यक्ति से कहा, मैंने कहा, "क्या हो, यदि एक व्यक्ति... "

उसने कहा, "इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।"

137 मैंने कहा, "यदि कोई व्यक्ति आपके पास आता है, और फिर वो कहता है कि उसका 'शारोन के गुलाब, घाटी के सोसन के फुल, और भोर के तारे, के नाम से बपतिस्मा लिया है,' तो क्या आप कहेंगे कि वो ठीक है? "

उसने कहा, "नहीं, श्रीमान।"

मैंने कहा, "क्या तुम उसे फिर से बपतिस्मा दोगे? "

"हाँ।"

मैंने कहा, "तुम बपतिस्मा कैसे दोगे? "

कहा, "पिता, पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम में।"

138 मैंने कहा, "तो ठीक है, अब तुमने ठीक वैसे ही किया, तुमने रखा... यदि तुम उनको 'नामो' को लेते हो, तुमने वही किया जो उसने कहा था, 'शारोन का गुलाब, घाटी के सोसन का फुल, और भोर का तारा,' क्योंकि यह एक शीर्षक है, और 'पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा' एक शीर्षक है। समझे? "

उसने कहा, "लेकिन यीशु ने कहा, 'नाम' से बपतिस्मा दो।"

139 मैंने कहा, "बिल्कुल यही उसके कहने मतलब है। लेकिन ऐसा नहीं—नहीं... उसने यह नहीं कहा, 'इन शब्दों को कहो।' 'उन्हें नाम में बपतिस्मा दें,' नाम! ओह, प्रभु!" मैंने कहा, "'पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा' शीर्षक है। 'पिता का नाम, पुत्र... पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से।' समझे? " मैंने कहा, "पतरस ने जो कहा वो ये था? बाकी लोगों ने जो कहा वो ये था? समझे? क्या वो ये है? हूं–हुन। 'प्रभु यीशु मसीह' वो ही 'पिता, पुत्र, और पवित्र आत्मा' का नाम है।" उसे लगभग तीस हजार मूल निवासी मिले उसे अब फिर से बपतिस्मा लेना है। देखा? यह ठीक है। लेकिन यह सही बात है। पौलुस ने कहा, "यदि स्वर्ग से एक दूत... "

140 पौलुस ने उन लोगों को बताया, जिन्होंने यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा नहीं लिया हैं, प्रेरितो के काम 19:5, जो कि पवित्र आत्मा को लेने के लिए है, उन्हें आना था। भले ही वे चिल्ला रहे थे और परमेश्वर की स्तुति कर रहे थे, और महान काम कर रहे थे, उसने कहा कि उन्हें वापस आकर और फिर से यीशु मसीह के नाम से दुबारा बपतिस्मा लेना होगा। यूहन्ना ने उन्हें बपतिस्मा दिया था उसके बाद, उन्हें वापस आकर और दुबारा बपतिस्मा लेना था।

और उसने कहा, गलातियों 1: 8 में, "यदि स्वर्ग का कोई दूत भी आकर आपको कुछ और सिखाये, उसके अलावा जो मैंने सिखाया है, तो उसे श्रापित होने दो।" जी, हाँ, श्रीमान। इसलिए हमें उसके ठीक वचन के साथ बने रहना होगा, इसके हर एक वचन के साथ। देखा?

141 ध्यान दे। ओह, इसमें कोई दोष नहीं है; बिल्कुल पक्का होना है। यदि आपके मन में कुछ भी संदेह हो रहा है, तो आपके लिए अच्छा होगा कि इसे अभी स्पष्ट कर ले। तब तक के लिए प्रतीक्षा न करें, बहुत देर हो चुकी है। उस छाप के बहुत गंभीर रूप लेने तक प्रतीक्षा न करें आप इसे और कभी नहीं देख पायेंगे, आप अंधे हों जायेंगे।

उसने इस्राएल को अंधा कर दिया, जिससे कि वह अपना वचन प्रकट कर सके। वो अन्यजातियों के लिए भी इसी बात को कर रहा है, क्योंकि यहाँ—यहाँ वे ठीक उसी तरह चल रहे हैं जैसे उन्होंने तब किया था।

142 ध्यान दे, हव्वा ने अस्वीकार कर दिया और उसके अधिकारों को खो दिया। उसने परमेश्वर के द्वारा वचन को प्रमाणित करते देखा था, उसके बाद उसने ऐसा किया था, उसने इसे अस्वीकार कर दिया और उसके अधिकारों को खो दिया। इसी बात को उन्होंने निसिया, रोम में किया। और ठीक उसी बात को वे अभी कलीसिया की परिषद कर रही हैं, बिल्कुल वैसे ही। भाइयो, वहाँ ये उत्पत्ति से लेकर प्रकाशितवाक्य तक, वही बात। यही है जो इस्राएल ने किया। इसी बात को पिलातुस ने किया, यही है जो सब चीजो ने किया है, हमेशा ही, हव्वा से लेकर अब तक, एक ही बात को किया है। उन्होंने प्रमाणित वचन को अस्वीकार किया हैं और बजाय इसके एक संप्रदाय को लेते हैं। जो मृत्यु, उस आत्मिक मृत्यु को निर्माण करता है।

मरे हुए! वो वचन अभी भी मृतकों को प्रचार किया जाता है। बिल्कुल ठीक! अब सहशताब्दी में से होते हुए नहीं जायेंगे, देखो। उन्हें—उन्हें, पहले से ही प्रचारा गया हैं। हो सकता है, वे अभी इसे समझ रहे हो। समझे?

143 कैन के पुत्र, जो कि परमेश्वर के वचन पर अविश्वास करने का उत्पादन थे, कैन के पुत्रो ने नबी नूह के संदेश का मजाक उड़ाया। आपने क्या ये ध्यान दिया? परमेश्वर के वचन के साथ उसने भविष्यवाणी का न्याय किया, और स्पष्ट चिन्ह थे, प्रमाणित चिन्ह कि समय अंत में था, और कैन के पुत्रो ने इसका मजाक उड़ाया।

सो वैसा ही वे अब करते हैं। सो वैसा ही, उन्होंने, यीशु के दिन में किया। वैसा ही वे सारे युगों में करते आए है। ऐसा हमेशा से होता रहा है। वे उपहास करते हैं, और इसका मजाक उड़ाते हैं। उसने कहा, "अंतिम दिनों में, वहाँ उपहास उड़ाने वाले आयेंगे, कहेंगे, 'समय में कोई अंतर नहीं है, जब से हमारे बाप दादा सो गए।'" आपने, देखा?

144 वैसे ही शैतान के पुत्रों ने धार्मिक व्यवस्था के जरिये से किया, वचन के जाहिर होने पर यीशु मसीह के समय में। देखो, यहूदी लोगों की धार्मिक व्यवस्था, (बहन रोज़), यहूदी लोग जिन्हें इसे बेहतर तरीके से जानना चाहिए था, लेकिन उनकी व्यवस्था उनका कारण है कि वे परमेश्वर के वचन को अस्वीकार करते है और उपहास करते है (जो वे दावा करते है कि वे विश्वास करते है) प्रकट हुआ है, कि एक वचन भी बाहर नहीं है। उन्होंने वैसा ही किया है।

145 आज भी वे वैसा ही करते हैं। वो धार्मिक व्यवस्था इस बड़ी मशीन में जो उनके पास है, अब वे करेंगे, वे पूरी तरह से अंत समय पर प्रतिज्ञाओ से मुकर चुके है; अंत समय के संदेश से, और अंत समय के चिन्ह से, अंत समय का वो सब कुछ जो होना चाहिये, जैसा कि परमेश्वर ने भविष्यवाणी की थी, वचन दर वचन।

यह टेप पर है। यदि—यदि वे मुझे गोली भी मार देते हैं, या वे जो कुछ भी कर सकते हैं, वे उस संदेश को कभी भी नहीं रोके पायेंगे! समझे? ये बस बिल्कुल वैसे ही चलता रहेगा। समझे? इसका पहले से ही प्रचार हो चूका है। ये टेप किया गया है। ये चला गया है। देखा? वे कभी नहीं कर सकते... ये—ये ठीक अभी अंत का वचन है। जो... पूरी तरह से बार– बार और हर बार प्रमाणित और साबित हुआ है, चिन्हो के द्वारा, अद्भुत कामो, यांत्रिकी के द्वारा, गतिकी के द्वारा—द्वारा—द्वारा, विज्ञान के द्वारा—द्वारा, कलीसिया के द्वारा, स्वयं परमेश्वर के द्वारा, ये साबित हुआ है कि ये ही वो घडी है; वचन के द्वारा, और चिन्हो और अद्भुत कामो के द्वारा, दोनों से।

146 इस घडी के चिन्हो और अद्भुत कामो के द्वारा, आपके बीच परमेश्वर का एक संदेश स्वीकार किया गया है। एक संदेश कि यीशु मसीह मरा नहीं है, लेकिन जीवित है बस उसी प्रकार से जैसे वो हमेशा से था, और, और सन्देश को आगे भेज रहा है। और यह बिल्कुल ठीक मलाकी 4 और अन्य

सभी वचनों को पूरा करता है, जिसे यीशु ने कहा अंतिम दिनों में पूरी तरह से पूरे होंगे, वैज्ञानिक रूप से, संसार के द्वारा, दोनों में। और पत्रिकाओं ने प्रकाश के गोलों की बड़ी तस्वीरों को छापा, जो यहां भविष्यवाणी की गई थी। परमेश्वर के दूत, जो नीचे उतर आये, जिसके बारे में वे कुछ भी नहीं जानते हैं। और संसार भर में सब जगह, हर कहीं, यह सिद्ध हुआ है!

147 अगला क्रूस पर चढाना है, और हम इसका सामना कर रहे हैं। फिर जैसा कि यीशु ने कहा, "मैं क्या कहूंगा, 'इस घंडी से, पिता मुझे बचाये'? लेकिन नहीं। तेरी इच्छा धरती पर पूरी हो जाए, देखो, जैसा कि यह स्वर्ग में है।"

148 यही है जो कलीसिया कहती है, आज, उसके ह्रदय से, "मुझे किसी के साथ जुड़ना है... ? नहीं, परमेश्वर, नहीं। तेरी इच्छा धरती पर पूरी हो जाए, देखो, जैसा कि यह स्वर्ग में है।"

149 ध्यान दे, उस युग के लिए जिस वचन की प्रतिज्ञा की गयी थी उसके बाद, उन्होंने इसे ठुकरा दिया। उन्होंने आज भी उसी बात को किया है। और अब मैं बंद करने की ओर आ रहा हूं। और जब वह आया तब उसने स्पष्ट रूप से खुद से वचन होने की पहचान को दिया, और ये उस मुकाबले पर आ गये जहाँ उन्हें चुनाव को करना ही है या सिद्धांत को लेना है; ये आज भी उसी तरह से आज है, उन्हें चुनना ही है वचन को या सिद्धांत को लेना है। और उन्होंने सिद्धांत को लिया है। अब वह क्या करता है? बंद करते हुए। वह संसार के हाथों पर है। सही है।

150 अब, मेरा विषय। इस पर आने के लिए एक लंबा रास्ता तय करना पड़ा है, लेकिन अब मैंने आरंभ किया है, आप देखना। उठना मत, मैं तो बस मजाक कर रहा था। देखो, यहाँ मेरा विषय है। हम इसे जानते हैं। ये बुनियाद का रखा जाना है। हमें अब यहाँ ये बात सब एक ही रेखा में मिलती है। आइये इसे सीधे ह्रदय के अन्दर स्थापित करे और देखें कि यह कैसा दिखाई देता है, उसे कांच के नीचे रखें।

151 यीशु लोगों के हाथों में है। यह कलीसिया के हाथों में है। आप इस यीशु के साथ क्या करेंगे जिसे अभिषिक्त वचन कहा जाता है? *मसीह* का अर्थ है "अभिषिक्त वचन।" समझे?

"आप इस यीशु के साथ क्या करेंगे? " पीलातुस ने कहा। "मैं इसके साथ क्या करूँ? क्या, मेरा क्या कदम होगा? मैं इस यीशु के साथ क्या कर सकता हूँ, जो मसीह कहलाता है? "

152 संसार ने क्या कहा? कलीसिया ने क्या कहा? "इसे क्रूस पर चढ़ा दो! इसे रोक दो! अब हम इसे और नहीं चाहते।"

153 मैं आपसे कुछ तो पूछने जा रहा हूँ। क्या आप आज सुबह ओसवाल्ड के हाथ होने के दोषी ठहराने की कल्पना को कर सकते हैं, वो जो राष्ट्रपति का हत्यारा है? क्या आप कल्पना कर सकते है कि उसका न्याय क्या होगा यदि वो साबित होता है कि उसने इसे किया है? क्या आप कल्पना कर सकते हैं—क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि उसके लिए कोई दया छोड़ दी जायेगी? संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति का लहू उसके हाथों पर है। क्या आप सोचते हो केन्द्रीय न्यायालय... कोई फर्क नहीं पड़ता कि वो कितनी भी वकालत करे कहे कि, "मेरा इसे करने का कोई उद्देश्य नहीं था," जो उसका जरा भी बहाना नहीं चलेगा। वह नाश हो जाएगा। क्यों? उसके हाथों पर राष्ट्रपति का लहू है। क्या आप उसकी भावनाओं की कल्पना कर सकते हैं? क्या आप चाहते हैं कि वो आपके हाथों पर हो? [सभा कहती हैं, "नहीं।"—सम्पा।]

154 तो, फिर यीशु मसीह के लहू के बारे में क्या? क्या आप सोचते है, आप क्षमा किये जायेंगे, इसके पूरी तरह से प्रमाणित के बाद? आप कैसे इससे बच निकलेंगे? उसका लहू आपके हाथो में है, दोषी! पापी, आप यहाँ से कहाँ जा रहे है? आज सुबह, सभा के बाद आप क्या करने जा रहे हैं?

155 क्या आप सोच सकते है, आप कहते हैं, "ठीक है, मेरा अभिप्राय था... मेरा ऐसा गलत उद्देश्य नहीं है।" ओसवाल्ड भी यही बात को कह सकता हैं।

यदि हमारे सर्वोच्च न्यायालय का न्यायी, न्याय को करेगा, तो इसे बताएगा। ये हमारे... ये राष्ट्र का अपरिवर्तनशील न्याय है। सारा राष्ट्र उस सर्वोच्च न्यायालय से बंधा हुआ है, और वहाँ बचने के लिए कुछ भी नहीं किया जा सकता है। उसने अपराध को किया है। उसे इसके लिए भुगतान करना होगा। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उसका उद्देश्य क्या भी हो, उसके उद्देश्य कैसे थे, या इसके बारे में कुछ नहीं हो; उसे किसी भी तरह इसके लिए भुगतान को करना है।

यदि हमारा सर्वोच्च न्यायालय और इसका न्यायी भरपाई के प्रतिफल की माँग करता है, आप कितना और अधिक खुद को और परमेश्वर के न्याय के कटघरे में पायेंगे, जब आप अपने हाथों पर यीशु मसीह के लहू

के साथ आते हैं? "मैं इस यीशु के साथ क्या करूं जो अभिषिक्त वचन कहलाता है?" आपने इसे सुना है। आप जानते है कि यह सत्य है। यह पूरी तरह से एक प्रमाणित है।

156 एक हत्यारा? क्या आप निर्दोष मसीह की तुलना में एक वचन का संप्रदायक हत्यारा होने की इच्छा करेंगे? क्या आप क्रूस पर चढ़ाओगे? क्या आप—क्या आप बरब्बा को लेने की हिम्मत करेंगे? क्या आप बरब्बा के लिए बोल सकते हैं? किस तरह किसी को भी ऐसा करने की हिम्मत हो सकती है, वचन के हत्यारे, बरब्बा के लिए बोले; वचन को छोड़, जो अपने आप में, जीवन है। और ये आपके हाथों में है।

157 जब मैंने राष्ट्रपति केनेडी की हत्या के बारे में सुना, तो यह संदेश मेरे हृदय पर उतर आया। मैंने सोचा, वो मनुष्य क्या करेगा? और अब इसके लिए कोई रास्ता नहीं है। वो मनुष्य इस समय पर सचेत हो सकता है, और समझ सकता है कि आगे क्या होने वाला है।

158 और आप किसी समय पर सचेत होने वाले हैं। यहाँ पर, या टेप सुनने पर, आप कहीं पर भी हों, आप किसी समय पर जाग जायेंगे, वे जो पापी है, और जान जायेंगे कि आपके हाथ में लहू है, और परमेश्वर के पुत्र का लहू है, और आप उसकी हत्या के दोषी हैं। आपके पाप ने उसकी हत्या कर दी। उसके वचन में आपका अविश्वास, आप उसकी पहचान को देखने में विफल रहे, पवित्र आत्मा को शोकित किया। और आप क्या कर सकते हैं, सिवाय परमेश्वर के न्याय पर खड़े होने के, ये जानते हुए कि आपके साथ क्या होने वाला है! जी हाँ, ओस्वाल्ड के हाथों में जॉन केनेडी का लहू एक मामूली सी बात होगी, उसकी तुलना में जब आपके हाथों पर यीशु मसीह का लहू होता है, आप परमेश्वर के सामने खड़े होते हैं।

159 "मैं इस यीशु के साथ क्या करूं जो मसीह कहलाता है?" पिलातुस ने कहा। उसे उसके हाथों पर रखा गया था।

और यीशु मसीह का लहू को फिर से इस सभा के लोगो के हाथों में रखा गया है। इसे इस राष्ट्र के हाथों में रखा गया है, और इस संसार भर में, जहाँ–जहाँ ये टेप गये हैं, और वे चीजें जो परमेश्वर की प्रमाणित और साबित हुई हैं।

अब हम इस यीशु के साथ क्या करेंगे, जिसे "कल, आज और युगानुयुग एक सा है," कहा जाता है? हम इस यीशु के साथ क्या करें?

क्या आप उसके पक्ष की जगह लेने के लिए तैयार हैं? [सभा कहती हैं, "आमीन।"—सम्पा।]

160 पीलातुस, और उसी बात पर पीलातुस ने किया, वहां तीन चीजें हैं जो आप उसके साथ कर सकते हैं। पीलातुस ने उन तीनों की कोशिश की, और वो चूक गया। तीन योजनाएँ जिसे आप काम में लाने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन यह कभी काम नहीं करेंगी। पीलातुस ने उसे अपने हाथों से हटाने की कोशिश की। लेकिन जब एक बार आपके हाथों पर रखा जाता है, तो यह आपके हाथों पर होता है। पीलातुस ने तीन अलग–अलग तरीकों से कोशिश की, और असफल रहा।

161 हमें उन सच्चाईयों का सामना करना ही है, जो हमारे हाथों में हैं। हमने उसे उसके वचन में देखा है। हम उसे खुद को प्रमाणित करते हुए देखते हैं। हम यह जानते हैं कि वो कल, आज और युगानुयुग एक ही है। क्या यह सही है? [सभा कहती हैं, "आमीन।"—सम्पा।]

तब, मैं आज सुबह यहाँ न केवल इस सभा से बात कर रहा हूं, क्योंकि मैं केवल छह, सात सौ लोगों से बात कर रहा हूं, हो सकता है, लेकिन मैं इस टेप पर लाखों लोगों से बात कर रहा हूं, जो संसार भर में जाएंगे। देखा? वो आपके हाथों में है, टेप स्थल में, जहाँ भी आप हैं। आप जानते है कि यह सच है। यदि आप नहीं जानते हैं, तो आप अंधे हैं; आप वचन को नहीं देख सकते, न ही आप परमेश्वर को वचन में देख सकते हैं। और वह आपके हाथो में है। अब आप उसके साथ क्या करने जा रहे हैं?

162 पीलातुस ने उससे पीछा छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन हमें सच्चाई का सामना करना होगा। पीलातुस को इसका सामना करना था। वो जानता था। उसने सुना था।

तो ठीक है, आप कहते हैं, "मैंने कभी भी इसे नहीं देखा।" आपने इसे किसी भी तरह से सुना है। आप इसे अब भी सुन रहे हैं। देखा?

वह चाहता था कि यीशु उसके लिए एक चिन्ह चमत्कार को करे या एक तरकीब को चले। लेकिन वह तरकीबो को नहीं चला रहा था; वह केवल वही कर रहा था जैसा परमेश्वर ने उसे करने के लिए कहा था।

163 आपने सुना है, "विश्वास सुनने से आता है।" आपके पास विश्वास है, और पीछा छुडाने के लिए, जिससे इसे आप अपने हाथों से दूर करे। लेकिन उसे किसी भी तरह से सच्चाई का सामना करना होगा। उसने किया, और

सो वैसे ही हमें सच्चाई का सामना करना होगा। वो पूरी तरह से पहचाना गया है। सोचो, आपके हाथों में एक मनुष्य का लहू है!

164 मनुष्य को यह देखना होगा कि उसके हाथों पर किसी अन्य मनुष्य का लहू है। एक हवाई जहाज को देखो। एक पायलट जो विमान से बाहर, जब वो उस विमान को चलाता है, तो वह उसके हर उपकरण की जांच करता है। क्यों? उसके हाथों पर किसी का लहू होता है। हर एक छोटा बड़ा यंत्र जिसे जांचा जा सकता है, वो इसकी जांच करता है। जब वह बाहर निकलकर और विमान को इधर–उधर घुमाता है, तो वह—वह—वह मोटर को घुमाता है, उस इंजन को, और यह देखता है कि यह गर्म हुआ है। और इस पर सभी तरह से दबाव को डालता है, यह देखने के लिए कि विस्फोट होगा... यदि यह दबाव को डालने में सक्षम हो जाएगा या जहाज के पंखो को भी चलाता है, उस पर्याप्त हवा से जो इसे जमीन से ऊपर लेकर जाता है।

आप खड़े होंगे, आप में से बहुत से लोग, एक विमान में, या उसमें बैठे होंगे, और लगभग पूरा विमान जमीन से ऊपर उठता है। वो उसका सब कुछ दे देता है जो उसके पास है, यह देखने के लिए कि क्या कोई चीज रेखा से बाहर है। यदि ऐसा है, तो यह अलग होकर और बाहर निकल जाएगा। लेकिन वह इसे फिर से जाँचता है, यदि उसे वहाँ कुछ क्षण के लिए रुकना पड़ता है, जब तक वह इसकी फिर से जाँच नहीं कर लेता। और यदि वे उसे कुछ समय के लिए रोकते भी हैं, तो वह इसे फिर से जाँचता है।

165 किस तरह से कलीसिया को फिर से, और फिर से, और फिर से फिर से इसकी जाँच करनी चाहिये! हम उसके आगमन के लिए प्रतीक्षा कर रहे हैं। हम जागृत हो रहे हैं, हम उड़ने के लिए प्रतीक्षा कर रहे हैं। हम इसे अच्छी तरीके से वचन के साथ जांचे, न कि किसी ने क्या कहा उसके साथ। सुनिश्चित करें कि आप खुद को को जानते है, मसीह के साथ एक व्यक्तिगत अनुभव के रूप में। इसे फिर से, और फिर से, और फिर से जांचें।

क्यों? उसके पास उसके हाथों पर मनुष्य का लहू है। उसे अच्छी तरह से जांचना है।

166 एक ऑपरेशन से पहले एक डॉक्टर के बारे में क्या है? हमारे पास आज सुबह यहां पर कुछ डॉक्टर बैठे हुए है। ध्यान दें, कि एक डॉक्टर, ऑपरेशन करने से पहले, वह क्या करता है। वो एक एक्स–रे को चाहता है। वो लहू की जांच करना चाहता है। वो ह्रदय की जाँच करना चाहता है। वह देखना चाहता है कि क्या आपको कुछ सर्दी है, इससे पहले कि वो बेहोश करने वाली दवा को दे। वो हर औजार की जाँच करता है; वह उन्हें अच्छी तरह से उबालता है, यह देखने के लिए कि उस पर कोई कीटाणु तो नहीं है। वह सब कुछ करता है। वह बार–बार, बार–बार, बार–बार, बार–बार और फिर से जांच करता है। क्यों? उसके हाथो में एक मनुष्य का लहू होता है। वह विस्तार पूर्वक निश्चित होना चाहता है कि सब कुछ उतना ही सही है जितना सही हो सकता है।

167 आपके बारे में क्या? आपके बारे में क्या, जो पापी है, आपने इसके बारे में क्या महसूस किया?

अपने हाथो पर एक मनुष्य के लहू का होना, जिम्मेदारी, एक पायलट की तरह और वह जाँच करता है; डॉक्टर, और वह जाँच करता है; और कई और भी है, बहुत से वैज्ञानिक; जब आपके अपने हाथों पर एक मनुष्य का लहू होता है, तो आप क्या करेंगे!

जब कोई न्यायाधीश सजा सुनाने जा रहा हो, तो देखें कि वह उन किताबों को कैसे पढ़ता है, बार–बार और बार–बार और बार–बार और बार–बार और बार–बार, वो हर एक छोटी से छोटी चीज को, जिसे वह देख सकता है, इससे पहले कि वो सजा को सुनाए। क्योंकि उसके हाथों पर एक मनुष्य का लहू होता है, वहां पर इसका न्याय करने के लिए कुछ तो होना चाहिए। समझे?

168 हमारे बारे में क्या है, जब हम देखते हैं कि यह पूरी तरह से पहचाना गया है, कि, "वो कल, आज और युगानुयुग एक सा है"? वो यहाँ पर है। वो हमारे हाथों में है। वो हमारे हाथों में है। वह आपके हाथों में है! आप उसके साथ क्या करने जा रहे हैं? "मैं इस यीशु के साथ क्या करूं जो अभिषिक्त मसीह है? "

"ये क्या करता है? आप इसे कैसे जानते हैं कि ये वो ही है? "

इस दिन की प्रतिज्ञा, जिस दिन में हम रह रहे हैं, वहां इस के लिए बहुत से वचन बताते हैं, इसलिए इसमें के बहुत से इन भागो को पूरा होना

है, इस अंतिम दिन का अंतिम भाग को। *यहां* कुछ तो बातें निर्धारित की गई हैं, और इसे होना चाहिए, ये यहाँ पर है। यह क्या है? वही अभिषिक्त मसीहा, अभिषिक्त वचन! आप इसके साथ क्या करने जा रहे हैं? क्या आप इसे संस्था को बेचने जा रहे हैं?

169 अब पिलातुस ने क्या किया? पीलातुस ने अपने हाथों से उसे धोने की कोशिश की, यह कहते हुए... पहला काम जो पीलातुस ने किया था, उसने अपने साफ़ करने की कोशिश की हाथों को धोकर, यह कहकर, "ओह, वो सही है। वो पूरी तरह से ठीक है।" देखा?

170 आप कहते हैं, "ओह, बेचारा पीलातुस।" पीलातुस, क्या उनमें से बहुत उसे सही ठहराते हैं? नहीं, नहीं, नहीं! वो उसके हाथों में था। उसने संदेश को सुना था, उसने वचन को देखा था, और वह उसके हाथों में था। और वैसे ही वो आपके हाथों में है। ये सही है।

उसने क्या किया? उन्होंने कहने की कोशिश की, "ओह, ठीक है, वो एक भला मनुष्य है। मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता हूं।"

171 यदि ऐसा नहीं है, तो—तो—तो आज बहुतों के पास जवाब है! "ओह, वचन में कुछ भी गलत नहीं है। मुझे लगता है कि यह ठीक है। बाइबल बिल्कुल सही है, लेकिन हम कलीसिया पर विश्वास करते है। हमारा संप्रदाय इसके साथ सहमत नहीं है।" समझे? देखा? कुछ वर्ग के लोग उससे अपने हाथ धोने की कोशिश करता है।

"मैं वचन में कोई दोष नहीं पाता हूं। यह प्रेरितों के लिए उनके दिन के लिए ठीक था, लेकिन हम दुसरे दिन में रहते हैं। हम प्रेरितों के दिन में नहीं जीते हैं, सो इसलिए मुझे ऐसा नहीं करना है जैसे प्रेरितों ने किया था। मुझे उस तरह से बपतिस्मा नहीं करना है जिस तरह से उन्होंने लिया था; मैं दुसरे दिन में रहता हूँ। मेरे पास वे चीजें नहीं हैं, जो उनके पास थीं; मैं दुसरे दिन में रहता हूँ। पवित्र आत्मा केवल उस झुण्ड के लिए ही दिया गया था।"

172 इब्रानियों 13: 8 ने उसे फिर से आपके हाथों में वापस रख देता है। [भाई ब्रंहम तीन बार पुलपिट पर थपथपाते है—सम्पा।] भागना नहीं है! वो पूरी तरह से प्रमाणित हुआ है, "वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है।" आपके पास कोई बचना नहीं है। आप उससे लाँघ कर किसी और युग में नहीं जा सकते। इब्रानियों 13:8 आपके विचारो को दोषी ठहराता है,

और ठीक आपके हाथो में फिर से उसे रख देता है। सो यीशु आपके हाथों में है, जैसे कि पीलातुस के हाथो में था।

देखो। आप कहते हैं, "लेकिन मैं नहीं जानता।" ठीक है, तुम किस के लिए सुन रहे हो?

173 पिलातुस एक पागान (मूर्तिपूजक) था। उसकी पत्नी एक पागान (मूर्तिपूजक) थी। लेकिन परमेश्वर, इसे धर्मी ठहराने के लिए, उस महिला को वहां भेजा और कहा, "तुम्हारे पास कुछ भी नहीं है जिससे कि तुम इस घर्मी व्यक्ति के साथ कुछ करो।" उसने कहा, "मुझे इस दिन को सहन करना पड़ा।" क्रम से, सुबह थी, रात हो गई थी। और एक चौबीस घंटे को एक दिन माना जाता है। "मैं आज रात को कुछ स्वप्न से गुजरी हूं, उस धर्मी मनुष्य के लिए तुम्हारे पास कुछ भी नहीं है, जिससे कि तुम व्यक्ति के साथ कुछ करो।"

174 अब उसने कहा, "ठीक है, तो फिर, यदि ऐसा है, तो मैं उसे अपने हाथों से धो दूंगा।" लेकिन वह ऐसा नहीं कर सका।

न तो आप कर सकते हैं। एक बार सत्य को सुनने के बाद, आपको इसे स्वीकार करना होगा या अस्वीकार करना होगा। कोई रास्ता नहीं... हाँ, श्रीमान, आपको इसे करना होगा। प्रभु की चेतावनीयां!

175 यहूदियों ने चिल्लाकर कहा, "उसका लहू हम पर होने दो; क्योंकि हम हमारे याजको पर, हमारे संप्रदाय के सिद्धांत पर विश्वास करेंगे, इससे पहले कि हम उस पर विश्वास करें।"

आप यहां हो। आज वर्गों को देखा? लेकिन सभी को परमेश्वर के सवाल का सामना करना ही होगा। आपको यह सब करना ही है, किसी भी तरह, पागान (मूर्तिपूजक) या आप जो भी हो सकते हैं। अविश्वासी, मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, गुनगुने, ठंडे, गर्म, और जो कुछ भी आप हो सकते हैं, आपको बिल्कुल उसी तरह से सवाल का सामना करना पड़ेगा। आप चाहे हैं या ना चाहे, यह आपके हाथों में है। बिल्कुल ऐसा ही है।

176 फिर ऐसे लोग हैं जो इस सवाल से बचने के लिए पिलातुस की अन्य योजना को आजमाते हैं, उसे किसी अन्य केसर के पास भेजते हैं। देखा?

पीलातुस ने कहा, "अब एक मिनट रुकना। मैं—मैं—मैं—मैं इसके साथ कुछ लेना–देना नहीं रखना चाहता। मैं—मैं—मैं—मैं... वो एक धर्मी

मनुष्य है। मैं—मैं इसके साथ कुछ लेना–देना नहीं रखना चाहता। ओह, मैं विश्वास करता हूं कि मैंने जो सुना है। मैंने कभी उसे चमत्कार करते हुए नहीं देखा है, लेकिन उसके लिए बहुत सारे गवाह हैं। मैं—मैं—मैं विश्वास करता हूं कि वो एक धर्मी मनुष्य है। वह एक भला पुरुष है, देखो, लेकिन—लेकिन मैं—मैं अपने लिए इसके साथ कुछ लेना–देना नहीं रखना चाहता। मैं—मैं—मैं केवल... मैं बस अपने हाथों को उससे धोता हूँ। मेरे लिए थोड़ा पानी लाओ। आप सब मेरे यहाँ गवाह दो।" हाँ। लेकिन परमेश्वर भी गवाही को दे रहा था। वह उसके हाथों में था।

177 और वैसे ही वो आपके हाथों में है। देखें, आप, आप जानते हैं कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूं। समझे? न केवल आप, बल्कि यह टेप। वो आपके हाथों में है आप उसके साथ क्या करने जा रहे हैं, इस यीशु का जो मसीह कहलाता है? मसीह एक अभिषिक्त शब्द है। देखा? आप इसके साथ क्या करने जा रहे हैं? ये इस घडी का संदेश है। वो दिन यहाँ पर है, जो पूरी तरह से बाइबिल और परमेश्वर के द्वारा साबित हुआ है। आप इसके साथ क्या करने जा रहे हैं? अब आप इस सवाल से कैसे बचेंगे? आप इसके साथ कैसे बच निकालेंगे? वह आपके हाथों में है! और ओसवाल्ड का मामला आपके लिए एक मामूली सी बात होगी, भले ही सेवक या आप जो भी होने दो।

178 वे यहूदी याजक थे, और रब्बी, शिक्षक, पवित्र मनुष्य; लेकिन वो उसी तरह से उनके हाथों में था। वो वचन था, जो उस दिन के लिए परमेश्वर का सवाल था, और वे इसे देखने में विफल रहे। केवल चुने हुओ ने इसे देखा, वे जिन्होंने इसे विश्वास किया था।

179 अब सभी को इस सवाल का सामना करना ही होगा। हर युग में, हर बार ऐसा ही रहा है। हवा और आदम के युग से होते हुए, आगे नूह के युग से होते हुए, आगे दानिय्येल और बेलशस्सर और नबूकदनेस्सर के समय में, आगे मसीह के समय में, आगे इस घडी में जिसमें हम रह रहे हैं, यह उसी तरह से रहा है, वचन का सवाल सामने आया है। ना ही उनकी संस्था, या संप्रदाय नहीं, संस्थाए नहीं, लेकिन, वचन का सवाल उन बातों के विरोध रहा है। सो, अब, यह अब हाथों में है।

180 फिर जो लोग पीलातुस की दूसरी योजना को आजमाते हैं, उससे पीछा छुडाने के लिए, उसे किसी और पर डालने के द्वारा। पीलातुस ने कहा,

"अब, आप जानते हो क्या? मैं बस उससे अपने हाथ को निकाल दूंगा। मैं बस उससे इस पानी से अपने हाथ को धो लूँगा। सो मैं बस... मुझे उसके साथ कुछ तो करना है। सो मैं क्या करूंगा? मैं उसे बिशप के पास, उस मुख्यालय में भेज दूंगा।" हूं–हूंह। जी हाँ।

यही है जो आज वे करने की कोशिश करते हैं। समझे? उन्होंने उसे एक कैसर के पास भेजा। इससे वो पीलातुस के हाथ से नहीं छुट गया, वो किसी के हाथो से भी नहीं छुटा। इसने क्या किया? इसने उस पर पलटवार किया। यह व्यक्तिगत के लिए वापस आता है।

181 आप कहते हैं, "ठीक है, मैं करूँगा, मैं ऐसा करूँगा। मैं इसे स्वीकार करूँगा, यदि मेरी संप्रदाय इसे स्वीकार कर लेगी।"

आपकी संप्रदाय कलीसिया परिषद में है, जो दोषी है! वे भला इसे कैसे ग्रहण करेंगे? यह ठीक वापस तुम पर पलटवार करता है। यह ऐसा नहीं है कि आपकी संप्रदाय क्या कहती है; यह ऐसा है, कि तुम क्या कहते हो? उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया है; अब आप इसके साथ क्या करने जा रहे हैं? यह वो अगली चीज बात है। समझे? इससे वो आपके हाथ से छुट नहीं जायेगा।

वह पूरी तरह से प्रमाणित हुआ है। वह पूरी तरह से पहचाना गया है, जो इस समय का वचन है, इस समय की प्रतिज्ञा है। लूथर के समय की प्रतिज्ञा नहीं; ये उस समय के लिए था, ये सुधारक के युग में का वो वचन था। जैसा कि, आप सभी ने सात मोहरों के बारे में सुना है, जब सुधारकों के युग निकल गए, वो पशु के चेहरे जैसा मनुष्य (संगठन) जारी किया गया था; लेकिन यह उकाब का चेहरा है, जो पशु आज की चुनौती देने के लिए गया था।

182 और यह कहने की हिम्मत कौन करेगा कि वह परमेश्वर का प्रेरित वचन नहीं था, जब उसने इसे यहाँ पहले ही बताया, और उस ओर एरिज़ोना में भेजा और इसे ठीक यहाँ वापस लाया, यहाँ तक यह विज्ञान और बाकी सभी चीजों के भी साथ, और उसी प्रकार साबित भी हुआ! ***यह*** किताब पहले से ही खुली हुई है, यह सही बात है, बस सातवी मोहर का इंतजार है, मसीह के आगमन की पहचान हो जाये।

183 तो ठीक है, वो तुम्हारे हाथ में है। आपको उसके साथ कुछ तो करना है। उससे पीछे मत हटो। जी हाँ, श्रीमान। इस श्रेणी में, मैं कहना चाहूंगा, "उसे किसी और पर मत डालो।"

"यदि मेरा संप्रदाय इसे स्वीकार करता है, भाई ब्रंहम, मैं—मैं इसे स्वीकार करूंगा। लेकिन, आप देखो, मेरी माँ इस कलीसिया से संबंधित थी।" वो अपने युग में रही थी; वह आप नहीं है। ये अब तुम हो। देखो उससे क्या बाहर आना था, उसे क्या होना था। तुम्हारे बारे क्या है? तो ठीक है।

184 देखो। आप कहते हैं, "मेरी माँ एक पेंटीकोस्टल थी। उसने *ऐसा–वैसा* किया था। वह संगठन से बाहर आयी।" लेकिन मैं अब आपसे बात करना चाह रहा हूं। तुम्हारे बारे में क्या है? समझे?

इस श्रेणी में, हम कई शिक्षित लोगो को देखते हैं। अब, मैं जानता हूं कि मैं यहाँ भावनाओं को ठेस पहुँचाने जा रहा हूँ, लेकिन मैं इसे जानबूझकर नहीं कर रहा हूँ। यदि मैं करता हूं, तो मुझे—मुझे वेदी पर होना चाहिए, पश्चाताप करते हुए। मैं इसे ईश्वरीय प्रेम में कह रहा हूं।

185 यीशु, जब वो वहाँ पर खड़ा था, और वो फरीसी; कहना था, "तुम, तुम्हारे पिता शैतान से हो; तुम उसके कामो को करते हैं।" फिर भी उसे क्रूस पर शांति और उनके लिए दया के लिए कहा, जिसने उसे क्रूस पर चढ़ाया। देखो, वो उनके ऊपर क्रोधीत नहीं था। उसने कहा, "तुम सर्प के वंश हो।" देखा? समझे? हर एक चीज, उसने उन्हें एक चीज से बहिष्कृत किया, जो वह कर सकता था, देखो, और फिर उनके लिए क्रूस पर प्रार्थना की। देखा? ये ऐसा नहीं था जिसे वो करना चाहता था; ये ऐसा नहीं था, लेकिन उन्हें गलती को देखना था जिसे वे कर रहे थे।

186 और मैं आज यही बात को कह रहा हूं, इस श्रेणी के लोग, "किसी और के गले पर थमाते हुए," या ऐसा ही कुछ सेना में हम ऐसा कहते हैं, "किसी और के गले पर थमाते हुए," हम इसे किसी और पर डालने की कोशिश कर रहे हैं, जैसे आदम और हव्वा ने किया।

हव्वा ने कोशिश की। आदम ने कहा, "वो स्त्री जिसे आपने मुझे दिया," और उसके लिए यह कोई बहाना नहीं था। देखा? स्त्री ने कहा, "सर्प ने मुझे गुमराह किया। वह... वही वो एक था जो मेरे साथ यौन संबंध रखता था। उसने मुझे बहकाया। उसी ने *ऐसा* किया।" इस बात ने इसे बिल्कुल

भी दूर नहीं रखा। उन्हें ठीक न्याय के लिए जाना पड़ा, वैसे ही। जी हाँ, श्रीमान। तो ठीक है।

187 वे इसे दुसरे पर नहीं छोड़ सकते, एक... यह नहीं कह सकते, "यदि मेरा संप्रदाय इसे विश्वास करेगा, मैं—मैं भी करता हूँ। लेकिन, मैं इस संप्रदाय में रहा हूं।" इसके साथ इसका कोई लेना–देना नहीं है। यहूदियों के पास भी यही बात थी, वैसे ही तुम करते हो।

188 और, ध्यान दें, इसमें कई, हम इस श्रेणी में भले संस्कृति पाए मनुष्यो को पाते हैं। अब जरा ध्यान से सुनना।

देखो, संस्कृति, जिसे हम आज संस्कृति कहते हैं, ये वही है जो शैतान ने हवा के लिए उत्पन्न किया, थोडे से ज्ञान को। कहा, "तुम्हारी आँखें खुली नहीं हैं, जिससे तुम इस को नहीं समझती हो।" वह वचन को जानती थी, और ऐसा ही सब था। उसने परमेश्वर के उस वचन का प्रमाणित होते हुए देखा, और इससे सही होना चाहिए था। उसने उसे अनन्त जीवन में बनाए रखा, जब तक वह उस वचन के साथ बनी रही थी। जब उसने उस वचन को तोड़ा, उसके पास परमेश्वर की प्रतिज्ञा थी कि वह उसी दिन मर जाएगी जिस वचन को उसने तोड़ा था। और, जब उसने इसे तोड़ दिया, वह मर गई। ये सही बात है।

189 हमारे पास यहाँ परमेश्वर का प्रमाणित वचन है, आत्मा के द्वारा प्रमाणित होता हुआ, सिद्ध होता हुआ, जिसे हमने प्राप्त किया है और हमें पवित्र आत्मा का बपतिस्मा देता है। हमने यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा लिया हैं। वही सुसमाचार, वही चिन्ह, वही अद्भुत कार्य, वही सेवकाई, यहाँ तक कि वही अग्नि का स्तंभ जो हमारे सामने दिखाई देता हैं, चिन्ह और अद्भुत कार्यो को दिखाते हुए। वहां कोई बहाना नहीं है, कहीं भी नहीं।

और यह ठीक उसी तरह, जैसा कि बाइबल ने कहा था कि अंतिम दिनों में यह बात जगह लेगी, और मलाकी 4 से एक पुकार करेगा, "बच्चों के विश्वास को फिर से अपने पिता की ओर वापस फेरेगा।" और ठीक इसके बाद, दुष्ट चलेगा... या धर्मी दुष्टों की राख पर चलेगा; सारे संसार को जला दिया जायेगा। और उस ओर परमाणु ऊपर लटक रहे हैं, और बम अपने स्थानो में रखे हुए है।

190 आप देख रहे हैं कि जर्मनी ने क्या किया था जैसे ही उन्होंने देखा कि राष्ट्र... राष्ट्रपति की हत्या हो गई थी? उन्होंने अपनी सेना को बहुत ही जल्दी

तैयार कर दिया, क्योंकि यही एकमात्र चीज थी जो रूस को बमबारी से रोक रही थी। और उन्होंने प्रहार... कैनेडी ने उनके लिए तभी सन्देश को भेजा, कि, जिस घडी वे ऐसा करते हैं, तो वो उन्हें जर्मनी से बाहर धरती पर से साफ़ कर देगा। समझे? और उन्होंने सोचा कि वे इसे कब्ज़ा कर सकते हैं, लेकिन देखो, अब तक ये घडी नहीं आयी है। समझे?

191 हम देखते है चतुर, शिक्षित प्रचारक, सुसमाचारक, इसे किसी और पर डालने की कोशिश कर रहे हैं। देखा?

क्यों, क्यों पिलातुस ने ऐसा नहीं कहा, "ठीक है, एक मिनट रुकना, यह व्यक्ति... मेरी इस बात पर पत्नी ने मुझे बताया है, और मैंने इसकी बहुत सी गवाहीयों को सुना है। तुम जानते हो, मैं रुची रखता हूं। मैं इसे जानना चाहता हूं। मैं अनंत जीवन के होने के लिए क्या कर सकता हूं? तुम मेरे हाथों में हो। मैं क्या कर सकता हूँ? " ठीक है, वो कहता—वो कहता... उसने कहा, "क्या—क्या तुम मसीहा हैं? क्या—क्या तुम वो—वो यहूदियों के राजा हैं? "

192 उसने कहा, "यही है तुमने जो कहा है। तुमने कह दिया।"

"या, हमें बताओ, वास्तव में, क्या तुम यहूदियों के राजा हो? "

उसने कहा, "उस अंत में, मैंने जन्म लिया था।"

उसने कहा, "मैं इसमें कोई दोष नहीं पा सकता हूं।" ऊंह–हह। "ठीक है, मैं उससे अपने हाथों को धो दूंगा।"

193 उसने उसे उत्तर दिया, लेकिन वह उसे ग्रहण नहीं कर सका। क्यों? इससे उसकी प्रतिष्ठा कम होगी। इसलिए उसने सोचा कि वो राज्य के पुरोहित के पास भेज देगा, और देखेंगे कि वो इसके बारे में क्या करता है। देखा?

194 अब भी वही बात है, सवाल फिर से सामने आता है। आप इसके साथ क्या करेंगे, जो वचन है? आपको क्या करना है, पुरोहित से पूछें, या बिशप से, या किसी और से, यदि आप अपने बपतिस्मा के उद्देश्य को बदल सकते हैं, यदि आप *ऐसा* कर सकते हैं, या वैसा कर सकते हैं? आप *ऐसा* देखते हैं, और, "निश्चित रूप से, आप नहीं करते हैं।" आप ठीक वापस अपनी ओर डाल देते है। यदि आप करते हैं, तो आपको बाहर निकाल दिया जाएगा। समझे?

195 इससे लोगों की प्रतिष्ठा कम हो जाएगी। हाँ, वे सोचते हैं... और संप्रदायीय परिषद नहीं खडे होगे... जैसे—जैसे पिलातुस ने इसे केसर के ऊपर डाल दिया; वे इसके लिए खड़े नहीं होंगे। केसर ने इसे वापस पिलातुस के हाथ में रख दिया। इसलिए वे अपने—अपने संप्रदाय के प्रमुखों के ऊपर डालने की कोशिश करते हैं, और यह काम नहीं करता है। इस चालाकी ने कभी काम नहीं किया, और ये काम नहीं करेगा। इसने पिलातुस के लिए काम नहीं किया; यह आपके लिए काम नहीं करेगा; इसने किसी और के लिए काम नहीं करेगा। अब, दूसरी बात, आप जो बात कर सकते हैं वह है...

196 तीसरी बात, मेरा मतलब, उसे स्वीकार करना या उसे अस्वीकार करना है। आप उससे अपने हाथों को नहीं धो सकते। आप उसे किसी अन्य सिद्धांत, या किसी अन्य चीज़ पर नहीं डाल सकते। आपको सवाल का सामना करना पड़ेगा। तो आप क्या कर सकते हैं?

पिलातुस की तरह, वो उसी बात के साथ खड़ा था, उसने कहा, "मुझे कुछ पानी लाकर दो, मैं इससे अपने हाथों से धोता हूँ, साबित करने के लिए!" जब वो वापस लौटा, तो उसने अभी भी न्याय को किसी पर डालना था; उसे क्षमा नहीं किया। उसने यह कहने की कोशिश की, "ठीक है, यदि मैं उसे अपने हाथों से नहीं निकाल सकता, तो मैं उसे केसर के हाथों में रख दूंगा।"

197 यह आपको एक व्यक्तिगत रूप में भी दिखाई देता है। आप क्या करने जा रहे हो? ना ही माँ ने क्या किया, पापा ने क्या किया, पास्टर क्या करता है, भाई ब्रंहम क्या करते है, किसी ने क्या किया; यह *आपके* हाथों में है! आप इसके बारे में क्या करने जा रहे हैं, इस यीशु के साथ जो मसीह कहलाता है? क्योंकि, आपके अपने हाथों में लहू है, और ये परमेश्वर का लहू है। अब आप क्या करने जा रहे हो? क्रूस पर चढाने का दोषी होना। समझे?

198 आप उसे क्रूस पर चढ़ा सकते हैं, अपने संप्रदाय को स्वीकार कर सकते हैं या जो कुछ भी आप करना चाहते हैं, या आप कह सकते हैं, "ठीक है, मैं बस इसे आगे पर डाल देता हूं। मुझे इस कलीसिया के किसी भी बातों से कोई लेना–देना नहीं है।" आप ऐसा नहीं कर सकते। वह आपके हाथों में है। ये सही बात है। आप ऐसा नहीं कर सकते। "मैं अब पूरी बात को

भूल जाऊंगा।" आप ऐसा नहीं कर सकते। यह अब भी आपके हाथों में है। "ठीक है, मैं बस कहूंगा, 'मेरे पास्टर ने मुझे *ऐसा* सिखाया है।'" यह ठीक आप पर पलटवार होगा। ये आप के लिए है। आप जानते हैं। अब, आप या तो उसे ग्रहण कर सकते हैं या तो आप उसे अस्वीकार कर सकते हैं, आप बस जिस तरह से इसे करना चाहते हैं। क्या? यह उनमें से एक को आना है।

199 अब क्या? जैसा यीशु ने इन फरीसियों से कहा, उसने कहा, "जैसा कि तुम अंधे फरीसी हो," देखिए, आज इसी बात को कौन कहेगा, "तुम अंधे धार्मिक शिक्षकों, तुम साम्यवाद के समय को समझ सकते हो। तुम इतना इससे लड़ते हो, और यह जानते हो कि परमेश्वर ने उसी चीज की ऊपर उठाया है, ताकि तुम्हे नष्ट करे," देखें, वचनों को नहीं जानते हुए। देखा? "तुम, तुम समझ सकते हो कि साम्यवाद संसार को लेने जा रहा है। तुम यह देख सकते हो। तुम इसे समझ सकते हो।"

200 हमारा सारा विषय साम्यवाद पर है। "साम्यवाद को मार भगाओ!" मैं इसे तब तक सुनता हूं, जब तक मैं इसे सुनकर तंग नहीं हो जाता। मैं भी इसके विरोध में हूं, निश्चित रूप से, मैं इसके विरोध में हूं। लेकिन मैं उन पुरुष या महिला के अधिक विरोध में हूं जो यीशु मसीह, वचन को अस्वीकार करते है। या, चाहे आप एक प्रचारक हों या आप जो भी हों, आप उस साम्यवाद की तुलना में मसीह के लिए अधिक दोषी हैं। वो अनजान है और इसके बारे में कुछ नहीं जानता है। आपको जानना चाहिए। समझे? आप साम्यवाद के समय को समझ सकते हैं, लेकिन आप उस दिन के चिन्ह को नहीं समझ सकते हैं, जिस दिन में आप रह रहे हैं।

201 यीशु ने उन फरीसियों से कहा, "तुम ढोंगी हो!" कहा, "तुम बाहर जाकर और आकाश की ओर देखते हो, और कहते हो कि सूरज लाल है और धुमला हो रहा है, तो कल गलत होगा, यदि आकाश खुला रहता है तो," कहा "तुम कहते हो कि कल एक खुला दिन होगा।" कहा, "तुम समय के चिन्हों को समझ सकते हो, या आकाश के चिन्हों और मौसम को, लेकिन उस समय के चिन्ह को तुम नहीं जानते।" वहाँ वह मसीहा था, और इसे अस्वीकार कर रहे थे।

और हम हमेशा ही साम्यवाद और इनमें के कुछ अन्य चीजो के बारे में बात करते हैं, लेकिन, जो समय का चिन्ह है, हम इसे नहीं पकडते हैं।

देखा? हम इस बात को नजरअंदाज कर देते हैं अनदेखा करते है। ठीक अभी अविश्वास में एक साथ एकजुट हो रहे हैं, और वे इसे ग्रहण करते हैं, लेकिन उस समय के चिन्ह को समझने और देखने में विफल होते हैं जो बाइबल ने कहा था कि ऐसा होगा।

क्या आपने इसे समझा? [सभा कहती हैं, "आमीन।"—सम्पा।] अब बहुत ही जल्द बंद करना होगा। देर हो रही है, देखें।

202 जैसा उनके पिता ने किया था, वे वैसा ही आज भी करते हैं। अब, निर्णय के लिए पहुँच गया। इसे पहुँचना होगा, आपको किसी तरह से इस तक पहुँचना होगा। समझे? फिर से वचन का क्रूस पर चढ़ाना जाना, या आप क्या करने जा रहे हैं? वचन का क्रूस पर चढ़ाना जाना नजदीक है। वचन का क्रूस पर चढाकर और प्रमाणित वचन को रोकना, संप्रदाय के लिए, जैसे कि पीलातुस ने किया, जो किसी के ऊपर डालने की कोशिश कर रहा था। अब आप एक व्यक्तिगत के रूप में क्या करेंगे, उस अभिषिक्त वचन के साथ जो मसीह कहलाता है?

वही जो कल था, वही मसीह जिसने नुह के दिनों में वचन को अभिषिक्त किया। वही मसीह वो—वो वृक्ष जो अदन के बगीचे में था; जिसे हव्वा ने छोड़ दिया, उस जीवन के वृक्ष को खाना छोड़ दिया ताकि ज्ञान के वृक्ष को ले; आदम और हवा ने जीवन वृक्ष छोड़ दिया ताकि मृत्यु के वृक्ष को लेने के ले। नूह के समय ने भी यही काम किया। नबियों के दिनों में भी उन्होंने यही काम किया। मसीह के दिनों में, उन्होंने वही काम किया।

और आज वे यहाँ पर हैं। क्योंकि हर एक जन अपने समय के बारे में बोलता है, और, जब वह बात पूरी हो हुई थीं, तो हर बार उन्होंने अपना कारण संस्था को लिया, और इत्यादि, और मसीह के अभिषिक्त वचन के बजाय संसार के ज्ञान को लिया। एक व्यक्तिगत के रूप में आप क्या करेंगे?

203 पिलातुस के अपने हाथों से वो कभी नहीं छुटा। मैं—मैं बंद कर रहा हूँ, सो बस कुछ क्षण के लिए शांत रहे। पिलातुस के अपने हाथों से वो कभी नहीं छुटा। न ही आप उस तरह से करेंगे जैसा उसने किया, ना इन योजनाओं में से कोशिश करेंगे। उसने कभी भी नहीं किया। आप जानते है कि पिलातुस का क्या हुआ था? उसने अपने दिमाग को खो दिया। यह पूरी तरह से इतना अधिक हो गया था कि वह सूली पर चढ़ाने को सुन

सकता था। वह पूरी तरह से एक रोष को सुन सकता था, कि आखिरकार वह पागल हो गया।

204 और उन्हें नॉर्वे में एक पौराणिक तरीका मिला, या नहीं... मुझे क्षमा करना। वहां स्विट्जरलैंड में; जहाँ, मैं वहाँ गया था, वो एक मिशनरी थी। उनका दावा है कि गुड फ्राइडे के दिन संसार भर से हजारों लोग वहां इकट्ठा होते हैं; एक पानी का एक खड्डा है, जहां पिलातुस ने आत्महत्या की थी। उसने अतत: पानी के इस खड्डे में खुद को मौत के घाट उतार दिया। और वे दावा करते हैं कि प्रत्येक गुड फ्राइडे, दोपहर तीन बजे, पानी नीले रंग में बदल जाता है, यह उबलने लगता है जहां पर पिलातुस का शरीर पड़ा हुआ है। उसने इसे अस्वीकार किया। उसके हाथों में अभी भी लहू है। और उसने अस्वीकार किया, उसने इनकार किया; पानी को।

आप उससे अपने हाथों को नहीं धो सकते। वहां कोई पानी नहीं है, कोई साफ़ करने वाला साबुन नहीं है, जो इसे साफ कर सकता है। वो आपके हाथ में है। आप उसके साथ क्या करेंगे?

205 यहाँ केवल एक चीज है जो आप कर सकते हैं। यदि आप उससे आपके हाथ धो नहीं सकते है तो; आप उसे किसी और पर डाल नहीं दे सकते है; आप बस काल्पनिक रूप से इससे छोड़ कर नहीं निकल सकते। संसार में कोई भी रास्ता नहीं है। केवल एक ही चीज आप कर सकते हैं इसे अपने ह्रदय में स्वीकार करना हैं। यही उससे छुटकारा पाने का तरीका है, उसे अपने हाथों से निकालकर और उसे अपने ह्रदय में रखो, या उसे अपने हाथों पर ही रहने दे और न्याय के लिए खडे रहे। यही केवल एक चीज है जो आप कर सकते हैं।

पिलातुस का अंत भयानक था।

206 वचन कहता है कि ये जो उसे अपने हाथों पर रखते हैं... मैं इसे पढ़ने वाला था। लेकिन यह कहा, "उन्होंने चट्टानों और पहाड़ों के निमित पुकारा। उन्होंने प्रार्थना की, लेकिन उनकी प्रार्थना में बहुत देर हो हुई थी।" समझे? वे चिल्ला उठे, "हमें उसके मुख से छिपा ले, जो सिंहासन पर बैठा है, और मेम्ने के प्रकोप से छिपा ले, वह मेढ़ो के लिए है, वो मेमने का जीवन, जो आया है। क्योंकि उन के प्रकोप का भयानक दिन आ पहुंचा है, अब कौन ठहर सकता है? "

207 आप क्या सोचते है कि ओसवाल्ड का अब क्या होने जा रहा है, जब वह सर्वोच्च न्यायालय के सामने चलकर जायेगा, और उन गुस्से वाली न्यायपीठ की आँखों को देखता है और वे सभी जो वहाँ बैठे होंगे? वह जानता है कि क्या होने जा रहा है। ये या तो गैस चैंबर होगा, या वहां एक रस्सी लटक रही होगी, या कुछ और ही। उसे इसका सामना करना होगा।

208 लेकिन क्या होगा यदि आप अपने हाथों पर खून के साथ वहां से निकल जाएं, अस्वीकार करने का? और जानते हो कि नरक आपके सामने है, अनन्त विनाश; चट्टानों और पहाड़ों के लिए पुकारना; लेकिन प्रार्थना करते है, प्रार्थना के लिए बहुत देर हो चुकी थी।

इब्रानियों 10 में, "यदि हम इच्छा से पाप करते हैं।" *पाप* "अविश्वास" है। "यदि हम अविश्वास करते हैं, हमारे सत्य, सत्य के ज्ञान को जानने के बाद।" आपको इसे ग्रहण नहीं करना है। इसके बारे में बस जानना है। आपके पास ये होने के लिए होना नहीं है, आप बस... ओह, नहीं, नहीं। देखा? "हमारे सत्य को ग्रहण करने के बाद।"

> *... क्योंकि सचाई की पहिचान प्राप्त करने के बाद यदि... हम जान बूझ कर पाप करते रहें, तो पापों के लिये फिर कोई बलिदान बाकी नहीं,*
>
> *हां, दण्ड का एक भयानक बाट जोहना... और आग का ज्वलन बाकी है... जो* विरोधियों *को भस्म कर देगा,*
>
> ... क्योंकि परमेश्वर ने कहा, *पलटा लेना और बदला देना* मेरा ही *काम है, यहोवा यों कहता—कहता है।*

209 यदि हम इच्छा से अविश्वास करते हैं, सत्य को हमारे सामने रखे जाने के बाद, और फिर कोई दया नहीं होगी। अब और दया नहीं की जाएगी।

पास्टर, इस टेप को सुन रहे है, इसके बारे में क्या है? कलीसिया के सदस्य, इस टेप को सुन रहे है, इसके बारे में क्या है? आप क्या करने जा रहे हैं, यदि हम इसे इच्छा से अविश्वास करते हैं? आप इससे अपने हाथों को नहीं धो सकते आप इसे मुख्यालय पर नहीं डाल सकते। यह आपके ऊपर वापस आ जायेगा, ठीक आपके पास वापस आ जायेगा। आपने इसे सुना है। आपके बारे में क्या है? उस दिन पर आप कैसे खड़े होंगे?

वो या तो आपके हाथों में है या आपके ह्रदय में, दोनों में से एक। परमेश्वर हमारी सहायता करे।

210 यदि—यदि आप सिर्फ एक हत्या की कल्पना कर सकते हैं, और जो उस मनुष्य के ह्रदय में क्या चल रहा होगा। उसने क्या किया है? वह बहुत ही देर से जागा, जब वो इसे कर चूका था।

देखो, उसके पास मौका था। वह एक स्वतंत्र अमेरिकी जन्मा था। वो एक अमेरिकी था। लेकिन वो अपने जन्म अधिकार को बेचना चाहता था, ताकि एक रूसी बने, और इसकी उल्टी प्रतिकिया हुई। उसने एक रूसी लड़की से विवाह किया। अब वो क्यूबा के साम्यवाद पार्टी का एक स्वतंत्र विचारक हैं।

स्वतंत्र विचार करने वाला, "मैं अपनी सोच को खुद करता हूं।" आपके पास कोई विचार नहीं आते है। आप यीशु के साथ क्या करेंगे जो मसीह कहलाता है? आप कोई स्वतंत्र विचार करने वाले नहीं हैं। कोई स्वतंत्र विचार नहीं है। वो मन जो मसीह में था, वो आप में होने दो।

आइये प्रार्थना करे।

211 इन विचारों को सोचें, "यदि कोई स्तुती होनी है, यदि कोई सद्गुण होना है, तो इस पर सोचें।" आज सुबह हमारे बीच में, और इस टेप में, मैं भी बोल रहा हूं। यदि आप आज सुबह यहां उपस्थित हैं, और आप जानते हैं कि आप परमेश्वर के साथ सही नहीं हैं, और आप उसकी आत्मा से नहीं जन्मे हैं, और परमेश्वर ने...

आप कहते हैं, "ठीक है, मैंने एक अंगीकार को किया है।" ये वो नहीं है जिसके बारे में मैं बोल रहा हूं। क्या परमेश्वर ने इसे स्वीकार किया है? आप कह सकते हैं, "हां, मैंने, मैंने एक अंगीकार किया है, और इत्यादि। हां, मैं विश्वास करता हूं।" वही पिलातुस ने किया, "निश्चित रूप से मैंने अंगीकार किया, 'मैं इस धर्मी मनुष्य के साथ क्या करूं?'" आप इस तरह से उससे अपने हाथों को नहीं धो सकते है। नहीं, नहीं।

212 आप उसके साथ क्या करेंगे? यदि आप एक फिर से जन्म पाए मसीह नहीं हैं, पवित्र आत्मा के साथ जो आप में रहता है, अपना जीवन संपन्न कर रहे हैं, तो आप इसे अभी क्यों नहीं लेते हैं? आप इससे कभी भी हाथ नहीं धोयेंगे। आप इस संदेश के अंत को कभी नहीं सुनेगे। ये इसके जरिये बजेगा जब तक आप संदेश को अपने ह्रदय में नहीं लायेंगे, कि यीशु मसीह कल, आज और हमेशा के लिए एक ही है।

213 आज सुबह के उपस्थित श्रोतागण में, यहां वे लोग होंगे जो समझते है कि वे गलत हैं, और अपने हाथों को ऊपर उठाएंगे। हमारे पास एक वेदी की पुकार के लिए इतनी जगह नहीं है, जगह पूरी तरह से भरी हुई है। लेकिन सिर्फ इतना कहे, "मेरे लिए प्रार्थना करे, भाई ब्रंहम। परमेश्वर मेरी सहायता करें।" परमेश्वर आपको आशीष दे, मैं आपके हाथो को देख रहा हूं। "अब, यही है जो मैं चाहता हूं ठीक यहीं, मैं चाहता हूं, परमेश्वर के सामने, वो जानता है कि मैं दोषी हूं, और मैं समझता हूं कि मैं दोषी हूं। मैं—मैं उसे अपने हाथों पर नहीं चाहता हूँ; मैं उसे अपने ह्रदय में चाहता हूँ।" अपने हाथ को ऊपर उठाये, कहे, "मेरे लिए प्रार्थना करे, भाई ब्रंहम।" प्रभु आपको आशीष दें। मैं यहां लोगों की संख्या को देख रहा हूं, हो सकता है चालीस, पचास हाथ ऊपर उठे हुए हो।

आज बुला रहा है,
आज बुला रहा है

अब, इस पर सोचे, ये वो बुला रहा है। यीशु बुला रहा हैं। यह वही है जो आपसे बात कर रहा है।

214 क्या आपने अब तक पाप किया है, इतना तक आपका ह्रदय इतना कठोर हो जाता है, इतना तक आप यहाँ तक इसे अब और सुन भी नहीं सकते है? एक समय, एक छोटे लड़के या एक छोटी लड़की की नाई, आपने इसे सुना है। आपके पास इसे करने की इच्छा थी, लेकिन आपने इसे टाल दिया, और आप बस उन चीरने और फाड़ने से कठोर होते गये, कठोर होते गये। क्या यह इतनी दूर चले गये है कि आप इसे और नहीं सुन सकते? क्या आप वहां पर खड़े हैं जहाँ... आपके पास... उस स्थान पर जैसे आज सुबह ओसवाल्ड खडा है, जिसे आप जानते हैं? हूंह! आप किस तरह इसे कर सकते हैं?

क्या कोई एक और होगा इससे पहले हम बंद करे और मैं प्रार्थना को करूं? बस ईमारत में कहीं भी हो, जिसने कभी अपने हाथ नहीं उठाया हो, कहे, "भाई ब्रंहम, बस जब से आपने आखिरी शब्दों को कहा हैं, मैं—मैं ऐसा महसूस करता हूं।" कोई भी, जो बाहर है, गलियारों में, खिड़कियों के आसपास, कहीं भी, कोई फर्क नहीं पड़ता है। केवल...

215 परमेश्वर आपको आशीष दे, नौजवान महिला। श्रीमान, परमेश्वर आपको आशीष दे। आपने पकडा। वो... परमेश्वर आपको आशीष दे,

महिला। कोई और है? परमेश्वर आपको आशीष दे, महिला। परमेश्वर आपको आशीष दे, यहां पर। और परमेश्वर आपको आशीष दे, वहाँ पर, छोटा लड़का, छोटी लड़की। हाँ, प्रभु आपको आशीष दे। वहां पीछे, श्रीमान। जी हाँ।

अब जरा अभी इसके बारे में सोचे। मैं चाहता हूं कि आप ऐसा करें जब हम धीरे–धीरे इसे गाते हैं, *यीशु बुला रहा है*। अब मैं चाहता हूं कि आप केवल यह कहें, "हे प्रभु, मुझ पर दया करे, एक पापी, या दिखावा करने वाला। मैं एक कलीसिया का सदस्य हूं, प्रभु, लेकिन मैं—मैं आपको चाहता हूं। मैं आपको चाहता हूँ। मेरी सहायता करे! मैं—मैं आपकी सेवा करूंगा। मैं ठीक अभी इसकी प्रतिज्ञा करता हूं। मैंने अपना हाथ उठाया है, कि मैं आपको चाहता हूँ। अब आप मेरे हृदय को उठाये, कि मैं आपको ग्रहण करूं, और मैं आपको अपने हृदय में ग्रहण करूं।" जब हम इस पद को फिर से गाते हैं, तो क्या आप इसे करेंगे?

आज बुला रहा है,
आज बुला रहा है

216 अब आप अपने तरीके से प्रार्थना करें। अब प्रार्थना करे। "यीशु पुका... " ये वो बोल रहा है। यही वो कारण है कि आपने अपने हाथ को उठाया है।

... म्रता आज बुला रहा है।

यीशु बुला रहा है, उसकी आवाज़ को ध्यान दे;
उसकी सुनो...

ठीक अभी, उसे सुनो। कहे, "प्रभु, मैं दोषी हूं। आपका लहू मेरे हाथो पर है। मैं एक पापी हूँ। मैं इसे अब वहां पर और नहीं चाहता। मैं इसे नहीं धो सकता; मैंने इसे वर्षो तक आज़माया है। मैं आपसे मुड कर नहीं जाऊंगा जैसे पीलातुस ने किया, और आपको किसी और के पास भेजने की कोशिश की। मैं आपको चाहता हूँ। मेरे हृदय में अभी आये, प्रभु। मैं आपको ग्रहण करता हूं। मैं आपको ठीक मेरे सामने खड़ा देख रहा हूं, जैसे कि वहां पर एक छवि खड़ी है; विश्वास के द्वारा, मैं ठीक आपके पास चल कर आ रहा हूँ, यह जानते हुए कि आप मुझे क्षमा करेंगे। और मैं... आज के बाद से आप मेरे हृदय में होने जा रहे है।"

... आज (हर एक जन प्रार्थना करे)
यीशु बुला रहा है
वो नम्रता से आज बुला रहा है।

[भाई ब्रंहम गुनगुनाना आरंभ करते है *यीशु बुला रहा है*—सम्पा।]

217 स्वर्गीय पिता, छोटा सा संदेश समाप्त हो गया है। और अब, फैसला, आज सुबह अदालत निर्धारित की जाती हैं। दूत यहाँ कमरे में इकट्ठा हुए हैं। यहाँ वो महान पवित्र आत्मा प्रमाणों को दे रहा है कि यीशु अभी भी जीवित है। वह अनंत जीवन का झरना था। कब्र उसे रोक नहीं सकती थी, ना ही अधोलोक उसे रोक कर रख सकता था। वो ऊपर चढ़ गया; अधोलोक से निकल गया, कब्र से निकल गया। और वो आज हमारे बीच में खड़ा है।

और हमारी संस्था और संप्रदायों ने हमारे कई लोगों को बांध के रखा है, प्रभु। पाप ने उन्हें बांध के रखा है, लेकिन आज वे आजाद होना चाहते हैं। वे पिलातुस की तरह खड़े हैं, और किसी और पर उसे डालने की कोशिश करने के बजाय, उन्होंने अपने हाथ को उठाया है, "मेरे हृदय में आये, प्रभु यीशु। मैं आपको अब और मुझसे दूर नहीं करूँगा। मैं इसे नहीं कर सकता। आप अभी भी मेरे हाथों में हैं। मैं बस धोता रहा और धोता रहा, और आप नहीं आयेंगे, लेकिन अब मैं आपको ग्रहण करता हूं। मैं आपको अपने जीवन में चाहता हूं, और मैं आपको अपने जीवन में ग्रहण करता हूं। प्रभु, मुझे मेरे पापों की क्षमा करके, अपने राज्य में ग्रहण करे, और मुझे विश्वास दे ये भरोसा दिलाने के लिए कि आपने पिता मुझे स्वीकार किया है।" इसे प्रदान करे, यीशु मसीह के नाम के जरिये से, हम प्रार्थना करते हैं।

218 और अब जब आप हमारे सिर झुके हुए हैं। विश्वास, विश्वास के द्वारा... "और, परमेश्वर, आप मुझे ईमानदार बनने में सहायता करें। लेकिन यह जानते हुए कि आपने प्रतिज्ञा की है कि... "

"जो कोई मेरे पास आएगा, उसे मैं कभी न निकालूंगा। और मैं उसे अनन्त जीवन दूंगा, और मैं उसे अंतिम दिनों में खड़ा करूंगा। वो जो मनुष्यो से सामने मुझे स्वीकार करेगा, मैं अपने पिता और पवित्र दूतों के सामने स्वीकार करूंगा। वो जो सुनता है," संत यूहन्ना 5:24 का वास्तविक, सच्चा अनुवाद, वहां, "वह जो समझता है, जो मेरा वचन ग्रहण करता है। वो जो

मेरा वचन ग्रहण करता है, और उस पर विश्वास करता है उस पर जिसने मुझे भेजा है, उसके पास अनंत जीवन है, और उसे न्याय के लिए नहीं बुलाया जाएगा।" आप ओसवाल्ड की तरह न्याय के कटघरे में नहीं आएंगे। "लेकिन आप निकल चुके हैं," एक मुफ्त क्षमा के साथ, "मृत्यु से जीवन की ओर।"

219 "प्रभु, मैं नहीं जानता कि कैसे, मैं नहीं जानता कि क्यों, लेकिन—लेकिन मुझे विश्वास है कि ऐसा हुआ है। मैं यह अपने हृदय में विश्वास करता हूं, मेरा अविश्वास चला गया है। मैं स्वतंत्र रूप से 'आमीन' कह सकता हूं, प्रत्येक वचन के लिए जो आप कहते है, और मैं इसे ठीक अभी स्वीकार करता हूं। मैं विश्वास करता हूं।"

220 अब अपने सिर को झुकाकर। आप जो यह विश्वास करते हैं, जिन्होंने कुछ ही समय पहले अपने हाथो को उठाया था; और विश्वास के द्वारा आप वहाँ खड़े हुए मसीह की छवि देखते हैं, जिसे आप में होना चाहिए। अब आप विश्वास के द्वारा चलते हैं, विश्वास करते हैं कि आपके पाप क्षमा किए गए हैं। और आज के दिन के बाद से, आप मसीह बपतिस्मा के लिए तैयार हैं, और आप अब मसीह में चलने के लिए तैयार हैं। क्या आप उसकी गवाही के रूप में करेंगे, अपने हाथों को वापस उठाये, कहे, "विश्वास के द्वारा मैं इसे अपने पूरे हृदय से भरोसा करता हूं"? परमेश्वर आपको आशीष दे। ये अच्छा है। "मैं अब इसे स्वीकार करता हूं। मैं—मैं स्वीकार करता हूं; मैं कुछ नहीं कर सकता।" परमेश्वर आपको आशीष दे। जैसे दिखाई देता है कि हर एक जन को देख रहा हूं। "अब मैं स्वीकार करता हूं।"

221 देखो, आप अच्छे नहीं हो, आप कभी भी अच्छे नहीं थे, आप अच्छे नहीं हो सकते, लेकिन यीशु अच्छे लोग नहीं है उनके लिए मरा। "मेरे पास होने के लिए क्या करना है, भाई ब्रंहम?" बस उसने जो किया, उसे स्वीकार करें, बस जो उसने आपके लिए किया उसे स्वीकार करें। और अब इस पर विश्वास करने और इसे स्वीकार करने के द्वारा...

अब, मैं विश्वास करता हूं, पास्टर, तालाब खुला रहेगा। [भाई नेविल कहते हैं, "हाँ।"—सम्पा।] बपतिस्मा क्रम में होगा, यदि आप बपतिस्मा लेना चाहते हैं।

यदि आपने "पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा" के शीर्षक को लिया है, तो आप वास्तव में... मैं इसे आदर और सम्मान के साथ कहता हूं, लेकिन, इसे मेरे तरीके से देखना, आपने बपतिस्मा नहीं लिया हैं। आपने नहीं लिया हैं, क्योंकि आपने उसका पालन नहीं किया जो उसने कहा है।

222 उसने कहा, "उन्हें पिता, पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम में बपतिस्मा दें।" यदि आपके पास केवल वे शीर्षक थे, जो आप को बताये गये, उसने कभी नहीं कहा, "जाओ इन *शीर्षको* को कहो; इन नामों को लो।" ऐसा बाइबल में कभी नहीं किया गया। इस तरह से कभी नहीं किया गया था। ऐसा था, बपतिस्मा दो जिस तरह से यीशु ने कहा था, "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से," जो कि यीशु मसीह है।

223 पतरस, चाबियों के साथ था, उसने उसी बात को कहा; हर दूसरे प्रेरित ने, पूरी कलीसिया; जब तक पूर्व निसीया काउंसिल नहीं आ गया, जब तक रोमन कैथोलिक कलीसिया संगठित नहीं हो गई, तब उसने नाम की बजाये शीर्षको को स्वीकार कर लिया। आप या तो संप्रदाय के रोमन रीति रिवाजों के अन्दर बपतिस्मा लेते है, या यीशु मसीह के में बपतिस्मा लेते है, दोनों में से एक। ये आपके हाथों में है; आप इससे हाथ नहीं धो सकते। ये वहाँ पर है।

आपने अब इसे स्वीकार कर लिया है। मैं आपसे पूछता हूँ, जब—जब आर्गन वादक और पियानोवादक प्रसिद्ध पुराने स्तुती के गीत को बजाते हैं।

मेरा विश्वास तेरी ओर देखता है,
तुझ कलवरी के मेमने की ओर
दिव्य उद्धारकर्ता;
अब मेरी सुने, जब मैं प्रार्थना करता हूं,
और मेरे सारे अपराध को दूर करो,
और मैं आज के इस दिन से
पूरी तरह से तेरा बनू!

224 कोई एक भी इमारत को छोड़कर नहीं जाये। केवल आदर के साथ खड़े रहे, और उसकी ओर अब हमारे हाथ को ऊपर उठाये।

मेरा विश्वास तेरी ओर देखता है, (और वो वचन है)
तुझ कलवरी के मेमने की ओर
दिव्य उद्धारकर्ता;
अब मेरी सुने, जब मैं प्रार्थना करता हूं,
और मेरे सारे अपराध को दूर करो,
और मैं आज के इस दिन से
पूरी तरह से... (पूरी तरह से और सम्पूर्ण रीती से, तेरा!
मैं अब मेरे जीवन को समर्पित करता हूं)

225 पानी कुछ ही मिनटों में तैयार हो जाएगा। यदि आप अभी बपतिस्मा नहीं ले सकते, तो हम आज रात फिर से बपतिस्मा देंगे।

सारी दोपहर को इसके बारे में सोचे, "आपके हाथों में है।" इससे छुटे। केवल एक ही जरिये से आप कर सकते हैं, यीशु मसीह के लहू में धोया गया हो, कौन है... देखा? जी हाँ, श्रीमान। अब इसे याद रखें जैसे हम अपने सिर को झुकाते हैं। अब उसकी ओर देखे।

जब जीवन का काला चक्रव्यूह...

226 फैसला अब आपके ह्रदय में है। वह मुक़दमे पर है। वचन क्रूस पर चढ़ने के लिए तैयार है। मसीह मुक़दमे पर है। आप यीशु के साथ क्या करेंगे जो मसीह कहलाता है?

तू मेरा मार्गदर्शक बन;
अंधेरे को दिन में बदलने के लिए आज्ञा दे,
दुख को मिटाये, आंसू को पोछे,
न ही मुझे कभी भटकने दे
आपको छोड़कर

अब इसके लिए हमारे ह्रदय को झुकाए। [भाई ब्रंहम गुनगुनाते है *मेरा विश्वास तेरी ओर देखता है*—सम्पा।]

227 गहराई से सोचें, दोस्तों। हो सकता है कि आपका नाम आखिरी हो जो किताब में चला जाए। हम अंत समय पर हैं। अब वास्तविक गहराई से सोचें। क्या तुम, यहाँ कोई है जो उससे दूर जा चूका है?

228 याद रखें, ये फिर कभी नहीं आ सकता है। पीलातुस को कोई और मौका नहीं मिला। उसने अपनी बचने की पूरी तरह से कोशिश की, और

वह ऐसा नहीं कर सका। उस उसके हाथ में था। और आप क्या करेंगे इस दिन के अभिषिक्त वचन के साथ, जो मसीह कहलाता है?

मैं यीशु के साथ क्या करूं जो मसीह कहलाता है? HIN63-1124M

(What Shall I Do With Jesus Called Christ?)

यह सन्देश हमारे प्यारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार सुबह, 24 नवंबर, 1963 को ब्रन्हम टेबरनेकल, जेफ़रसनविले, इंडियाना, यु.एस.ए में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकोडिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकोडिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2019 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org